राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 अवैध सट्टेबाजी ऐहश्वस को प्रोमोट करने में फंसे युवराज सिंह......

मोबाइल के कारोबार में उतरेगा अमेरिकी राष्ट्रपति का परिवार..... 10

वर्ष : 16 | अंक : 44 | नई दिल्ली, बुधवार, 18 जून, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मंगलवार को एक विमान की आपात लैंडिंग, एक उड़ान बीच में ही रद्द

कोलकाता/नई दिल्ली, एजेंसी

कोलकाता/नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से लगातार विभिन्न विमानों में तकनीकी दिक्कतों की बात सामने आ रही है। मंगलवार को भी इंजन में खराबी के चलते एक उड़ान को बीच में ही रद्द करना पड़ा तो वहीं एक अन्य विमान की बम की धमकी के बाद आपात लैंडिंग कराई गई। एयर इंडिया के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रहे विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे पर उसके निर्धारित ठहराव के दौरान सभी यात्रियों को विमान से उतार लिया गया। सूत्रों के अनुसार उड़ान संख्या एआई 180 कोलकाता हवाई अड्डे पर रात पौने एक बजे पहुंची। इसे दो बजे वापस मुंबई के लिए उड़ान भरनी थी लेकिन विमान के बाएं इंजन में तकनीकी खराबी के चलते इसकी उड़ान को रद्द कर दिया गया और सुबह 5.20 बजे विमान से सभी यात्रियों को उतार लिया गया। यात्रियों को बार-बार थोड़ी देर में उड़ान भरने का आश्वासन दिया जाता रहा लेकिन आखिर में उड़ान को रद्द करना पड़ा। इसके बाद हवाई अड्डे पर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने किसी अन्य उड़ान से जल्द से जल्द मुंबई भिजवाने की मांग की। आखिर में मुंबई की अधिकांश फ्लाइट पहले से भरी होने के चलते यात्रियों को होटल में रुकने के लिए राजी किया गया। वहीं, एयर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जाने वाली उड़ान को मंगलवार को परिचालन संबंधी दिक्कतों का हवाला देते हुए रद्द कर दिया गया। एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई। एयर इंडिया ने

विमान हादसे के बाद सोमवार को ही अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान बहाल की थी। पहले इस उड़ान का कोड एआई-171 था जिसे हादसे के बाद बदलकर एआई-159 कर दिया गया है। वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार दोपहर तीन बजे लंदन के लिए निर्धारित उड़ान को परिचालन संबंधी दिक्कतों के चलते रद्द कर दिया गया है। हालांकि अधिकारियों ने परिचालन संबंधी समस्याओं के बारे में विस्तार से नहीं बताया। बम की धमकी के बाद नागपुर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2706 को बम की धमकी मिलने के बाद मंगलवार को नागपुर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। विमान मस्कट से कोच्चि होते हुए दिल्ली जा रहा था। कोच्चि से उड़ान भरने के बाद बम की धमकी मिलने पर विमान की नागपुर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई। पुलिस उपायुक्त लोहित मतानी ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। विमान की शुरूआती जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। आगे की जांच जारी है। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे द्वारा जारी बयान के अनुसार उनकी आधिकारिक ईमेल पर बम की धमकी दी गई थी। विमान में 157 यात्री व 6 क्रू सदस्य सवार थे। वायु विक्षोभ के बीच लखनऊ में सुरक्षित उतरा विमान इंडिगो के गोवा से लखनऊ जा रहे विमान को वायु विक्षोभ के बीच लखनऊ पर सुरक्षित उतार लिया गया। एयरलाइन ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि 16 जून को उत्तर गोवा से लखनऊ तक इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 6811 को पश्चिमी भारत में सक्रिय मानसून के कारण कुछ देर के लिए वायुमंडलीय विक्षोभ का सामना करना पड़ा।

मौसम

अधिकतम तापमान 32.0°C

न्यूनतम तापमान 23.0°C

बाजार

सोना 80,405

चांदी 1,1000

सेंसेक्स 80,220

निफ्टी 24,472

संक्षिप्त खबरें

कोविड-19: देश के लिए बड़ी राहत, एक्टिव केसों की संख्या 7 हजार से नीचे

नई दिल्ली। कोविड-19 संक्रमण के नए वैरिएंट की रफ्तार थमने से भारत को बड़ी राहत मिली है। लगातार तीसरे दिन भारत में कोविड संक्रमण के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के बाद देशभर में एक्टिव केस घटकर 7 हजार से नीचे आ चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने ये नए आंकड़े जारी किए हैं। कोविड संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने 17 जून, सुबह 8 बजे तक के आंकड़े जारी किए। मंत्रालय के मुताबिक, देशभर में एक ही दिन में संक्रमण के 428 केस कम हुए हैं। इससे अब कोविड के एक्टिव मामलों की संख्या घटकर 6836 हो चुकी है।

सनातन गौरव का पुनर्निर्माण हो रहा है जो खो गया था, उसे और दृढ़ संकल्प के साथ फिर से बनाया जा रहा है : उपराष्ट्रपति

हमें अपना धैर्य क्यों खोना चाहिए? राजनीति के तापमान को संयमित करें, उपराष्ट्रपति ने आग्रह किया

- हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? हमारी भाषाएं समावेशिता को दर्शाती हैं : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली, एजेंसी

पांडिचेरी विश्वविद्यालय में छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए, श्री धनखड़ ने कहा, भारत के शैक्षिक भूगोल और इतिहास में - तक्षशिला, नालंदा, मिथिला, वल्लभी और कई अन्य शिक्षा के महान केंद्र रहे हैं। इन संस्थानों ने इतिहास के उस काल में, पूरे विश्व के लिए हमारे भारत को परिभाषित किया। विश्व भर के विद्वान अपने विचारों को साझा करने और हमारे ज्ञान के बारे में जानने के लिए आए। लेकिन फिर कहीं कुछ गलत हो गया। उस समय को देखें। 1300 साल पहले नालंदा की नौ मंजिला पुस्तकालय थी। इसे धरमगंज कहा जाता था। यह पांडुलिपियों का कोष था जिसने तब गणित, खगोल विज्ञान और दर्शन को आगे बढ़ाया। आक्रमण के दो दौर आए - पहले इस्लामी आक्रमण और फिर ब्रिटिश उपनिवेशवाद। इससे भारत के ज्ञान विरासत को झटका लगा। 1190 के आसपास बख्तियार खिलजी ने क्रूरता और बर्बरता का प्रदर्शन किया। उसने सभ्यता के किसी भी लोकाचार के खिलाफ काम किया। और तब, केवल पुस्तकें ही नहीं जलाई गईं। उसने बौद्ध भिक्षुओं को मार डाला, स्तूपों को तोड़ दिया और अपने हिसाब से उसने भारत की आत्मा को नष्ट कर दिया - यह महसूस किए बिना कि भारत की आत्मा अविनाशी है। यह आग कई वर्षों तक भड़की रही। इसने 9 मिलियन - 90 लाख - पुस्तकों और ग्रंथों को निगल लिया। हमारा इतिहास राख में बदल गया। नालंदा एक विचारधारा से कहीं आगे था; यह पूरी मानवता के लाभ के लिए ज्ञान का एक जीवंत, गतिशील मंदिर था। नौ मंजिलों वाले पुस्तकालय ताम्र पत्र पांडुलिपियों से भरे हुए थे... तीन महीने तक, आग की लपटें उन्हें जलाती रही। चारों ओर घना धुआं छाया रहा। श्री धनखड़ ने राजनीतिक तापमान कम करने और संवाद में शामिल होने का आग्रह करते हुए, कहा, ह्रमित्रों, राष्ट्रीय मानसिकता में भी बदलाव की आवश्यकता है। सबसे पहले मैं राजनीतिक प्रणाली के बारे में बात करता हूं। हमने एक-दूसरे से मतभेद करने की आदत बना ली है। कोई भी अच्छा विचार किसी और से आ रहा है, मुझसे नहीं, तो वह गलत है। क्योंकि मैं अपने विचार की सर्वोच्चता में विश्वास करता हूं। इस प्रक्रिया में मैं अपने वैदिक दर्शन अनंतवाद की बलि चढ़ा रहा हूं। अभिव्यक्ति होनी चाहिए, वाद-विवाद होना चाहिए, अभिव्यक्ति होनी चाहिए, संवाद होना चाहिए। ये दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। हमें उस दिशा में आगे बढ़ना होगा। हम राजनीतिक तापमान बढ़ाने के लिए बहुत उत्सुक हैं। जलवायु परिवर्तन हमारे लिए ऐसा कर रहा है। हम सभी चिंतित हैं। हमें अपने धैर्य को क्यों खोना चाहिए? हम अपने सभ्यतागत, आध्यात्मिक सार से दूर होकर अधीरता से क्यों कार्य करें? मैं राजनीतिक नभमंडल, राजनीति के अग्रणी व्यक्तियों से अपील करता हूं। कृपया राजनीति के तापमान को कम करें। टकराव के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। संवाद होना चाहिए। व्यवधान और अशांति वे तंत्र नहीं हैं जिन्हें संविधान सभा में संविधान निमार्ताओं ने हमें सिखाया है । अब समय आ गया है कि भारत उन्नति की ओर अग्रसर हो। विश्व हमारी ओर देख रहा है। चुनौतियां तो होंगी ही, क्योंकि भारत इस समय दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी राष्ट्र है। पिछले दशक के अभूतपूर्व विकास के परिणामस्वरूप, हमारे लिए ये चुनौतियां और भी जटिल हो जाएंगी, यदि हमारे राजनेता राष्ट्रीय हित और राष्ट्रीय विकास पर ध्यान देने की आवश्यकता हमेशा महसूस नहीं करते। शिक्षा के व्यावसायीकरण पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री धनखड़ ने कहा, ह्रएक समय था जब शिक्षा और स्वास्थ्य उन लोगों के लिए साधन थे जिनके पास समाज को वापस देने के लिए पर्याप्त संसाधन थे। उन्होंने कभी नहीं सोचा कि ये लाभ कमाने वाले उद्यम हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा में उनके उद्यम हमारी सदियों पुरानी ज्ञान से प्रेरित थे - हमें समाज को उसके योग्य नागरिकों के उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करने के लिए समाज के विकास में वापस योगदान देना चाहिए और इसलिए प्रयास होना चाहिए, हमें शिक्षा के वस्तुकरण और व्यावसायीकरण से प्रेरित नहीं होना चाहिए। हमारी शिक्षा भारत की पारंपरिक गुरुकुल प्रणाली के अनुरूप होनी चाहिए, जिसे भारतीय संविधान में 22 लघु चित्रों में से एक में स्थान दिया गया है और इसे प्राथमिकता दी गई है। हमें ज्ञान प्राप्त करने के अलावा बच्चों के चरित्र विकास पर भी जोर देना चाहिए, क्योंकि तभी ज्ञान प्राप्ति में गुणवत्ता और अत्याधुनिकता आएगी। सेवा के रूप में शिक्षा वर्तमान व्यावसायिक मॉडल के साथ असंगत है जो तेजी से उभर रहा है और इसलिए मैं उद्योगपतियों से मानसिकता बदलने की अपील करता हूं। भारत में हमेशा ही परोपकार का असतित्व रहा है। मैं उद्योगपतियों से अपील करता हूं-बैलेंस शीट की अवधारणा से बहुत दूर, ग्रीन फील्ड परियोजनाओं के रूप में वैश्विक प्रतिष्ठा वाले संस्थानों में संयोजन के द्वारा अपने सीएसआर संसाधनों को एकत्रित करें। विश्वविद्यालय में पूर्व छात्रों के योगदान के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, यदि आप विश्व भर में, दुनिया के विकसित लोकतंत्रों में देखें - तो आप पाएंगे कि विश्वविद्यालयों की एकमुश्त निधियां अरबों डॉलर में हैं। एक विश्वविद्यालय का कोष 50 अरब डॉलर से भी अधिक है। माननीय कुलपति महोदय, एक शुरूआत करें।

अहमदाबाद विमान हादसे में 144 लोगों के डीएनए सैंपल का हुआ मिलान : हर्ष सांघवी

अहमदाबाद, एजेंसी

अहमदाबाद। एयर इंडिया विमान हादसे में मारे गए लोगों के डीएनए मिलान की प्रक्रिया जारी है। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने मंगलवार को डीएनए मैच को लेकर अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि अब तक 144 शवों की पहचान की पुष्टि हो चुकी है। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, दोपहर 12 बजे तक 144 डीएनए नमूनों का मिलान हो चुका है। सोमवार को अहमदाबाद सिविल अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने बताया था कि अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए 64 लोगों के शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं। इसके अलावा, 24 परिवार हमें सूचित करेंगे कि शव कब स्वीकार किए जाएंगे। इससे पहले गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने अहमदाबाद विमान दुर्घटना से मिली वस्तुओं के बारे में अहम जानकारी दी थी। उन्होंने बताया था कि सामान को इकट्ठा कर पीड़ित परिवारों को सौंपा जाएगा। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट को रीशेयर किया था। उन्होंने लिखा, ह्रदुर्घटनास्थल पर मिले प्रत्येक सामान को सावधानीपूर्वक एकत्र किया जाएगा, उसका दस्तावेजीकरण किया जाएगा और संबंधित परिवारों को सौंप दिया जाएगा। हमारी टीम इन व्यक्तिगत वस्तुओं का पता लगाने और उनकी पहचान करने के लिए लगन से काम कर रही है और हम नागरिक उड्डयन विभाग के साथ मिलकर एक सुचारु और सम्मानजनक प्रक्रिया सुनिश्चित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 12 जून को एयर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। विमान में चालक दल के सभी 12 सदस्य और 230 यात्री सवार थे। हादसे में सिर्फ एक यात्री की जान बची है, जो भारतीय मूल का ब्रिटिश नागरिक है। शेष 241 लोगों की जान चली गई थी। हादसे में जान गंवाने वालों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी शामिल थे। विमान में आग लगने के कारण उसमें सवार लोगों के शव इस कदर जल चुके हैं कि उनकी पहचान के लिए डीएनए परीक्षण जरूरी हो गया था। एयर इंडिया विमान हादसे में दोनों ब्लैक बॉक्स बरामद हो चुके हैं। इसके बाद जांचकताओं ने जांच तेज कर दी है। कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (सीवीआर), जिसे आमतौर पर दूसरा ब्लैक बॉक्स कहा जाता है, उसे मलबे के कॉकपिट भाग से निकाल लिया गया है। फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर पहले ही बरामद कर लिया गया था।

देश की एकता, अखंडता का सवाल हो तो तथ्यहीन बात नहीं करनी चाहिए: सिन्हा

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम हमले के बाद जम्मू-कश्मीर की जनता के आतंकवाद के विरुद्ध खड़े होने को बड़ा बदलाव बताया है और विपक्षी नेताओं को नसीहत दी है कि जब देश की एकता-अखंडता का सवाल हो तो वहां जिम्मेदारी दिखानी चाहिए, तथ्यहीन बातें नहीं करनी चाहिए। श्री सिन्हा ने सोमवार को शाम यहां इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के कला निधि प्रभाग द्वारा प्रकाशित पुस्तक ह्यरिइमैजिनिंग जम्मू एंड कश्मीरः ए पिक्टोरियल जर्नी का विमोचन किया। इस मौके पर चर्चा के एक सत्र के साथ ही, इसी शीर्षक से एक फोटो प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता आईजीएनसीए के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने की। इस अवसर विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी उपस्थित थीं। यह पुस्तक प्रसिद्ध फोटो जर्नलिस्ट आशीष शर्मा द्वारा लिखी गयी है और इसमें जम्मू-कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक धरोहर, स्मार्ट सिटी पहल, कृषि, हस्तशिल्प और आध्यात्मिक स्थलों को चित्रों के माध्यम से दशार्या गया है। प्रदर्शनी दर्शकों के लिए 16 से 25 जून 2025 तक आईजीएनसीए की चित्रदीर्घा दर्शनम्-1 में पूर्वाह्न 10 बजे से शाम पांच बजे तक खुली रहेगी। चर्चा सत्र के मुख्य अतिथि श्री सिन्हा ने कहा, जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में पांच अगस्त 2019 की तारीख एक महत्वपूर्ण तारीख है, जब जम्मू-कश्मीर को भारत के साथ पूरी तरह से एकीकृत किया गया। इसी तरह छह जून 2025 की तारीख भी ऐसी ही है। उस दिन जम्मू-कश्मीर भौतिक रूप से देश के साथ एकीकृत हुआ, जब कश्मीर रेलमार्ग के जरिये कन्याकुमारी से जुड़ गया। पांच अगस्त और छह जून देश के इतिहास में याद रखे जाने वाले दिन हैं, जिन्होंने इसे संभव बनाया, वे लोग भी याद रखे जायेंगे। पांच अगस्त और छह जून इस जड़ता को दूर करने वाले दिन हैं। उन्होंने कहा कि आशीष शर्मा की ये कॉफी टेबल बुक पिछले पांच वर्षों में जम्मू-कश्मीर में आये बदलावों को दिखाती है। ये पुस्तक तथ्यात्मक रूप से निरंतर राज्य में हो रहे बदलावों को प्रस्तुत करती है। जम्मू-कश्मीर के लोगों की पीड़ा की चर्चा करते हुये उन्होंने कहा ह्रपहले सुबह उनकी नहीं थी, शाम उनकी नहीं थी। सड़कें उनकी नहीं थीं और कभी-कभी लगता था कि शहर भी उनका नहीं था। अब कश्मीर के लोगों को उनका शहर मिल गया है।ह्व उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर को लेकर भारत सरकार और राज्य प्रशासन की नीति यही है कि शांति को खरीदा नहीं जा सकता। शांति को स्थापित करना पड़ता है। हम अपने सुरक्षाबलों को कहते हैं, बेगुनाह को छेड़ो मत और गुनाहगार को छोड़ो मत। उन्होंने रेखांकित किया कि सभी मामलों में जम्मू-कश्मीर के विकास में गति आयी है।

ईरान में फंसे 10 हजार भारतीयों को जल्द किया जाएगा एयरलिफ्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बारे में अपने आर्मेनियाई समकक्ष अराराट मिजोर्या से बात की है। वहीं, एक सूत्र ने बताया कि शिराज और इसफहन से छात्रों को याज्द में शिफ्ट किया जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक इंडियन एंबेसी तेहरान में हालात पर पूरी तरह से नजर रखे हुए है। इसके अलावा भारतीय छात्रों की सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है। कुछ मामलों में छात्रों को एंबेसी के सुरक्षित ठिकानों पर रखा जा रहा है। इसके अलावा अन्य जगहों की भी तलाश की जा रहा है। जल्द ही ईरान में फंसे 10 हजार भारतीयों को एयरलिफ्ट किया जा सकता है। इस बीच भारतीय दूतावास ने अपने ह्यएक्सह्न अकाउंट पर एक गूगल फॉर्म उपलब्ध कराया। सभी भारतीय नागरिकों से इसे भरकर अपना विवरण देने को कहा है। इसमें कहा गया है कि कृपया याद रखें, घबराने की जरूरत नहीं है, सावधानी बरतें और तेहरान में भारतीय दूतावास से संपर्क बनाए रखें। दूतावास ने सोशल मीडिया मंच ह्यएक्सह्नपर लिखा कि कृपया ध्यान दें कि यह टेलीग्राम लिंक केवल उन भारतीय नागरिकों के लिए है, जो वर्तमान में ईरान में हैं। भारतीय दूतावास ने आपात स्थिति के लिए कुछ फोन नंबर भी जारी किए हैं। इधर, भारत सरकार ने कहा है कि वह इन छात्रों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। ईरान में फिलहाल करीब 10 हजार भारतीय हैं, जिनमें 6000 छात्र हैं। इसमें से करीब 600 छात्रों को तेहरान से कौम की तरफ रीलोकेट किया जा चुका है। इसके अलावा 110 छात्र उर्मिया से आर्मेनिया सीमा की तरफ जा चुके हैं। इन लोगों को जल्द से जल्द वहां से निकाल लिया जाएगा। विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएई के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जाएद अल नाह्यान से भी बात की है। इन दोनों के बीच पश्चिमी एशिया में हालात को लेकर बात हुई। श्रीनगर से मिली रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की विभिन्न यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई करने वाले कश्मीरी छात्र वहां पर फंसे हुए हैं। इजरायल और ईरान के बीच जारी लड़ाई ने इनके लिए मुसीबत खड़ी कर दी है। इनके परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद की अपील की है। जम्मू कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी) ने इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष बढ़ने के मद्देनजर विदेश मंत्री एस. जयशंकर से केंद्र शासित प्रदेश के छात्रों को ईरान से निकालने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया। जम्मू कश्मीर के सैकड़ों छात्र विभिन्न ईरानी विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम-मुख्यतः चिकित्सा-की पढ़ाई कर रहे हैं।

भारतीय सैन्य टुकड़ी फ्रांस के साथ शक्ति अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना की एक टुकड़ी द्विवार्षिक भारत-फ्रांस संयुक्त सैन्य अभ्यास शक्ति में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को फ्रांस रवाना हो गयी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यह इस अभ्यास का आठवां संस्करण है जो फ्रांस में ला कैवेलरी के कैंप लारजैक में बुधवार से शुरू होकर एक जुलाई तक चलेगा। भारतीय टुकड़ी में 90 सैनिक हैं और इसका प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से जम्मू और कश्मीर राइफल्स की एक बटालियन के साथ-साथ अन्य सेनाओं के सैनिक कर रहे हैं। फ्रांसीसी टुकड़ी में भी 90 सदस्य हैं, जिनका प्रतिनिधित्व 13वीं विदेशी सेना हाफ-गेड (13वीं डीबीएलई) के सैनिक कर रहे हैं। ह्यशक्तिह्न अभ्यास भारतीय और फ्रांसीसी सेनाओं के बीच एक द्विवार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य अंतर-संचालन, परिचालन समन्वय और परस्पर सैन्य संपर्क को बढ़ाना है। यह अभ्यास संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय सात के तहत अर्ध-शहरी इलाकों में आयोजित किया जाएगा। यह अभ्यास दोनों टुकड़ियों को सामरिक अभ्यासों , उन्हें परिष्कृत करने, रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं (टीटीपी) में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने।

साइबर सेंटर | **विद्युत परिसंपत्तियों को एनडीआरएफ/एसडीआरएफ के तहत क्षतिपूर्ति के दायरे में लाने का आग्रह**

साइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के लिए केंद्र से 63.60 करोड़ अनुरोध

तेल अवीव, एजेंसी

नई दिल्ली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह से भेंट कर राज्य के समूचे विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में बढ़ती चुनौतियों के दृष्टिगत केंद्रीय गृह मंत्री से देहरादून में ह्लसाइबर सेंटर ऑफ एक्सीलेंसह्व की स्थापना के लिए 63.60 करोड़ रुपये की धनराशि की स्वीकृति का अनुरोध किया है। यह सेंटर डिजिटल अपराधों की रोकथाम, विशेषज्ञ प्रशिक्षण, साइबर फोरेंसिक और आधुनिक संसाधनों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एवं मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को राज्य की विद्युत अधोसंरचना को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली क्षति पर चर्चा करते हुए अवगत कराया कि छोटे हिमालयी राज्यों की भौगोलिक विषमताओं को ध्यान में रखते हुए विद्युत उत्पादन, पारेषण एवं वितरण परिसंपत्तियों को एनडीआरएफ/एसडीआरएफ के तहत क्षतिपूर्ति के दायरे में लाया जाए। इससे राज्य का आपदा प्रबंधन तंत्र और अधिक प्रभावी व सशक्त होगा। मुख्यमंत्री

ने सितारगंज केंद्रीय कारागार के विस्तार के प्रस्ताव पर 150.16 करोड़ रुपये की लागत से शीघ्र स्वीकृति देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से सफलतापूर्वक आयोजित उत्तराखण्ड ग्लोबल इनवेस्टर समिट-2023 का उल्लेख करते हुए बताया कि राज्य ने 3.50 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों पर समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस उपलब्धि को राज्य के लिए गर्व का विषय बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री को अवगत कराया कि इसे उत्सव के रूप में मनाते हुए ह्यउत्तराखण्ड निवेश उत्सवह्न का आयोजन प्रस्तावित है, जिसे पंतनगर-रुद्रपुर के औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मुख्यमंत्री के सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक कार्यवाही का आश्वासन दिया।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ह्यनए भारतह्न की परिकल्पना को साकार के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार का निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग राज्य के विकास को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

पहले जीजा-साले सहित तीन पर हमला, फिर साथी पर झोंका फायर

हरिद्वार, एजेंसी। सिडकुल थाना क्षेत्र में कंपनी से लौट रहे जीजा-साले सहित तीन व्यक्तियों पर रास्ते में बेल्ट और लोहे की रॉड से हमला करने का मामला सामने आया है। फिर कॉलोनी में गए उनके साथी पर पांच-छह लोगों ने तमंचे से फायर कर दिया। इसके बाद तमंचे की बट से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांच नामजद और आठ अज्ञात आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी कैमरों से आरोपियों को चिह्नित किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, सूरज निवासी लखीमपुर हाल सूर्यनगर कॉलोनी सिडकुल ने शिकायत दी। बताया कि 14 जून को वह अपने बहनोई मुन्ना और भांजे रमेश के साथ कंपनी से लौट रहा था। रास्ते में जब सामान लेने के लिए एक ढाबे के पास रुके। जहां पहले से मौजूद बाबू उर्फ शुक्ला, गौरव निवासीगण सूर्यनगर कालोनी, विनीत सिंह, अभिषेक निवासी आन्नेकी हेत्तमपुर, लवी कुमार निवासी लक्सर और उनके साथ 8 से 10 लोगों ने बेल्ट व लोहे की रॉड से तीनों पर हमला कर दिया। आरोप है कि उन्हें बुरी तरह पीटा, जिससे गंभीर चोटें आई। वहां से किसी तरह खुद को बचाकर भागे। इसके बाद दुकान पर गए उसके साथी शेष कुमार पर फायर कर दिया, जिससे वह बाल बाल बच गया। बाद में पांच-छह लोगों तमंचे की बट से सिर पर वार किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपी हत्या की धमकी देकर फरार हो गए। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिंह भंडारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

किशोरी को ले जाने वाले युवक पर अपहरण का मुकदमा

हरिद्वार, एजेंसी। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में रहने वाली एक किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने वाले युवक के खिलाफ पुलिस ने अपहरण और पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी और नाबालिग की तलाश शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, एक व्यक्ति ने तहरीर देकर बताया कि उसकी 14 वर्षीय पुत्री को आकाश निवासी सीतापुर 13 जून की सुबह आठ बजे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। जब उन्होंने गली में लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो उनमें आकाश उनकी बेटी को अपने साथ ले जाते हुए दिखाई दिया है। आरोप लगाया कि आकाश के पिता गोपाल प्रसाद ने भी घर से भगाने में सहयोग किया। इसकी जानकारी मिलने पर उन्होंने आकाश के घर वालों से पूछा तो कुछ भी बताने से मना कर दिया। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

चार लोगों की पिटाई कर तमंचे से झोंका फायर, सात आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। सिडकुल थाना क्षेत्र में कंपनी से लौट रहे जीजा-साले सहित तीन व्यक्तियों पर बेल्ट और लोहे की रॉड से हमला करने के बाद फिर उनके साथी पर तमंचे से फायर और बट से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में हत्या के प्रयास सहित प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। वारदात को अंजाम देने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से तमंचा, एक जिंदा कारतूस, घटना में इस्तेमाल कार और बाइक बरामद हुई। आरोपी गैंग बनाकर लोगों से मारपीट करते हैं। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, सूरज निवासी जिला लखीमपुर हाल सूर्यनगर कॉलोनी सिडकुल ने मुकदमा दर्ज कराया था। बताया था कि 14 जून को वह अपने बहनोई मुन्ना और भांजे रमेश के साथ कंपनी से घर लौट रहा था। रास्ते में खंडूरी ढाबे के पास बाबू उर्फ शुक्ला, गौरव, विनीत सिंह, अभिषेक, लवी कुमार और उनके साथ 8 से 10 लोगों ने बेल्ट व लोहे की रॉड से तीनों पर हमला कर दिया। शेष कुमार पर भी तमंचे से फायर किया, जिसमें वह बाल बाल बचा। तब तमंचे की बट से सिर पर हमला कर गंभीर घायल कर दिया। पुलिस ने हत्या के प्रयास सहित प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की धरपकड़ शुरू कर दी थी।

आज से शुरू होगा एकल महिला स्वरोजगार योजना के लिए आवेदन, इन महिलाओं को मिलेगा लाभ

देहरादून, एजेंसी।
मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के तहत आज से आवेदन प्रक्रिया शुरू होने जा रही है. 16 मई को कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद सोमवार को महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने इस योजना को लॉन्च कर दिया है. ऐसे में पात्र महिलाएं आज से 31 जुलाई तक आवेदन कर सकती हैं. इस योजना का लाभ प्रदेश की अविवाहित, परित्यक्ता, तलाकशुदा, निराश्रित और विकलांग एकल महिलाएं उठा सकती हैं.

मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के तहत प्रदेश की निराश्रित एकल महिलाओं को ही लाभ मिलेगा. इस योजना के तहत एकल महिलाएं दो लाख तक के स्वरोजगार शुरू करने का प्रोजेक्ट बनाएंगी. जिसमें से इन महिलाओं को डेढ़ लाख रुपए बतौर सब्सिडी राज्य सरकार देगी. यानी इस योजना के तहत लाभार्थी को मात्र 50 हज़ार रुपए ही निवेश करने होंगे. यानी इस योजना के तहत लाभार्थियों को 75 फ़ीसदी सब्सिडी का लाभ मिलेगा.

इस योजना का उद्देश्य महिलाओं को अपने गांव में ही या फिर आसपास के क्षेत्र में रोजगार के साधन उत्पन्न कराना है. जिससे न सिर्फ पलायन की समस्या दूर होगी बल्कि आसपास के लोगों को भी लाभ मिलेगा. मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना के तहत महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ने के लिए कृषि, बागवानी, पशुपालन, कूट-कूट पालन, भेड़ बकरी पालन, मत्स्य पालन, ब्यूटी पार्लर समेत अन्य तमाम व्यासाय शुरू कर सकती हैं. इस योजना के तहत महिलाओं को सब्सिडी दिए जाने के लिए नियम भी बनाए गए हैं. यानी जब महिला स्वरोजगार से जुड़ने के लिए कोई योजना तैयार करेंगी तो उसे योजना को धरातल पर उतरने के लिए शुरुआती दौर में राज्य सरकार की ओर से मिलने वाले कुल सब्सिडी का 50 फीसदी हिस्सा शुरुआत में ही लाभार्थी को दी जाएगी. इसी दौरान लाभार्थी महिला को भी 50 फ़ीसदी धनराशि लगानी होगी. यानी व्यापार शुरू करने के दौरान ही राज्य सरकार 75,000 लाभार्थी को देगी और लाभार्थी को अपने पास से 25,000 लगते होंगे. ऐसे में बिजनेस शुरू होने के बाद 6 महीने के भीतर राज्य सरकार की ओर से सब्सिडी की दूसरी किस्त के रूप में 30 फीसदी हिस्सा दिया जाएगा.

इस दौरान लाभार्थी को भी अपने अंश से 30 परसेंट धनराशि को निवेश करना होगा. ऐसे में जब बिजनेस सही ढंग से चलने लगेगा तो करीब 9 महीने के भीतर बचा हुआ 20 फीसदी धनराशि लाभार्थी को दे दी जाएगी. उस दौरान लाभार्थी को भी अपने अंश के बचे हुए 20 फीसदी धनराशि को निवेश करना होगा. इस योजना के तहत पहले साल में 2000 महिलाओं को लाभान्वित करने का लक्ष्य रखा गया है. जिसके लिए 30 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है. अगर कोई लाभार्थी इस योजना का लाभ लेती है लेकिन बिजनेस शुरू नहीं करती है तो सरकार की ओर से शुरुआती दौर में दी गई 50 फीसदी सब्सिडी को वापस ले लिया जाएगा.

कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने बताया इस योजना में पात्र महिलाओं को स्वरोजगार के लिए दो लाख रुपए तक के प्रोजेक्ट स्वीकार किए जाएंगे. जिसमें से 75 फ़ीसदी हिस्सा सब्सिडी यानी अनुदान के रूप में दिया जाएगा. लाभार्थियों को सिर्फ 25 फ़ीसदी हिस्सा ही व्यवसाय में अपने पास से लगाना होगा. पहले साल इस योजना के तहत काम से कम 2000 महिलाओं को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है.

विजिलेंस एकाउंटेंट रिश्वत मामला, हाईकोर्ट में आज होगी सुनवाई

नैनीताल, एजेंसी। रिश्वत लेने के आरोप में विजिलेंस टीम ने 9 मई को नैनीताल के मुख्य कोषाधिकारी दिनेश राणा के साथ गिरफ्तार कोषागार के लेखाकार बसन्त जोशी की ओर से भी हाईकोर्ट में जमानत अर्जी दायर हुई है. जिसकी सुनवाई हाईकोर्ट में पहले से विचाराधीन मुख्य कोषाधिकारी दिनेश राणा की जमानत अर्जी के साथ आज होगी. विजिलेंस की टीम ने मुख्य कोषाधिकारी व लेखाकार को 1.20लाख रुपये की रिश्वत लेते पकड़ा था . यह रिश्वत जिला न्यायालय नैनीताल/हल्द्वानी में कार्यरत 6 कर्मचारियों को ए सी पी,का लाभ दिए जाने के एवज में लिये जाने का आरोप है . इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की एकलपीठ में हो रही है. सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि की उन्हें इस मामले में झूठा फंसाया गया है. सरकार की तरफ से कहा गया कि जब मामले की जांच हुई तो पाए गए नोटों पर एकाउंटेंट व मुख्य कोषाधिकारी के उंगलियों के निशान पाए गए हैं. इसकी पुष्टि के लिये कांच के गिलास में पानी भरकर व सोडियम कार्बोनेट डाला गया. जिसमें आरोपियों हाथ धोए गए. जिसमें पानी का रंग गुलाबी हो गया. नोटों में भी आरोपियों के उंगलियों के निशान लगे हुए हैं. विजिलेंस की टीम ने पर्याप्त साक्ष्य और सबूत कोर्ट में पेश किये हैं.

सल्ट क्षेत्र में भालू का आतंक, दो महिलाओं समेत तीन लोगों पर हमला, हालत गंभीर

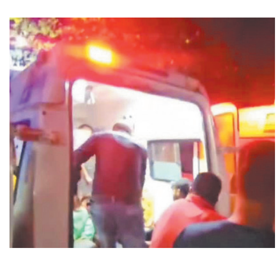

रामनगर, एजेंसी। अल्मोड़ा जनपद के सल्ट विधानसभा क्षेत्र में भालू का आतंक देखने को मिला है. यहां भालू ने दो महिलाओं सहित तीन लोगों पर हमला कर दिया. भाल के हमले के बाद से ही गांव में दहशत का माहौल है.

बता दें सोमवार देर शाम को अल्मोड़ा जनपद के सल्ट विधानसभा क्षेत्र के ग्राम जाख में उस समय हड़कंप मच गया, जब एक भालू ने गांव में ही दो महिलाओं और एक वृद्ध व्यक्ति पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया. यह घटना अल्मोड़ा वन प्रभाग के मोहान रेंज अंतर्गत सामने आई है. घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों और वन विभाग की टीम ने तत्काल मोर्चा संभाला. तीनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए रामनगर के सरकारी अस्पताल पहुंचाया.इनमें 60 वर्षीय तारी राम, पुष्पा देवी और मोहनी देवी शामिल हैं.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, तारी राम जंगल में अपनी गाय-बकरियों को लेने गए थे. इसी दौरान रास्ते में भालू ने उन पर अचानक हमला कर दिया. हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए. इसके कुछ समय बाद, इसी इलाके में करीब 2 से 3 किलोमीटर के दायरे में शादी के निमंत्रण से लौट रही दो महिलाएं, मोहनी देवी और पुष्पा देवी भी भालू के हमले का शिकार हो गईं. भालू ने दोनों महिलाओं को बुरी तरह लहूलुहान कर दिया. गांव के लोगों और वनकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए तीनों घायलों को तुरंत रामनगर अस्पताल पहुंचाया. अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने पुष्पा देवी और तारी राम की हालत गंभीर बताते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया.

हरिद्वार में किसान महाकुंभ शुरू, सरकार के 11 साल और हमारे 11 सवाल मुद्दा, राकेश टिकैत ने कहा सरकार लूट रही

हरिद्वार, एजेंसी।
भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के किसानों का चार दिवसीय महाकुंभ आज 16 जून से हरिद्वार में लाल कोठी पर शुरू हो गया है. इससे पूर्व वीआईपी घाट पर मेरठ मंडल के किसानों की बैठक हुई. बैठक में देश भर से बड़ी संख्या में किसान नेता शामिल होने आए. किसान नेता राकेश टिकैत भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए. उन्होंने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर विचार व्यक्त किए और मोदी सरकार पर भी जमकर निशाना साधा.

इस दौरान भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बताया कि इस बार उनके मुद्दे सरकार के 11 साल और हमारे 11 सवाल हैं. जिनमें एमएसपी की गारंटी को लागू करना, बिजली को प्राइवेट किये जाने का विरोध, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू करना, दूध पालन किसान की समस्या, भूमिहीन होते किसान की समस्या, भाजपा सरकार की भूमि छीनने की पॉलिसी का स्पष्टीकरण, इंडस्ट्री के नाम पर, रोड के नाम पर, डेवलपमेंट के नाम पर किसानों की जमीन छीनकर व्यापारी को देने आदि मुद्दों पर विचार कर निर्णय किया जाएगा.

बीजेपी सरकार पर साधा निशाना- वहीं मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल को राकेश टिकैत किस तरह से देखते हैं, इस सवाल पर राकेश टिकैत ने कहा कि इस सरकार ने 11 साल में लूटने का प्लान बनाया है. इस सरकार ने छोटे व्यापारी और मजदूर-मिस्त्री को लूटने का काम किया है.

सरकार पर वादे पूरे नहीं करने का लगाया आरोप- वहीं राकेश टिकैत ने आरोप लगाया कि किसान आंदोलन के दौरान सरकार ने कुछ वादे किए थे, लेकिन वो आज तक पूरे नहीं हुए. ये पूंजीपतियों की सरकार है. सरकार ने लोगों को तो दूसरे धंधों में उलझा दिया और पीछे से उनका माल बेचने का काम कर रही है. पूरे देश में सरकार के खिलाफ इस वक्त माहौल बना हुआ है.

शुगर मिलों पर किसानों का बकाया- राकेश टिकैत ने आरोप है कि सरकार आर्थिक तौर पर आम आदमी को कमजोर करना चाहती है. इस तरह के तमाम मसलों पर जनता को ध्यान देना पड़ेगा. इकबालपुर शुगर मिल पर बीते सात-आठ सालों से हरियाणा के किसानों का करीब 50 करोड़ रुपए बकाया है. यूपी में भी कुछ शुगर मिलों पर किसानों का बकाया है.

उत्तराखंड रोडवेज के बेड़े में शामिल होने जा रही हैं 100 नई बसें, ड्राइवर और कंडक्टरों की भी जल्द होगी भर्ती

हल्द्वानी, एजेंसी।
उत्तराखंड परिवहन निगम अब जल्द ही अपनी पुरानी बसों को हटाकर नई बसें बेड़े में शामिल करने जा रहा है. उत्तराखंड परिवहन निगम की प्रबंध निदेशक रीना जोशी ने इसकी जानकारी दी. उन्होंने कहा कि उत्तराखंड परिवहन निगम की खस्ताहाल बसें जो सड़कों पर अब चलने की स्थिति में नहीं हैं, उनको हटाया जाएगा. पुरानी बसों की जगह पर नई बसें परिवहन निगम खरीदने जा रहा है. प्रबंध निदेशक रीना जोशी ने बताया कि मुख्यमंत्री खुद उत्तराखंड परिवहन निगम की बसों को लेकर गंभीर है. सीएम धामी ने खुद पुरानी बसों को रिप्लेस करने को कहा है. सीएम धामी के निर्देश पर ही उत्तराखंड परिवहन निगम ने 130 नई बसें खरीदी थी. इसके बाद अब फिर से 100 बसें खरीदी जा रही हैं. आगामी दो से तीन महीने के अंदर उत्तराखंड परिवहन निगम ये 100 बसें खरीदेगा. उत्तराखंड परिवहन निगम की प्रबंध निदेशक रीना जोशी ने बताया कि उत्तराखंड परिवहन निगम का यही प्लान है कि साल 2016 और 2019 मॉडल की बसों को यानी जो बसें फेज आउट हो चुकी हैं, उन्हें बाहर किया जाए. इसके साथ ही प्रबंध निदेशक रीना जोशी ने उत्तराखंड रोडवेज में ड्राइवर और कंडक्टरों की कमी के सवाल पर भी जवाब दिया. उन्होंने कहा कि हाल फिलहाल में कुछ कंडक्टर आउट सोर्स से लिए गए थे. उत्तराखंड परिवहन निगम के जिस भी विभाग में स्टाफ की कमी है उसे दूर किया जा रहा है. जल्द ही स्टाफ की भर्ती की जाएगी. प्रबंध निदेशक रीना जोशी ने हल्द्वानी रोडवेज बस अड्डे का भी निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं को ठीक करने और यात्रियों को विश्राम के लिए उचित व्यवस्थाओं निर्देश भी दिए.

नैनीताल में रिमझिम बारिश से सुहावना मौसम, पर्यटकों ने की जमकर मस्ती!

नैनीताल, एजेंसी।
सरोवर नगरी में रिमझिम बारिश से मौसम सुहावना हो गया। सैलानियों ने सुहावने मौसम के साथ नगर के पर्यटन स्थलों में खूब मौज मस्ती की। नगर में दो घंटे की बारिश में पांच मिली वर्षा हुई। करीब ढाई हजार वाहनों की शहर में एंट्री हुई।

सोमवार सुबह करीब पांच बजे से रिमझिम वर्षा का क्रम शुरू हो गया था। दिन चढ़ने के साथ ही पर्यटकों का हुजूम उमड़ पड़ा। आसमान में बादल पूरे दिन आसमान में आते जाते रहे। दोपहर में सूर्यदेव भी दर्शन देते रहे। धूप छांव के बीच नगर का तापमान सामान्य बना रहा और गर्मी का एहसास नहीं हुआ। इस बीच नगर के पर्यटन स्थलों में खासी रौनक देखने को मिली। चिड़ियाघर, केव गार्डन, बॉटनिकल गार्डन, हिमालय दर्शन, वाटरफाल व हनुमानगढ़ी में पूरे दिन सैलानियों की आवाजाही रही। इस बीच मां नयना देवी मंदिर में धार्मिक पर्यटक बड़ी संख्या में पहुंचे हुए थे। नौका विहार करने वाले सैलानियों का तांता पूरे दिन लगा रहा तो भोटिया बाजार व तिब्बती बाजार में खरीदारी करने वाले सैलानी बड़ी संख्या में नजर आए। इधर नगर के समीपवर्ती पर्यटन स्थल पंगोट, खुर्पाताल व बजून में सैलानियों की चहल पहल बनी हुई है, जबकि मुक्तेश्वर व रामगढ़ में सैलानियों की आमद में कमी आई है।

वरिष्ठ होटल व्यवसायी देवेंद्र लाल के अनुसार इन दिनों नगर में भले ही सैलानियों की आमद अपेक्षा से कम रही, लेकिन ग्रीष्मकालीन पर्यटन सीजन जून के आखिर तक बने रहने की उम्मीद है। जीआइसी मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अधिकतम तापमान 28 व न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस रहा।

चिड़ियाघर, केव गार्डन, बॉटनिकल गार्डन, हिमालय दर्शन, वाटरफाल व हनुमानगढ़ी में पूरे दिन सैलानियों की आवाजाही रही। इस बीच मां नयना देवी मंदिर में धार्मिक पर्यटक बड़ी संख्या में पहुंचे हुए थे। नौका विहार करने वाले सैलानियों का तांता पूरे दिन लगा रहा तो भोटिया बाजार व तिब्बती बाजार में खरीदारी करने वाले सैलानी बड़ी संख्या में नजर आए।

डेलीगेट के चुनाव में मृतक को बना दिया प्रस्तावक

हरिद्वार, एजेंसी। गन्ना विकास समिति के चुनाव में डेलीगेट के एक प्रत्याशी की ओर से तो नामांकन पत्र में मृतक को ही प्रस्तावक बना दिया, जबकि, दूसरे प्रत्याशी के अनुमोदक के हस्ताक्षर में ओवरराइटिंग पाई गई। चुनाव अधिकारी ने दोनों के नामांकन पत्र निरस्त कर दिए।

ज्वालापुर गन्ना विकास समिति के डेलीगेट के 81 पदों पर 109 दावेदारों ने नामांकन पत्र जमा कराए थे। सोमवार को नामांकन पत्रों की जांच की गई। जांच में सामने आया कि चांदपुर से डेलीगेट का चुनाव लड़ने वाले राजेंद्र की ओर से बनाए गए अनुमोदक के हस्ताक्षर में ओवरराइटिंग है। जिससे अनुमोदक के हस्ताक्षर संदेहास्पद होने पर प्रत्याशी का नामांकन निरस्त कर कर दिया गया। खेलड़ी गांव की महिला प्रत्याशी सोमवती प्रत्याशी ने तो एक व्यक्ति को अपना प्रस्तावक बनाया। जब जांच की गई तो प्रस्ताव मृतक पाया गया। इस वजह से सोमवती के नामांकन पत्र को भी निरस्त कर दिया गया। अब जांच के बाद डेलीगेट के 107 नामांकन पत्र रह गए हैं। समिति चुनाव में 8963 मतदाताओं की ओर से मतदान कर प्रतिनिधियों को चुना जाएगा। मंगलवार को दोपहर दो बजे तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकेंगे।

रामनगर में कार को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे परिजन, एक की मौत

रामनगर, एजेंसी।
नैनीताल जिले के रामनगर में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, यहां पिता के अंतिम संस्कार में जा रहे परिवार की कार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी. हादसे में कार चालक की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर घायल हो गए. रामनगर में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसा सुबह करीब 5-30 बजे नेशनल हाईवे 309 पर चिल्किया चौराहे के पास हुआ, जब एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने स्विफ्ट डिजायर कार को

जोरदार टक्कर मार दी. हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया. बताया जा रहा है कि कार में सवार सभी लोग दिल्ली से अल्मोड़ा जिले के चौखुटिया जा रहे थे, ये सभी चौखुटिया निवासी विक्रम सिंह के पिता के निधन के बाद उनके अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे. विक्रम सिंह ने अपने परिवार के लिए दिल्ली से स्विफ्ट डिजायर कार बुक की थी,कार में उनके साथ उनकी बहन सुनीता और रिश्तेदार जगत सिंह भी सवार थे. दुर्घटना में कार चालक नरेंद्र सिंह, निवासी गैरसैंण की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस और 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी, गंभीर रूप से घायल विक्रम सिंह, सुनीता और जगत सिंह को रामनगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि रामनगर के चिल्किया चौराहा हादसों का हॉटस्पॉट बनता जा रहा है. सड़क पर ना तो डिवाइडर हैं और न ही कोई ठोस सुरक्षा उपाय, यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं बल्कि सिस्टम की लापरवाही का नतीजा है. यदि समय रहते सड़क सुरक्षा के उपाय किए जाते तो शायद इस तरह की दर्दनाक घटना रोकी जा सकती थी.

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT. THIS DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. THIS PUBLIC ANNOUNCEMENT IS NOT INTENDED FOR PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA

Icon

ICON FACILITATORS LIMITED

(Please scan this QR Code to view the Red Herring Prospectus)

Our Company was incorporated on September 20, 2013, as 'Icon Facilitators Private Limited', a private limited company under the Companies Act, 1956, pursuant to a certificate of incorporation bearing CIN U93000DL2013PTC258273 issued by the Registrar of Companies, NCT of Delhi & Haryana. Subsequently, pursuant to a resolution passed by the Shareholders in an Extra-Ordinary General Meeting held on February 17, 2024, our Company was converted from a private limited company to a public limited company and a fresh certificate of incorporation bearing CIN U93000DL2013PLC258273 was issued by the Registrar of Companies, NCT of Delhi and Haryana ("RoC") on June 05, 2024. For further details, please refer to the chapter titled *"Our History and Certain Other Corporate Matters"* beginning on page 181 of the Red Herring Prospectus.

CIN : U93000DL2013PLC258273; **Registered Office:** C-28, 2nd Floor Community Centre, Janakpuri, South West Delhi, New Delhi - 110058, India. **Telephone:** +91-7417961616; **Contact Person:** Mr. Tarun Sharma, Chief Financial Officer;
E-mail: catarun@iconf.in; **Website:** www.iconf.in;

THE PROMOTERS OF OUR COMPANY ARE MR. DINESH MAKHIJA AND MS. POOJA MAKHIJA

"THE ISSUE IS BEING MADE IN ACCORDANCE WITH CHAPTER IX OF THE SEBI ICDR REGULATIONS (IPO OF SMALL AND MEDIUM ENTERPRISES) AND THE EQUITY SHARES ARE PROPOSED TO BE LISTED ON SME PLATFORM OF BSE ("BSE SME")."

THE ISSUE

INITIAL PUBLIC OFFER OF UPTO 21,00,000* EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF Rs. 10/- EACH (THE "EQUITY SHARES") OF ICON FACILITATORS LIMITED ("OUR COMPANY" OR "ICON FACILITATORS" OR "IFL" OR "THE ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF Rs. [●] PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF Rs. [●] PER EQUITY SHARE (THE "ISSUE PRICE") AGGREGATING TO Rs. [●] LAKHS ("THE ISSUE"), OF WHICH UPTO 1,05,600* EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF Rs. 10/- EACH FOR CASH AT A PRICE OF Rs. [●] PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF Rs. [●] PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO Rs. [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER TO THE ISSUE (THE "MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E., NET ISSUE OF UPTO 19,94,400* EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF Rs. 10/- EACH AT A PRICE OF Rs. [●] PER EQUITY SHARE INCLUDING A SHARE PREMIUM OF Rs. [●] PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO Rs. [●] LAKHS IS HEREIN AFTER REFERRED TO AS THE "NET ISSUE". THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE [●] AND [●] RESPECTIVELY OF THE POST ISSUE PAID UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY.

**Subject to finalization of basis of allotment.*

ALLOCATION OF THE ISSUE	
QIB PORTION	NOT MORE THAN 1,00,800 EQUITY SHARES I.E. 5.05% OF THE NET ISSUE
RETAIL INDIVIDUAL PORTION	NOT LESS THAN 9,46,800 EQUITY SHARES I.E. 47.47% OF THE NET ISSUE
NON-INSTITUTIONAL PORTION	NOT LESS THAN 9,46,800 EQUITY SHARES I.E. 47.47% OF THE NET ISSUE
MARKET MAKER PORTION	UPTO 1,05,600 EQUITY SHARES OR 5.03% OF THE ISSUE
PRICE BAND: ₹ 85/- to ₹ 91/- PER EQUITY SHARE	

THE FLOOR PRICE IS 8.50 TIMES THE FACE VALUE AND CAP PRICE IS 9.10 TIMES OF THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES. BIDS CAN BE MADE FOR A MINIMUM OF 1,200 EQUITY SHARES AND IN MULTIPLES OF 1,200 EQUITY SHARES THEREAFTER. THIS ISSUE IS MADE THROUGH BOOK BUILDING PROCESS, IN TERMS OF CHAPTER IX OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018 (THE "SEBI (ICDR) REGULATIONS"), AS AMENDED READ WITH RULE 19(2)(B) OF SECURITIES CONTRACT (REGULATION) RULES, 1957, AS AMENDED.

BID / ISSUE PROGRAM	
	OPENS ON: TUESDAY, JUNE 24, 2025
	CLOSES ON: THURSDAY, JUNE 26, 2025

ASBA* Simple, Safe, Smart way of Application – Make use of it!!!

*Applications Supported by Blocked Amount (ASBA) is a better way of applying to Issues by simply blocking the fund in the bank account, investors can avail the same. For details, check section on ASBA below. Mandatory in Public Issues from January 01, 2016. No cheque will be accepted.

UPI UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

UPI – Now mandatory in ASBA for Retail Individual Investors applying through Registered Brokers, DPs & RTAs. Retail individual Investors also have the options to submit the application directly to the ASBA Bank (SCSBs) or to use the facility of linked online trading, demat and bank account. ** Investors are required to ensure that the Bank Account used for applying is linked to their PAN.

**ASBA has to be availed by investors, UPI may be availed by Retail Individual Investors*
For details on the ASBA and UPI process, please refer to the details given in ASBA Form and abridged prospectus and also please refer to the chapter titled "Issue Procedure" beginning on page 277 of the Red Herring Prospectus. The process is also available on the website of SEBI and Stock Exchange in the General information Document. ASBA Forms can be downloaded from the website of SME Platform of BSE ("BSE SME") or "Stock Exchange") and can be obtained from the list of banks that is displaying on website of SEBI at www.sebi.gov.in.
*** List of banks supporting UPI is also available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in . For the list of UPI Apps and Banks live on IPO, please refer to the link: www.sebi.gov.in. Kotak Mahindra Bank Limited has been appointed as Sponsor Bank for the Issue in accordance with the requirements of the SEBI Circular dated November 01, 2018, as amended*

RISK TO INVESTORS

1. **Risk to Investors: Summary description of key risk factors based on materiality:**
   a. Our business is largely concentrated in North India and is affected by various factors associated with these states.
   b. Our Company has reported certain negative cash flows from its operating activities, investing activities and financing activities. Sustained negative cash flow could impact our growth and business.
   c. We have a large workforce deployed across workplaces and customer premises. Consequently, we may be exposed to service-related claims and losses or employee disruptions, as well as employee related regulatory risks, that could have an adverse effect on our reputation, business, cash flows, results of operations and financial condition.
   d. There have been certain instances of delays in payment of certain statutory dues by us. Any further delays in payment of statutory dues may attract financial penalties from the respective government authorities and in turn may have a material adverse impact on our financial condition and cash flows.
   e. There have been instances of delays of certain forms which were required to be filed as per the reporting requirements under the Companies Act, 2013 to the Registrar of Companies.
   f. Our revenue from operations is highly dependent upon a limited number of customers, with our largest, top 5 and top 10 customers contributing to more than 49.59%, 73.58% & 87.17%, respectively of our revenue from operations for Fiscal 2025.
   g. We have significant employee benefit expenses, such as workers' compensation, staff welfare expenses and contribution to provident and other funds. In case we face an increase in employee costs that we are unable to pass on to our customers, we may be prevented from maintaining our competitive advantage and our profitability may be impacted.
   h. We have in the past entered into related party transactions and may continue to do so in the future, which may potentially involve conflicts of interest with the equity shareholders. There can be no assurance that such transactions, individually or in the aggregate, will not have an adverse effect on our financial condition and results of operations.
   i. We are engaged in the third-party verification procedure for our personnel prior to assigning them to our customers, which may impact our reputations, cash flows and business prospects.
   j. Our businesses are manpower intensive and our inability to attract and retain skilled manpower could have an adverse impact on our growth, business and financial condition. Further, in the event we are not able to manage our attrition, we may not be able to meet the expectations of our customers, which may have an adverse impact on our financial condition.

For details about the risk faced by our Company, kindly refer to the chapter titled ***"Risk Factors"*** beginning on page no. 27 of the Red Herring Prospectus.

BASIS FOR THE ISSUE PRICE

The Price Band, Floor Price and Issue Price will be determined by our Company, in consultation with the Book Running Lead Manager, on the basis of assessment of market demand for the Equity Shares issued through the Book Building Process and on the basis of the quantitative and qualitative factors described below. Investors should also refer to chapters titled ***"Our Business", "Risk Factors", "Restated Financial Statements"*** and ***"Management's Discussion and Analysis of Financial Condition and Results of Operations"*** beginning on pages 156, 27, 212 and 217 of the Red Herring Prospectus respectively, to have an informed view before making an investment decision.

Qualitative Factors

Some of the qualitative factors and our strengths which form the basis for the Issue Price are:

- ✓ Strong, experienced and dedicated senior management team and qualified workforce.
- ✓ Geographical presence in 5 States and 1 Union Territory.
- ✓ Ability to provide good quality services and customer satisfaction.
- ✓ Ability to scout for new opportunities and capitalising the same.
- ✓ Consistent track record of growth and financial performance.
- ✓ Ability to serve diverse customer needs.

(Rs. in Lakhs)

Particulars	Fiscal 2025	Fiscal 2024	Fiscal 2023
Revenue from Operations	5,806.39	4,984.21	4,296.30
EBITDA(1)	654.93	289.35	311.56
EBITDA margin as of revenue from operations (%)(2)	11.28%	5.81%	7.25%
PAT	447.02	176.24	192.30
PAT margin (%)(3)	7.70%	3.54%	4.48%

1) EBITDA has been calculated as Restated profit before tax + finance cost + depreciation and amortization-Other Income.
(2) EBITDA Margin = EBITDA/ Revenue from operations.
(3) PAT Margin=PAT/Revenue from operations.

For more details on qualitative factors, please refer to the chapter titled ***"Our Business"*** beginning on page 156 of the Red Herring Prospectus.

Quantitative Factors

Some of the information presented below relating to our Company is derived from the Restated Financial Statements. For more details on financial information, investors please refer to the chapter titled ***"Restated Financial Statements"*** beginning on page 212 of the Red Herring Prospectus.

Investors should evaluate our Company taking into consideration its earnings and based on its growth strategy. Some of the quantitative factors which may form the basis for calculating the Issue Price are as follows:

1) Basic and Diluted Earnings / Loss per Share ("EPS") as adjusted for changes in capital:

	Basic & Diluted	
For the Fiscal	EPS (in Rs.)	Weights
2025	7.91	3
2024	3.20	2
2023	3.49	1
Weighted Average	**5.60**	

Notes:
a) The face value of each Equity Share is Rs. 10 each.
b) Basic Earnings per share = Restated total comprehensive income / Weighted average number of equity shares outstanding during the period/year.
c) Diluted Earnings per share = Restated total comprehensive income / Weighted average number of potential equity shares outstanding during the period/year.
d) Weighted average = Aggregate of year-wise weighted EPS divided by the aggregate of weights i.e. (EPS x Weight) for each year /Total of weights.
e) The above statement should be read in conjunction with Significant Accounting Policies and Notes to Restated Financial Statement of the "Restated Financial Information" beginning on page 212 of the Red Herring Prospectus.

Continued on next page...

...continued from previous page.

2) Price/Earning ("P/E") ratio in relation to price band of Rs. 85.00 to Rs. 91.00 per Equity Share:

Particulars	P/E at the lower end of the price Band (no. of times)	P/E at the higher end of the price Band (no. of times)
Based on basic and diluted EPS for Fiscal 2025	10.75	11.50
Based on Weighted Average EPS	15.18	16.25

3) Industry Peer Group P/E Ratio

Particulars	P/E Ratio*
Highest	17.73
Lowest	13.85
Average	15.79

Note: *The highest and lowest industry P/E shown above is based on the peer set provided below under "Comparison with listed industry peers", which have been identified by our Company.*

**Data are taken last trading day i.e. as on June 10, 2025.*

4) Return on Net Worth (RoNW)

For the Fiscals	RoNW (%)	Weight
2025	35.23	3
2024	29.63	2
2023	45.94	1
Weighted Average	**35.15**	

Notes:

a) Weighted average = Aggregate of year-wise weighted Net Worth divided by the aggregate of weights i.e. [(Net Worth x Weight) for each year] / [Total of weights].

b) Return on Net Worth (%) = Net Profit for the year / period as restated /Net worth as restated as at period/year end.

c) "Net worth" means the aggregate value of the paid-up share capital and all reserves created out of the profits and securities premium account and debit or credit balance of profit and loss account, after deducting the aggregate value of the accumulated losses, miscellaneous expenditure not written off, as per the restated balance sheet, but does not include reserves created out of revaluation of assets, capital reserve, foreign currency translation reserve, write-back of depreciation as at March 31, 2025, March 31, 2024 and March 31, 2023.

5) Net Asset Value (NAV) (Face value of Rs. 10/-)

Financial Year	NAV (Rs.)
Net Asset Value per Equity Share as of March 31, 2025	22.47
Net Asset Value per Equity Share as of March 31, 2024	10.80
Net Asset Value per Equity Share as of March 31, 2023	7.60
After Issue	[●]
Issue Price	[●]

Notes:

a. Issue Price per Equity Share will be determined on conclusion of the Book Building Process.

b. Net asset value per share = Net worth as restated / Number of Equity Shares as at year end

6) Comparison with Industry Peers

Particulars	Total income (Rs. in Lakhs)	Face Value (Rs.)	EPS Basic (Rs.)	EPS Diluted	P/E Ratio[2]	RoNW (%)[4]	NAV per Share (Rs.)[5]
The Issuer Company							
Icon Facilitators Limited	5,806.55	10	7.91	7.91	[●]	35.23%	22.47
Listed peers							
Updater Services Limited	2,77,173.00	10	17.74	17.70	17.73	12.33%	144.07
Krystal Integrated Services Limited	1,22,927.70	10	44.61	44.61	13.85	14.30%	312.92
Rithwik Facility Management Services Limited	4,272.09	10	11.44	11.44	14.23	14.67%	77.98
source: Restated Financial Statements of our Company as disclosed in the chapter titled "Restated Financial Statements" beginning on page 212 of the Red Herring Prospectus.							

Note: As of the date of this advertisement, our Company focuses exclusively on providing hard services, unlike some of our peers who offer both hard and soft services through Integrated Facility Management (IFM). Additionally, some of our listed peers are significantly larger in terms of operational and financial scale, making direct comparisons with our Company less appropriate. However, in the listed space the above – mentioned companies are our nearest listed peers.

*For further information, please refer to the chapter titled **"Our Business"** beginning on page page 156 of the Red Herring Prospectus.*

Note:

1. The peer group figures based on audited standalone financials as on and for the year ended March 31, 2025.

2. P/E figures for the peer is computed based on closing market price as on June 09, 2025, of relevant peer companies as available at BSE, (available at www.bseindia.com) divided by Basic EPS for Fiscal 2025reported in the filings made with stock exchanges.

3. Based on the Issue Price to be determined on conclusion of book building process and the basic EPS of our Company.

*4. Return on net worth (%) = Net profit after tax * 100 / Net Worth at the end of the year.*

5. Net Asset value per share = Net worth at the end of the year / No. of shares outstanding at the end of year.

*The Issue Price of Rs. [●] has been determined by our Company, in consultation with the BRLM, on the basis of the demand from investors for the Equity Shares through the Book-Building Process. Our Company in consultation with the BRLM, is justified of the Issue Price in view of the above qualitative and quantitative parameters. Investors should read the abovementioned information along with the information disclosed in chapters titled **"Risk Factors", "Our Business"** and **"Restated Financial Information"** beginning on pages 27, 156 and 212 of the Red Herring Prospectus respectively, to have a more informed view. The trading price of the Equity Shares could decline due to the factors mentioned in the chapter titled **"Risk Factors"** beginning on page 27 of the Red Herring Prospectus or any other factors that may arise in the future and you may lose all or part of your investments.*

7) Key Operational and Financial Performance Indicators:

The KPIs disclosed below have been used historically by our Company to understand and analyze the business performance, which in result, help us in analyzing the growth of various verticals in comparison to our peers.

Financial KPIs of our Company: Icon Facilitators Limited ***(Rs. in lakhs)***

Key Financial Performance	For the financial year ended March 31st		
	2025	2024	2023
Revenue from operations[1]	5,806.39	4,984.21	4,296.30
Total Income[2]	5,806.55	4,984.82	4,296.30
EBITDA[3]	654.93	289.35	311.56
EBITDA Margin[4]	11.28%	5.81%	7.25%
PAT	447.02	176.24	192.30
PAT Margin[5]	7.70%	3.54%	4.48%
Operating cash flow	(282.06)	436.75	(40.99)
Net worth[6]	1,269.02	594.86	418.62
Net Debt[7]	223.06	(5.87)	351.60
Debt Equity Ratio[8]	0.35	0.42	0.89
ROCE (%)[9]	37.09%	33.46%	37.95%
ROE (%)[10]	35.23%	29.42%	45.94%
Operational KPIs			
Number of Employees	2,030	1,853	1,646
Number of Sites	130	128	131
Area under management (in million Sq. Ft.)	120	108	100
Attrition Rate	15%	14%	15%

** The above KPIs have been approved by the Audit Committee in its meeting dated June 05, 2025 and the same has been approved by the Board of Director in its meeting dated June 05, 2025. Also, above KPIs have been certified by the Statutory Auditor of the Company, M/s Singhal Gupta & Co. LLP, Chartered Accountants, vide its certificate dated June 05, 2025, bearing UDIN: 25420018BMHQPG6025.*

1) Revenue from operation means revenue from sales and other operating revenues.

2) Total Income represents the total turnover of our business i.e., Revenue from Operations and Other Income, if any.

3) EBITDA means Profit before depreciation, finance cost, tax and amortization.

4) 'EBITDA Margin' is calculated as EBITDA divided by Revenue from Operations.

5) 'PAT Margin' is calculated as PAT for the period/year divided by revenue from operations.

6) Net worth means the aggregate value of the paid-up share capital and all reserves created out of the profits and securities premium account and debit or credit balance of profit and loss account, after deducting the aggregate value of the accumulated losses, deferred expenditure and miscellaneous expenditure not written off, as per the restated balance sheet, but does not include reserves created out of revaluation of assets, capital reserve arising on consolidation, capital redemption reserve, write-back of depreciation and amalgamation.

7) Net debt = non-current borrowing + current borrowing – Cash and Cash Equivalent.

8) Debt equity ratio means ratio of total debt (long term plus short-term including current maturity of long-term debt) and Equity Share capital plus other equity.

9) Return on Capital Employed is ratio of EBIT and Capital Employed. Capital Employed is Total Shareholder's Equity, Non-Current Borrowing and Short-Term Borrowing.

10) Return on Equity is ratio of Profit after Tax and Average Shareholder Equity.

Explanation for KPI metrics

KPI	Explanations
Revenue from Operations	Revenue from Operations is used by our management to track the revenue profile of the business and in turn helps assess the overall financial performance of our Company and size of our business.
Total income	Total income is used by the management to track revenue from operations and other income.
EBITDA	EBITDA provides information regarding the operational efficiency of the business.
EBITDA Margin (%)	EBITDA Margin (%) is an indicator of the operational profitability and financial performance of our business.
PAT	Profit after tax provides information regarding the overall profitability of the business.
PAT Margin (%)	PAT Margin (%) is an indicator of the overall profitability and financial performance of our business.
Operating Cash Flows	Operating cash flows activities provides how efficiently our company generates cash through its core business activities.
Net Worth	Net worth is used by the management to ascertain the total value created by the entity and provides a snapshot of current financial position of the entity.
Net Debt	Net debt helps the management to determine whether a company is over leveraged or has too much debt given its liquid assets
Debt-equity ratio (times)	The debt to equity ratio compares an organization's liabilities to its shareholder's equity and is used to gauge how much debt or leverage the organization is using.
ROE (%)	ROE provides how efficiently our Company generates profits from shareholders' funds.
ROCE (%)	ROCE provides how efficiently our Company generates earnings from the capital employed in the business.

Comparison with listed industry peer:

For the Financial Year ended March 31, 2025 ***(Rs. in lakhs)***

Key Financial Performance	Icon Facilitators Limited	Updater Services Limited	Krystal Integrated Services Limited	Rithwik Facility Management Services Limited
Revenue from operations[1]	5,806.39	2,73,606.30	1,21,278.40	4,246.93
Total Income[2]	5,806.55	2,77,173.00	1,22,927.70	4,272.09
EBITDA[3]	654.93	16,654.40	7,771.20	524.61
EBITDA Margin[4]	11.28%	6.09%	6.41%	12.35%
PAT	447.02	11,897.70	6,251.50	350.08
PAT Margin[5]	7.70%	4.35%	5.15%	8.24%
Operating cash flow	(288.06)	5,083.60	(3,245.00)	625.70

Key Financial Performance	Icon Facilitators Limited	Updater Services Limited	Krystal Integrated Services Limited	Rithwik Facility Management Services Lim
Net worth[6]	1,269.02	96,461.30	43,720.90	2,386.31
Net Debt[7]	223.06	(1,611.80)	7,265.50	(273.67)
Debt Equity Ratio[8]	0.35	0.11	0.21	0.11
ROCE (%)[9]	37.09%	14.53%	16.20%	19.52%
ROE (%)[10]	35.23%	12.33%	14.30%	14.67%

For the Financial Year ended March 31, 2024

(Rs. in lakhs)

Key Financial Performance	Icon Facilitators Limited	Updater Services Limited	Krystal Integrated Services Limited	Rithwik Facility Management Services Limited
Revenue from operations[1]	4,984.21	2,44,436.30	1,02,684.90	3,638.79
Total Income[2]	4,984.82	2,46,797.30	1,03,484.90	3,672.35
EBITDA[3]	289.35	13,421.60	6,868.10	385.57
EBITDA Margin[4]	5.81%	5.49%	6.69%	10.60%
PAT	176.24	6,626.40	4,902.70	264.17
PAT Margin[5]	3.54%	2.71%	4.77%	7.26%
Operating cash flow	436.75	10,263.90	227.10	164.67
Net worth[6]	594.86	84,608.10	37,622.20	2,066.84
Net Debt[7]	(5.87)	2107.8	(82.7)	178.84
Debt Equity Ratio[8]	0.42	0.12	0.23	0.13
ROCE (%)[9]	33.46%	10.92%	14.99%	16.81%
ROE (%)[10]	29.42%	7.83%	13.03%	12.78%

For the Financial Year ended March 31, 2023

(Rs. in lakhs)

Key Financial Performance	Icon Facilitators Limited	Updater Services Limited	Krystal Integrated Services Limited	Rithwik Facility Management Services Limited
Revenue from operations(1)	4,296.30	2,09,888.70	70,763.60	3,183.53
Total Income(2)	4,296.30	2,11,209.00	71,096.40	3,199.08
EBITDA(3)	311.56	9,259.20	4,983.60	378.75
EBITDA Margin(4)	7.25%	4.41%	7.04%	11.90%
PAT	192.30	3,460.50	3,841.30	252.18
PAT Margin(5)	4.48%	1.65%	5.43%	7.92%
Operating cash flow	(40.99)	11,478.20	7,178.00	230.29
Net worth(6)	418.62	38,781.10	16,341.00	1,833.27
Net Debt(7)	351.60	10519.6	4116.6	(140.42)
Debt Equity Ratio(8)	0.89	0.57	0.31	0.03
ROCE (%)(9)	37.95%	11.31%	22.67%	19.56%
ROE (%)(10)	45.94%	8.92%	23.51%	13.76%

1) Revenue from operation means revenue from sales and other operating revenues.

2) Total Income represents the total turnover of our business i.e., Revenue from Operations and Other Income, if any.

3) EBITDA means Profit before depreciation, finance cost, tax and amortization.

4) 'EBITDA Margin' is calculated as EBITDA divided by Revenue from Operations.

5) 'PAT Margin' is calculated as PAT for the period/year divided by revenue from operations.

6) Net worth means the aggregate value of the paid-up share capital and all reserves created out of the profits and securities premium account and debit or credit balance of profit and loss account, after deducting the aggregate value of the accumulated losses, deferred expenditure and miscellaneous expenditure not written off, as per the restated balance sheet, but does not include reserves created out of revaluation of assets, capital reserve arising on consolidation, capital redemption reserve, write-back of depreciation and amalgamation.

7) Net debt = non-current borrowing + current borrowing – Cash and Cash Equivalent.

8) Debt equity ratio means ratio of total debt (long term plus short-term including current maturity of long-term debt) and Equity Share capital plus other equity.

9) Return on Capital Employed is ratio of EBIT and Capital Employed. Capital Employed is Total Shareholder's Equity, Non-Current Borrowing and Short-Term Borrowing.

10) Return on Equity is ratio of Profit after Tax and Shareholder Equity

8) Weighted average cost of acquisition

a) The price per share of our Company based on the primary/ new issue of shares (equity / convertible securities)

Except as stated below, our Company has not issued any Equity Shares or convertible securities during the 18 months preceding the date of the Red Herring Prospectus.

Date of Allotment	Reason/Nature of Issue	Number of Equity Shares Allotted	Nature of Consideration	Face Value (Rs.)	Issue Price (Rs.)	% of Pre-Issue Capital
August 05, 2024	Bonus Issue	55,00,000	Other than cash	10	-	95.49
September 10, 2024	Preferential Issue	2,49,600	Cash	10	91	4.33

b) The price per share of our Company based on the secondary sale / acquisition of shares (equity / convertible securities)

Except as stated below, there have been no secondary sale / acquisitions of Equity Shares or any convertible securities, during the 18 months preceding the date of the Red Herring Prospectus:

Date of Transfer	Reason/Nature of Transfer	Number of Equity Shares Transferred	Nature of Consideration	Face Value (Rs.)	Issue Price (Rs.)	% of Pre-Issue Capital
January 22, 2024	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Ankit Makhija.	1	Cash	10	6,759	Negligible
	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Anushka Makhija.	1	Cash	10	6,759	Negligible
	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Asha Makhija.	1	Cash	10	6,759	Negligible
	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Kapil Khera.	1	Cash	10	6,759	Negligible
	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Pooja Khera.	1	Cash	10	6,759	Negligible
March 05, 2024	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Ankit Makhija.	499	Transfer by way of gift	10	Nil	0.01
	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Anushka Makhija.	499	Transfer by way of gift	10	Nil	0.01
December 16, 2024	Transfer of equity shares from Divine Comex Enterprises Private Limited to Mr. Divya Gupta.	21,600	Cash	10	91	0.38
	Transfer of equity shares from Divine Comex Enterprises Private Limited to Mr. Shitu Gupta.	33,600	Cash	10	91	0.58

c) Price Per Share based on last five primary or secondary transactions:

Information based on last 5 primary or secondary transactions (secondary transactions where Promoters / Promoter Group entities or shareholder(s) having the right to nominate director(s) in the Board of our Company, are a party to the transaction), not older than 3 years prior to the date of the Red Herring Prospectus irrespective of the size of transactions, is as below.

Primary transactions: Except as stated below, there have been no primary transactions in the last three years preceding the date of the Red Herring Prospectus.

Date of Allotment	Reason/Nature of Issue	Number of Equity Shares	Nature of Consideration	Face Value (Rs.)	Issue Price (Rs.)	% of Pre-Issue Capital
August 05, 2024	Bonus Issue	55,00,000	Other than cash	10	-	95.49
September 10, 2024	Preferential Issue	2,49,600	Cash	10	91	4.33

Secondary Transactions: Except as stated below, there have been no secondary transactions in the last three years preceding the date of the Red Herring Prospectus.

Date of Transfer	Reason/Nature of Transfer	Number of Equity Shares Transferred	Nature of Consideration	Face Value (Rs.)	Issue Price (Rs.)	% of Pre-Issue Capital
January 22, 2024	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Ankit Makhija.	1	Cash	10	6,759	Negligible
	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Anushka Makhija.	1	Cash	10	6,759	Negligible
	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Asha Makhija.	1	Cash	10	6,759	Negligible
	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Kapil Khera.	1	Cash	10	6,759	Negligible
	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Pooja Khera.	1	Cash	10	6,759	Negligible
March 05, 2024	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Ankit Makhija.	499	Transfer by way of gift	10	Nil	0.01
	Transfer of equity shares from Pooja Makhija to Anushka Makhija.	499	Transfer by way of gift	10	Nil	0.01
December 16, 2024	Transfer of equity shares from Divine Comex Enterprises Private Limited to Mr. Divya Gupta.	21,600	Cash	10	91	0.38
	Transfer of equity shares from Divine Comex Enterprises Private Limited to Mr. Shitu Gupta.	33,600	Cash	10	91	0.58

d) Weighted average cost of acquisition, floor price and cap price

Types of transactions	Weighted average cost of acquisition (Rs. per Equity Share)	Floor price* (i.e. Rs. 85)	Cap price* (i.e. Rs. 91)
Weighted average cost of acquisition of primary / new issue as per paragraph 8(a) above.	91.00*	1.07	1.00
Weighted average cost of acquisition for secondary sale / acquisition as per paragraph 8(b) above.	89.98	1.06	0.99
Weighted average cost of acquisition of primary issuances / secondary transactions as per paragraph 8(c) above	90.81*	1.07	1.00

*e) *While calculation Weighted average cost of acquisition of primary issuances / secondary transactions, the effect of bonus shares is not taken.*

Explanation for Issue Price / Cap Price being [●] price of weighted average cost of acquisition of primary issuance price / secondary transaction price of Equity Shares (set out in [●] above) along with our Company's key performance indicators and financial ratios for the Fiscals 2025, 2024 and 2023.

[●]*

* To be included upon finalisation of the Price Band and updated in the Prospectus

Continued on next page...

डीयू स्नातक सहित अन्य दाखिला के लिए आवेदन पोर्टल शुरू

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए अपनी दाखिला नीति मंगलवार को जारी कर दी। कुलपति कार्यालय के कंवेंशन हॉल में आयोजित प्रेसवार्ता में डीयू के कुलपति प्रो.योगेश सिंह सहित अन्य अधिकारियों ने स्नातक, स्नातकोत्तर, 5 वर्षीय लॉ, बी.टेक. और पीएचडी व एसओएल के दाखिलों का ब्रोशर जारी किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने कहा कि इस वर्ष से डीयू में दो नए पीजी कोर्स ह्यहिन्दी पत्रकारिता में एमए और ह्यएमए इन टूरिज्म मैनेजमेंट भी शुरू किए हैं। कुलपति ने कहा कि डीयू के अंग्रेजी विभाग में भी एमए जर्नलिज्म जल्द ही शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में भी सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए अतिरिक्त कोटा जोड़ा गया है। प्रत्येक पीजी प्रोग्राम में सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए एक सीट आरक्षित की गई है। कुलपति ने बताया कि पिछले वर्षों के अनुभव के आधार पर यूजी दाखिला प्रक्रिया में कुछ संसोधन भी किए गए हैं। दाखिला पोर्टल में अपग्रेड के बाद अब सीधा ऑटो एकसेप्ट मोड लागू किया गया है ताकि किसी आवेदक का अलॉटमेंट छूट ना पाए। उन्होंने बताया कि डीयू के नॉन-कॉलेजिएट महिला शिक्षा बोर्ड (एनसीडब्ल्यूईबी) में दाखिले जल्द ही शुरू होंगे। दिल्ली एनसीटी की महिला उम्मीदवार एनसीडब्ल्यूईबी के माध्यम से दाखिला ले सकती हैं। दाखिले कक्षा 12 के मेरिट स्कोर के आधार पर होंगे। पत्रकार वार्ता के दौरान एक प्रश्न के उत्तर में कुलपति ने कहा कि कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) पोर्टल मोबाइल पर भी काम करता है, लेकिन उन्होंने आवेदकों को सुझाव दिया कि लैपटॉप अथवा डेस्कटॉप कंप्यूटर पर ही काम करें क्योंकि इन पर सभी फीचर ठीक से नजर आ सकते हैं। डीयू में सीयूईटी और पहले की दाखिला प्रक्रिया पर पूछे गए एक प्रश्न पर कुलपति ने कहा कि सीयूईटी आने से अनेकों प्रदेशों के विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व डीयू में बढ़ा है। उन्होंने कहा कि अब छोटे कस्बों और स्टेट बोर्डों के बच्चे भी डीयू में दाखिला लेने में आगे आ रहे हैं। एक प्रश्न के उत्तर में कुलपति ने बताया कि शैक्षणिक सत्र की शुरूआत 01 अगस्त, 2025 से होगी। पीजी में 82 प्रोग्रामों के लिए 53,609 ने किया पंजीकरण प्रो. योगेश सिंह डीयू कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि स्नातकोत्तर (पीजी) में इस वर्ष कुल 82 प्रोग्रामों में प्रवेश होगा। इनमें सीटों की कुल संख्या 13,432 (एनसीवेब सहित) है। स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण 16 मई, 2025 को शुरू हुआ था जोकि 12 जून, 2025 को बंद हुआ। कुल पंजीकृत उम्मीदवारों की संख्या 53, 609 है। जिनमें 23117 लड़के और 30490 लड़कियां तथा 02 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि डीयू के अनूठे कार्यक्रमों के लिए कुल पंजीकरण 57,222 हुआ जिनमें से सबसे अधिक लोकप्रिय कार्यक्रम एलएलबी रहा जिसमें 9,270 पंजीकरण हुए हैं। एमए राजनीति विज्ञान में कुल पंजीकरण 4,996 हुए हैं। उन्होंने बताया कि पीजी में सिंगल गर्ल चाइल्ड कोटा के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या 1,131 है। अनाथ कोटा के लिए प्राप्त आवेदनों की संख्या 90 है। कुछ इस तरह होगा स्नातक (यूजी) प्रोग्रामों में प्रवेश डीयू की डीन एडमिशन प्रो. हनीत गांधी ने बताया कि अभी स्नातक (यूजी) का पहला फेज लॉच हुआ है, सीयूईटी के रिजल्ट जारी होने के बाद दूसरे फेज की शुरूआत की जाएगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के रेगुलर कॉलेजों में दाखिला सीयूईटी के स्कोर्स के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने यूजी दाखिलों के बारे में पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि डीयू अपने 69 कॉलेजों के माध्यम से 79 स्नातक कार्यक्रमों में प्रवेश देगा। डीयू 186 बी.ए. प्रोग्रामों का संयोजन पेश करता है। यूजी दाखिलों के लिए विश्वविद्यालय के कॉलेजों में 71,624 सीटों की पेशकश की गई है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष एनटीए द्वारा प्रस्तावित विषयों की सूची में परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, दिल्ली विश्वविद्यालय ने अधिकांश कार्यक्रमों के लिए अपनी पात्रता शर्तों को संशोधित किया है। अधिकांश कार्यक्रमों में दोहरी पात्रता होती है, जिसमें उम्मीदवार एक भाषा के साथ तीन विषय या दो भाषाएं और दो विषय चुन सकते हैं। इनमें से सर्वश्रेष्ठ स्कोर पर विचार किया जाएगा।

...continued from previous page.

f) Explanation for Issue Price / Cap Price being [●] price of weighted average cost of acquisition of primary issuance price / secondary transaction price of Equity Shares (set out in [●] above) in view of the external factors which may have influenced the pricing of the Issue.

[●]*

* To be included upon finalisation of the Price Band and updated in the Prospectus

The Issue Price will be [●] times of the face value of the Equity Shares. The Issue Price of Rs. [●] has been determined by our Company in consultation with the BRLM, on the basis of the demand from investors for the Equity Shares through the Book Building Process. Our Company in consultation with the BRLM, is justified of the Issue Price in view of the above qualitative and quantitative parameters. The trading price of the Equity Shares could decline due to the factors mentioned in the chapter titled "Risk Factors" beginning on page 27 of the Red Herring Prospectus or any other factors that may arise in the future and you may lose all or part of your investments.

ADDITIONAL INFORMATION FOR INVESTORS:

1. **Details of proposed /undertaken pre-issue placements from the Draft Red Herring Prospectus filing date -** Our Company has not undertaken any Pre-IPO Placements from the Draft Red Herring Prospectus filing date.
2. **Transaction of shares aggregating up to 1% or more of the paid-up equity share capital of the company by promoter(s) and promoter group(s) from the Draft Red Herring Prospectus filing date -** Our promoter(s) and promoter group(s) have not undertaken any transaction of shares aggregating up to 1% or more of the paid-up equity share capital of the company from the Draft Red Herring Prospectus filing date.
3. **Pre Issue Shareholding of Promoter / Promoter Group and Additional Top 10 Shareholders of the Company:**

S. No.	Name of the Shareholders	Pre-Issue shareholding as at the date of Advertisement (2)				Post-Issue shareholding as at Allotment (1)(2)	
		Number of Equity Shares(2)	Share holding (in %)(2)	At the lower end of the price band (Rs. 85.00)		At the upper end of the price band (Rs. 91.00)	
				Number of Equity Shares (2)	Shareholding (in %) (2)*	Number of Equity Shares (2)	Shareholding (in %) (2)*
A.	**Promoters**						
1.	Dinesh Makhija	41,32,500	71.75	41,32,500	52.58	41,32,500	52.58
2.	Pooja Makhija	8,24,847	14.32	8,24,847	10.49	8,24,847	10.49
	Total (A)	**49,57,347**	**86.07**	**49,57,347**	**63.07**	**49,57,347**	**63.07**
B.	**Promoters Group (1)**						
1.	Ankit Makhija	2,75,500	4.78	2,75,500	3.51	2,75,500	3.51
2.	Anushka Makhija	2,75,500	4.78	2,75,500	3.51	2,75,500	3.51
3.	Asha Makhija	551	0.01	551	0.01	551	0.01
	Total (B)	5,51,551	9.57	5,51,551	7.02	5,51,551	7.02
	Total shareholding of Promoters and Promoter Group (A+B)	**55,08,898**	**95.64**	**55,08,898**	**70.09**	**55,08,898**	**70.09**
C.	**Top 10 Shareholders of the Company as at Allotment (other than A & B above)**						
1.	Shitu Gupta	33,600	0.58	33,600	0.43	33,600	0.43
2.	Kapoor Infra Home Private Limited	25,200	0.44	25,200	0.32	25,200	0.32
3.	Divya Gupta	21,600	0.38	21,600	0.27	21,600	0.27
4.	Divine Comex Enterprises Private Limited	19,200	0.33	19,200	0.24	19,200	0.24
5.	Raasha Portfolio Private Limited	15,600	0.27	15,600	0.20	15,600	0.20
6.	Manish Garg	15,600	0.27	15,600	0.20	15,600	0.20
7.	Ashu Kumar Aggarwal	13,200	0.23	13,200	0.17	13,200	0.17
8.	Setu Goel	12,000	0.21	12,000	0.15	12,000	0.15
9.	Archana Chawla	9,600	0.17	9,600	0.12	9,600	0.12
	Hulas Chand Lalwani	9,600	0.17	9,600	0.12	9,600	0.12
	Muskan Kankaria	9,600	0.17	9,600	0.12	9,600	0.12
	Ruchika Golecha	9,600	0.17	9,600	0.12	9,600	0.12
	Suresh H. Luniya	9,600	0.17	9,600	0.12	9,600	0.12
	Sushila S Luniya	9,600	0.17	9,600	0.12	9,600	0.12
	Kshitiz Jain	9,600	0.17	9,600	0.12	9,600	0.12
10.	Punit Kumar Rastogi	6,000	0.10	6,000	0.08	6,000	0.08
	Total (C)	**2,29,200**	**3.98**	**2,29,200**	**2.92**	**2,29,200**	**2.92**

Notes:

1) Includes all options that have been exercised until date of advertisement and the post issue shareholding shall be updated in the prospectus based on transfers exercised until such date.

2) Assuming full subscription in the Issue (fresh issue). The post-issue shareholding details as at allotment will be based on the actual subscription and the final Issue price and updated in the prospectus, subject to finalization of the basis of allotment. Also, this table assumes there is no transfer of shares by these shareholders between the date of the advertisement and allotment (if any such transfers occur prior to the date of prospectus, it will be updated in the shareholding pattern in the prospectus).

INDICATIVE TIMELINES FOR THE ISSUE

Sequence of Activities	Listing within T+3 days (T is Issue Closing Date)
Application Submission by Investors	Electronic Applications (Online ASBA through 3-in-1 accounts) – Upto 5 pm on T Day. Electronic Applications (Bank ASBA through Online channels like Internet Banking, Mobile Banking and Syndicate UPI ASBA etc) – Upto 4 pm on T Day. Electronic Applications (Syndicate Non-Individual Investors, Non-Individual Applications) – Upto 3 pm on T Day. Physical Applications (Bank ASBA) – Upto 1 pm on T Day. Physical Applications (Syndicate Non-Individial Investors, Non- Individual Applications of QIBs and NIIs) – Upto 12 pm on T Day and Syndicate members shall transfer such applications to banks before 1 pm on T Day
Bid Modification	From Issue opening date up to **5 pm on T Day**
Validation of bid details with depositories	From Issue opening date up to **5 pm on T Day**
Reconciliation of UPI mandate transactions (Based on the guidelines issued by NPCI from time to time): Among Stock Exchange – Sponsor Banks – NPCI and NPCI – PSPs/TPAPs** – Issuer Banks; Reporting formats of bid information, UPI analysis report and compliance timelines.	On Daily basis Merchant Bankers to submit to SEBI, sought as and when.
UPI Mandate acceptance time	**T day – 5 pm**
Issue Closure	**T day – 4 pm** for QIB and NII categories **T day – 5 pm** for retail individual investors and other reserved categories
Third party check on UPI applications	On daily basis and to be completed before **9:30 AM on T+1 day.**
Third party check on Non-UPI applications	On daily basis and to be completed before **1 pm on T+1 day.**
Submission of final certificates: **-For UPI from Sponsor Bank** **-For Bank ASBA, from all SCSBs** **-For syndicate ASBA**	UPI ASBA – Before **09:30 pm** on **T Day.** All SCSBs for Direct ASBA – Before **07:30 pm** on **T Day** Syndicate ASBA - Before **07:30 pm** on **T Day**
Finalization of rejections and completion of basis	Before **6 pm** on **T+1 day.**
Approval of basis by Stock Exchange	Before **9 pm** on **T+1 day.**
Issuance of fund transfer instructions in separate files for debit and unblock. For Bank ASBA and Online ASBA – To all SCSBs **For UPI ASBA – To Sponsor Bank**	Initiation not later than **09:30 am** on **T+2 day**; Completion before **2 pm** on **T+2 day** for fund transfer; Completion before **4 pm** on **T+2 day** for unblocking.
Corporate action execution for credit of shares	Initiation before **2 pm on T+2 day** Completion before **6 pm on T+2 day**
Filing of listing application with Stock Exchange and issuance of trading notice	Before **7:30 pm on T+2 day**
Publish allotment advertisement	On website of Issuer, Merchant Banker and RTI - before **9 pm on T+2 day.** In newspapers – On **T+3 day** but not later than **T+4 day**
Trading starts	**T+3 day**

CONTENTS OF THE MEMORANDUM OF ASSOCIATION OF THE COMPANY AS REGARDS ITS OBJECTS: For information on the main objects and other objects of our Company, please refer chapter titled ***"Our History and Certain Other Corporate Matters"*** beginning on page 181 of the Red Herring Prospectus and Clause III of the Memorandum of Association of our Company. The Memorandum of Association of our Company is a material document for inspection in relation to the Issue. For further details, please refer to the chapter titled ***"Material Contracts and Documents for Inspection"*** beginning on page 347 of the Red Herring Prospectus.

LIABILITY OF MEMBERS AS PER MOA: The Liability of the members of the Company is Limited.

AMOUNT OF SHARE CAPITAL OF THE COMPANY AND CAPITAL STRUCTURE: The Authorized share capital of the Company is Rs. 10,00,00,000 divided into 1,00,00,000 Equity Shares of Rs.10/ each. The issued, subscribed and paid-up share capital of the Company before the Issue is Rs. 5,75,96,000 divided into 57,59,600 Equity Shares of Rs. 10/ each. For details of the Capital Structure, please refer to the chapter titled ***"Capital Structure"*** beginning on page 78 of the Red Herring Prospectus.

NAMES OF THE SIGNATORIES TO THE MEMORANDUM OF ASSOCIATION OF THE COMPANY AND THE NUMBER OF EQUITY SHARES SUBSCRIBED BY THEM:

ORIGINAL SIGNATORIES			CURRENT PROMOTERS		
Name of Promoters	Face Value (Rs.)	No. of Shares	Name of Promoters	Face Value (Rs.)	No. of Shares
Dinesh Makhija	10.00	7,500	Dinesh Makhija	10.00	41,32,500
Pooja Makhija	10.00	2,500	Pooja Makhija	10.00	8,24,847

LISTING: The Equity Shares offered through the Red Herring Prospectus are proposed to be listed on the SME Platform of BSE ("BSE SME"). Our Company has received an "In-principle" approval from the BSE for the listing of the Equity Shares pursuant to letter dated March 17, 2025. For the purposes of the Issue, the Designated Stock Exchange shall be BSE. A signed copy of the Red Herring Prospectus has been submitted for registration to the ROC on June 16, 2025 and Prospectus shall be filed with the RoC in accordance with Section 26(4) of the Companies Act, 2013.

DISCLAIMER CLAUSE OF SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA ("SEBI"): Since the Issue is being made in terms of Chapter IX of the SEBI (ICDR) Regulations, 2018, the Red Herring Prospectus shall be filed with SEBI. In terms of the SEBI Regulations, the SEBI shall not issue any observation on the Offer Document. Hence there is no such specific disclaimer clause of SEBI. However, investors may refer to the entire ***"Disclaimer Clause of SEBI"*** beginning on page 253 of the Red Herring Prospectus.

DISCLAIMER CLAUSE OF BSE (THE DESIGNATED STOCK EXCHANGE): "It is to be distinctly understood that the permission given by BSE Limited ("BSE") should not in any way be deemed or construed that the contents of the Prospectus or the price at which the equity shares are offered has been cleared, solicited or approved by BSE, nor does it certify the correctness, accuracy or completeness of any of the contents of the Prospectus. The investors are advised to refer to the Red Herring Prospectus for the full text of the ***"Disclaimer clause of BSE"*** beginning on page 254 of the Red Herring Prospectus.

GENERAL RISK: Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this Issue unless they can afford to take the risk of losing their investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the Issuer and this Issue, including the risks involved. The Equity Shares have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India (***"SEBI"***), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of the Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to refer chapter titled ***"Risk Factors"*** beginning on page 27 of the Red Herring Prospectus

BOOK RUNNING LEAD MANAGER TO THE ISSUE	REGISTRAR TO THE ISSUE	CHEIF FINANCIAL OFFICER
KHAMBATTA SECURITIES LIMITED 806, 8th Floor, Tower-B, World Trade Tower, Noida Sector-16, Uttar Pradesh-201301, India. **Tel:** +91-9953989693, 0120-4415469 **Email:** ipo@khambattasecurities.com **Investor Grievance Email:** mbcomplaints@khambattasecurities.com **Website:** www.khambattasecurities.com **Contact Person:** Mr. Chandan Mishra **SEBI Registration No.:** INM000011914	**MAASHITLA SECURITIES PRIVATE LIMITED** 451, Krishna Apra Business Square, Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi-110034, India. **Telephone:** 011-4781432 **E-mail:** ipo@maashitla.com **Investor Grievance E-mail:** investor.ipo@maashitla.com **Website:** www.maashitla.com **Contact Person:** Mr. Mukul Agrawal **SEBI Registration No.:** INR000004370	**Mr. Tarun Sharma** Chief Financial Officer C-28, 2nd Floor Community Centre, Janakpuri, New Delhi-110058, India. **Telephone:** +91-7417961616 **E-mail:** catarun@iconf.in **Website:** www.iconf.in Investors can contact the Compliance Officer or the Registrar to the Issue in case of any pre-issue or post- issue related problems, such as non-receipt of letters of allotment, credit of allotted shares in the respective beneficiary account, etc.

Availability of Red Herring Prospectus: Investors are advised to refer to the Red Herring Prospectus and the ***"Risk Factors"*** contained therein, before applying in the issue. Full copy of the Red Herring Prospectus will be available at the website of SEBI at www.sebi.gov.in; the website of Stock Exchange at www.bseindia.com, the website of BRLM at www.khambattasecurities.com and website of Company at www.iconf.in.

Availability of Bid-Cum-Application forms: Bid-Cum-Application forms can be obtained from the Company: Icon Facilitators Limited, Book Running Lead Manager, Khambatta Securities Limited. Application Forms can also be obtained from the Stock Exchange and list of SCSBs available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in and website of Stock Exchange at www.bseindia.com.

Application Supported by Blocked Amount (ASBA): All investors in this Issue have to compulsorily apply through ASBA. The investors are required to fill the ASBA form and submit the same to their banks. The SCSB will block the amount in the account as per the authority contained in ASBA form. On allotment, amount will be unblocked and account will be debited only to the extent required to be paid for allotment of shares. Hence, there will be no need of refund.

For more details on the issue process and how to apply, please refer to the details given in application forms and abridged prospectus and also please refer to the chapter titled ***"Issue Procedure"*** beginning on page 277 of the Red Herring Prospectus.

BANKER TO THE ISSUE: Kotak Mahindra Bank Limited

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed to them in the Red Herring Prospectus

For **Icon Facilitators Limited**
Sd/-
Dinesh Makhija
Designation: Chairman & Managing Director
DIN: 06629656

Place: New Delhi
Date: June 17, 2025

ICON FACILITATORS LIMITED is proposing, subject to market conditions and other considerations, public issue of its Equity Shares and has filed the Red Herring Prospectus with the Registrar of Companies, NCT of Delhi and Haryana on June 16, 2025. The Red Herring Prospectus is available on the website of the Book Running Lead Manager at www.khambattasecurities.com, the website of the BSE i.e., www.bseindia.com, and website of our Company at www.iconf.in .

Investor should note that investment in equity shares involves a high degree of risk. For details, investors should refer to and rely on the Red Herring Prospectus, chapter the section titled ***"Risk Factors"*** beginning on page 27 of the Red Herring Prospectus, which has been filed with ROC. The Equity Shares have not been and will not be registered under the US Securities Act ("the Securities Act") or any state securities laws in United States and may not be issued or sold within the United States or to, or for the account or benefit of, "U.S, persons" (as defined in Regulations under the securities Act), except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the Securities Act of 1933.

FORTUNA + SHARK

जनगणना के आँकड़ों से उठ सकता है राजनीतिक समस्या

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

भारत जैसे बहुजातीय, बहुभाषायी, और बहुसांस्कृतिक देश में जनगणना केवल एक जनसांख्यिकी प्रक्रिया नहीं है, बल्कि सामाजिक संरचना को जानने-समझने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण माध्यम है। वर्ष 2026-27 में होने वाली आगामी जनगणना को लेकर गृह मंत्रालय द्वारा अधिसूचना जारी हो चुका है। यह जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक और तकनीकी रूप से नया होगा। पहली बार यह पूरी तरह डिजिटल होगा और साथ ही लोगों को स्वगणना यानि की सुविधा भी दी जाएगी। इस जनगणना की सबसे विशेष बात यह है कि इसमें जातीय आंकड़े भी संकलित किए जाएंगे और यह काम केन्द्र और राज्य सरकार की मान्य जातीय सूचियों से मिलान कर किया जाएगा। यानि जो जातियां सूचीबद्ध होगी, केवल वही गिना जाएगा। इससे एक नई सामाजिक और राजनीतिक हलचल की संभावना बढ़ गई है। जनगणना को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहला चरण में पहाड़ी राज्य (उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख), जिसमें 1 अक्टूबर 2026 तक जनगणना पूरा किया जाएगा। दूसरा चरण में मैदानी राज्य, जिसमें 1 मार्च 2027 तक जनगणना की प्रक्रिया पूरा किया जाएगा। डिजिटल ऐप के माध्यम से कर्मचारी सीधे डेटा संग्रह करेंगे, वहीं लोग खुद भी मोबाइल पर अपने परिवार की जानकारी भर सकेंगे, जिसे बाद में सरकारी कर्मचारी जाकर सत्यापित करेंगे। इस बार जनगणना में तकनीकी माध्यमों का भरपूर उपयोग किया जाएगा, जैसे- जियो टैगिंग, हर घर को जियो से टैग किया जाएगा जिससे स्थान की पुष्टि हो सके। मोबाइल ट्रैकिंग, जनगणना कर्मचारियों की गतिविधि की निगरानी। कोडिंग प्रणाली- हर प्रश्न को कोड से जोड़ा जाएगा जिससे डेटा का विश्लेषण और वर्गीकरण सटीक हो। गलत डेटा अलर्ट, एप में ऑटोमेटिक अलर्ट सिस्टम होगा, जिससे गलत आंकड़ों को तुरंत पकड़ा जा सके। यह सभी उपाय इस उद्देश्य से किया गया है कि डेटा पारदर्शी, प्रमाणिक और तत्काल हो। भारत में पहली बार नागरिकों को यह अधिकार दिया गया है कि वे खुद अपने मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से अपने परिवार की जनगणना जानकारी भर सकेंगे। यह सुविधा शहरी शिक्षित वर्ग के लिए अधिक उपयोगी होगा। इससे प्रगणकों का कार्यभार घटेगा। नागरिकों में स्वतंत्रता और पारदर्शिता की भावना को बढ़ावा मिलेगा। इसके लिए जागरूकता अभियान चलाना होगा ताकि ग्रामीण एवं तकनीक से दूर तबकों तक इसकी पहुंच बन सके। इस बार का सबसे बड़ा और संवेदनशील मुद्दा है जातीय जनगणना। अब तक जनगणनाओं में केवल एससी और एसटी की गिनती होती थी, लेकिन इस बार ओबीसी और सामान्य वर्ग की जातियों की भी गणना की जाएगी। केन्द्र और राज्य सरकार की ओबीसी, एससी और एसटी सूचियों से मिलान कर ही जातियों को गिना जाएगा। इसका उद्देश्य है कि सटीक जातीय आंकड़े इकट्ठा करना। नीतियों और आरक्षण को वास्तविक आंकड़ों के आधार पर बनाना। जातीय असमानताओं को पहचानना और कम करना। 2011 की जनगणना में 46 लाख जातीय उपनाम सामने आए थे, जिससे डेटा निष्कर्ष देना संभव नहीं हो सका था। इसलिए अब कोडिंग और लिस्टिंग के आधार पर जातियों की संख्या सीमित किया जाएगा। राजस्थान जैसे राज्य में जहां जातिगत राजनीति की गहरी जड़ें है, जनगणना के यह आंकड़ा सियासी समीकरण बदल सकता हैं। गुर्जर, जाट, मीणा, बिश्नोई जैसे प्रभावशाली समुदायों की हिस्सेदारी को लेकर नया दावा उठ सकता है। पहले से 50% आरक्षण की संवैधानिक सीमा पार हो चुका है, ऐसे में ओबीसी वर्ग के अंदर उपवर्गीकरण की मांग तेज हो सकता है। ईडब्ल्यूएस आरक्षण को लेकर भी नया सवाल उठेगा कि सामान्य वर्ग में कितने लोग आर्थिक रूप से कमजोर हैं।

अंतरिक्ष में भारत की खगोलीय यात्रा के 11 वर्ष

डॉ. जितेन्द्र सिंह

केरल के थुंबा में मछली पकड़ने वाले शांत गाँव के चर्चयार्ड से साउंडिंग रॉकेट के प्रक्षेपण के साथ शुरू हुई भारत की अंतरिक्ष यात्रा के बारे में शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि एक दिन देश कितनी ऊँचाइयों को छूएगा। यह सपना दृढ़ संकल्प का था, जब सितारों तक पहुँचने का सपना सीमित साधनों, लेकिन असीम महत्वाकांक्षा के साथ परवान चढ़ा। आज, वह सपना विकसित होकर एक राष्ट्रीय मिशन का रूप अख्तियार कर चुका है, और जब हम नरेन्द्र मोदी सरकार के ग्यारह वर्षों को चिन्हित कर रहे हैं, तो भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में आमूल-चूल बदलाव आ चुका है झ यह साहसपूर्ण, समावेशी और आम नागरिकों के जीवन से गहराई से संबद्ध है। यह परिवर्तन केवल रॉकेट और उपग्रहों से ही संबंधित नहीं है, अपितु यह लोगों के बारे में है। यह दर्शाता है कि दूरदराज के गाँव के किसान से लेकर डिजिटल कक्षा के छात्र तक, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी किस प्रकार रोजमर्रा की जिंदगी की लय में खामोशी से शामिल हो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और अंतरिक्ष विभाग के रणनीतिक नेतृत्व में, भारत ने विकास, सशक्तिकरण और अवसर के उपकरण के रूप में अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम की नए सिरे से परिकल्पना की है। साल 2014 से शुरू किए गए सुधारों ने नई संभावनाओं के द्वार खोले हैं। 2020 में इन-स्पेस की स्थापना ने निजी कंपनियों को अंतरिक्ष गतिविधियों में भाग लेने का अवसर प्रदान किया, जिससे नवाचार की लहर उठी। आज, 300 से अधिक अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप उपग्रह बना रहे हैं, प्रक्षेपण वाहन डिजाइन कर रहे हैं तथा कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और नेविगेशन के क्षेत्र में सेवाएं देने वाले अनुप्रयोग विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप केवल प्रौद्योगिकी से सृजित नहीं कर रहे हैं - वे खासकर टियर 2 और टियर 3 शहरों में युवा इंजीनियरों और उद्यमियों के लिए रोजगार के अवसरों का भी सृजन कर रहे हैं। उदारीकृत अंतरिक्ष नीति ने अंतरिक्ष सेवाओं को अधिक किफायती और सुलभ बना दिया है, जिससे उन्नत प्रौद्योगिकी का लाभ जमीनी स्तर पर पहुंच रहा है। भारत के उपग्रह अब मौसम पूर्वानुमान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनकी बदौलत किसानों को अपनी बुवाई और कटाई के चक्रों की योजना अधिक सटीकता से बनाने में मदद मिलती है। बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में, उपग्रह डेटा प्रारंभिक चेतावनी और आपदा प्रतिक्रिया को सक्षम बनाता है, जिससे जीवन और आजीविका की रक्षा होती है। चक्रवातों और सूखे के दौरान रिमोट सेंसिंग के कारण अधिकारियों को तैयार रहने और नुकसान को कम करने में मदद मिलती है। ग्रामीण क्लीनिकों में, उपग्रह कनेक्टिविटी द्वारा संचालित टेलीमेडिसिन की बदौलत शहरी केंद्रों में डॉक्टरों द्वारा दूरदराज के क्षेत्रों में रोगियों को परामर्श मुमकिन हो पाता है, जिससे स्वास्थ्य सेवा से संबंधित खाई पाटना संभव होता है। सैटेलाइट बैंडविड्थ द्वारा समर्थित ई-लर्निंग प्लेटफॉर्म यह सुनिश्चित करते हुए कि भूगोल अब सीखने में बाधा नहीं रहा है, दूर-दराज के गाँवों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं। भारत के स्वदेशी जीपीएस नेटवर्क-नाविक प्रणाली का इस्तेमाल अब वाहनों में नेविगेशन, ट्रेनों और जहाजों पर नजर रखने और मछुआरों को किनारे पर सुरक्षित वापस लौने के लिए किया जाता है। कृषि में, उपग्रह परामर्श से किसानों को मिट्टी की नमी, फसल की सेहत और कीटों के संक्रमण की निगरानी करने में मदद मिलती है, जिससे उचित निर्णय लेने और बेहतर पैदावार प्राप्त करने में मदद मिलती है। ये कल्पनिक लाभ नहीं हैं, बल्कि - ये लाखों लोगों के जीवन में आया वास्तविक, उल्लेखनीय सुधार है। बीते दशक में शुरू किए गए मिशनों ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। मंगलयान भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता प्रदर्शित करते हुए अपने पहले ही प्रयास में मंगल पर पहुँच गया। चंद्रयान-3 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट उतरा, ऐसा क्षेत्र जहां कोई पहले नहीं गया था और इसके रोवर ने ऐसे प्रयोग किए जो भविष्य के चंद्र मिशनों को जानकारी प्रदान करेंगे। आदित्य-एल1 अब सौर तूफानों का अध्ययन कर रहा है, जिससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष के मौसम तथा संचार प्रणालियों और बिजली ग्रिड पर इसके प्रभाव को समझने में मदद मिल रही है। साल 2027 के लिए निर्धारित गगनयान मिशन भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजेगा। लेकिन चालक दल की उड़ान से पहले ही, यह मिशन नई पीढ़ी को प्रेरित कर रहा है। अंतरिक्ष यात्रियों का प्रशिक्षण, सुरक्षा प्रणालियों का विकास और चालक दल रहित परीक्षण उड़ानें व्यापक प्रभाव उत्पन्न कर रही हैं - अनुसंधान को बढ़ावा दे रही हैं, प्रतिभाओं को आकर्षित कर रही हैं और राष्ट्रीय गौरव का निर्माण कर रही हैं।

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है? इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है,

ललित गर्ग

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है? इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है। जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा। दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है। ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर हैं, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है। इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा। इसलिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि हम ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे। जो आपरेशन शुरू किया है, उसे लक्ष्य हासिल होने तक जारी रखेंगे। ईरान का परमाणु शक्ति बनना एक बड़ा खतरा है, इस बड़े खतरे को समाप्त करना ही ऑपरेशन राइजिंग लायन का लक्ष्य है। इसी समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आना भी इजरायल के बेहतर मौका लेकर आया और यहां अमेरिका का समर्थन अहम हो गया है।

भविष्य बताने वाले, वर्तमान से बेखबर क्यों

या फिर अदृश्य शक्ति भी बोर्ड लगाकर छुट्टी पर चली जाती है? यह प्रश्न अब मजाक नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक विमर्श का विषय बन चुका है। आज जब कोई गंभीर संकट आता है, तो सबसे पहले न्यूज चैनल, वैज्ञानिक एजेंसियाँ, या रेस्क्यू टीमें सक्रिय होती हैं-ना कि वो बाबा जिनका दावा है कि वे भविष्य देख सकते हैं, या ईश्वर से सीधी बातचीत करते हैं। ये वही लोग हैं जो टीवी पर, मंचों पर, और यूट्यूब लाइव में हजारों लोगों के सामने आँखें मूँदकर बड़े भावुक अंदाज में कहते हैं-बेटा, तेरा समय बदलने वाला है, तू अगले जन्म में साधु बनेगा, या तेरे कुल में बहुत बड़ा संत हुआ था। लेकिन जब देश के किसी कोने में कोई बच्चा बोरवेल में गिरता है, जब प्लेन क्रैश होता है, जब कोई महामारी फैलती है-तो ये संत, साधु, भविष्यवक्ता नदारद होते हैं। अब सवाल यह उठता है कि यदि इनके पास सचमुच कोई दिव्य दृष्टिहै, तो वो सार्वजनिक हित में क्यों नहीं लगाई जाती? क्या इनकी चेतनाएँ सिर्फ प्रेम विवाह के उपाय, दुश्मन को वश में करने की विधि या विदेश यात्रा कब होगी जैसे प्रश्नों तक ही सीमित हैं?

प्रियंका सौरभ

लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार

वो जो कहते हैं, ऊपर वाले से सीधा संपर्क है, उनका नेटवर्क अचानक उस समय क्यों डाउन हो जाता है जब कोई भयंकर आपदा, ट्रेन हादसा, प्लेन क्रैश, या भूकंप आता है? क्या उनकी ज्योतिषीय सेटिंग में कोई सर्वर एरर आ जाता है? या फिर अदृश्य शक्ति भी बोर्ड लगाकर छुट्टी पर चली जाती है? यह प्रश्न अब मजाक नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक विमर्श का विषय बन चुका है। आज जब कोई गंभीर संकट आता है, तो सबसे पहले न्यूज चैनल, वैज्ञानिक एजेंसियाँ, या रेस्क्यू टीमें सक्रिय होती हैं-ना कि वो बाबा जिनका दावा है कि वे भविष्य देख सकते हैं, या ईश्वर से सीधी बातचीत करते हैं। ये वही लोग हैं जो टीवी पर, मंचों पर, और यूट्यूब लाइव में हजारों लोगों के सामने आँखें मूँदकर बड़े भावुक अंदाज में कहते हैं-बेटा, तेरा समय बदलने वाला है, तू अगले जन्म में साधु बनेगा, या तेरे कुल में बहुत बड़ा संत हुआ था। लेकिन जब देश के किसी कोने में कोई बच्चा बोरवेल में गिरता है, जब प्लेन क्रैश होता है, जब कोई महामारी फैलती है-तो ये संत, साधु, भविष्यवक्ता नदारद होते हैं। अब सवाल यह उठता है कि यदि इनके पास सचमुच कोई दिव्य दृष्टिहै, तो वो सार्वजनिक हित में क्यों नहीं लगाई जाती? क्या इनकी चेतनाएँ सिर्फ प्रेम विवाह के उपाय, दुश्मन को वश में करने की विधि या विदेश यात्रा कब होगी जैसे प्रश्नों तक ही सीमित हैं? क्या ईश्वर से सीधा संपर्क रखने वाले लोगों की जिम्मेदारी नहीं बनती कि वे देश, समाज और मानवता के हित में समय रहते चेतावनी दें?हाल ही में एक वायरल टिप्पणी ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियाँ बटोरीः इतने बड़े-बड़े भविष्य वक्ता, ऊपर वाले से सीधा संपर्क... फिर भी किसी बड़े हादसे की खबर तक नहीं मिलती !ह्व यह वाक्य जितना सरल है, उतना ही तीव्र और तर्कपूर्ण भी है। क्योंकि यह धार्मिक चमत्कारों की उस ह्यऔद्योगिक प्रणालीह्व पर सवाल खड़ा करता है जो लोगों की भावनाओं को भुनाकर अरबों का कारोबार करती है। आजकल हर गली-मोहल्ले में एक बाबा ब्रांड है-किसी का टैगलाइन है भाग्य बदलिए, तो कोई कहता है समस्या का समाधान सिर्फ 7 दिन में। कुछ तो ऐसे हैं जो स्वयं को ह्यईश्वर का अवतारह्व घोषित कर चुके हैं। लेकिन जब देश में कोई आपदा आती है, तो ये सब ह्यअवतारह्व अंडरग्राउंड हो जाते हैं। इनके आश्रमों में सन्नाटा छा जाता है और प्रवचन मंचों पर प्रेस नोट चस्पा कर दिया जाता है-बाबा जी ध्यान साधना में हैं, कृपया किसी अन्य समय संपर्क करें। विचार कीजिए, यदि ये लोग सचमुच संकट पूर्वानुमानित कर सकते हैं, तो क्यों नहीं NDRF या प्रधानमंत्री कार्यालय को पहले से सूचित कर देते? क्यों नहीं आपदा प्रबंधन में इनका कोई उल्लेख होता है? कारण स्पष्ट है-इनकी भविष्यवाणी एक मार्केटिंग उत्पाद है, एक प्रकार की भावनात्मक ज्योतिषीय फैंटेसी, जिसे धार्मिक आस्था की चादर में लपेटकर बेचा जा रहा है। दुख की बात यह है कि ये बाबा और गुरु, आमजन की पीड़ा और अज्ञान का लाभ उठाकर एक ऐसा मायाजाल बुनते हैं जिसमें न तर्क है, न पारदर्शिता। इनकी भविष्यवाणी ह्यजेनरिकह्व होती है-अगले 6 महीने बहुत चुनौतीपूर्ण होंगे, देश में बड़ी घटना होने वाली है, भूकंप या महामारी की संभावना है-अब जरा सोचिए, ये तो किसी भी समय पर लागू किया जा सकता है। यह वाटरप्रूफ भविष्यवाणी होती है-गलत हुई तो कहा जाएगा तुम्हारी श्रद्धा कम थी, सही हुई तो देखा, बाबा ने पहले ही बताया था! बाजार ने भी इन बाबाओं की दुकानदारी को बढ़ावा दिया है। टीवी चैनलों से लेकर सोशल मीडिया तक, हर जगह इनका बोलबाला है। इनके प्रवचन में भक्ति कम, ब्रांडिंग ज्यादा होती है। कोई बाबा यूट्यूब पर लाइव भविष्यवाणी करता है, कोई इंस्टाग्राम पर ध्यान सत्र लेता है। इनके पास ७ऊ कैमरे, माइक सेटअप, वीडियो एडिटर तो हैं-ु४३ जब देश को ह्यदिव्य चेतावनी चाहिए होती है, तब इनका नेटवर्क फेल हो जाता है। यह विडंबना नहीं, त्रासदी है कि भारत जैसे देश में जहाँ विज्ञान, तकनीक और आपदा प्रबंधन की व्यापक जरूरत है, वहाँ संकट की घड़ी में लोग अब भी किसी बाबा की ह्यफेसबुक लाइवह्व पर आश्वासन खोजते हैं। यह एक गहरी सामाजिक असुरक्षा और वैज्ञानिक सोच की कमी का परिचायक है। यहीं पर जिम्मेदारी बनती है सरकारों, शिक्षकों और सामाजिक संस्थानों की। धर्म आस्था का विषय है, लेकिन जब वह वैज्ञानिक विवेक, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवता से दूर जाकर एक कॉरपोरेट माया बन जाए, तो उसके खिलाफ खड़ा होना जरूरी है। यह कोई धर्म-विरोध नहीं, बल्कि अंधविश्वास-विरोध है। भविष्यवाणी की आड़ में जो व्यावसायिक ढांचा खड़ा हुआ है, वह न केवल जन-संवेदनाओं से खिलवाड़ करता है, बल्कि आपदा के समय नागरिकों को दिग्भ्रमित भी करता है। जब किसी नदी में बाढ़ आती है, तो ठऊटअ और मौसम विभाग तो चेतावनी जारी करते हैं, लेकिन भगवा पोशाकधारी बाबा लोग चुप रहते हैं। जब ट्रेन दुर्घटनाग्रस्त होती है, तब न तो किसी ज्योतिषी का वीडियो वायरल होता है, न ही कोई भविष्यवक्ता ग्रीन रूम से बाहर आता है। सवाल यह भी है कि इनका ह्यसीधा संपर्क किससे है? क्या वह संपर्क केवल उन्हीं दिनों काम करता है जब दस लाख का यज्ञ, एक करोड़ का चढ़ावा, या विशेष पूजा आयोजित की जाती है? क्या ईश्वर को संपर्क में लाने के लिए भी ह्यडेटा पैकह्व रिचार्ज कराना पड़ता है? यह कटाक्ष नहीं, कटु सत्य है कि धार्मिक विश्वास अब एक टेलीकॉम योजना जैसा हो गया है-पैसा दो, नेटवर्क भरोसेमंद होगा। एक आम नागरिक के नजरिए से देखें, तो यह धोखा है। क्योंकि जब जनता किसी संकट में होती है, तब उसे सही, सटीक, और वैज्ञानिक जानकारी चाहिए होती है-न कि दाढ़ी वाले किसी स्वयंभू ईश्वर के प्रवचन। इस पूरे परिदृश्य में कुछ संतुलित, विद्वान और सच्चे अध्यात्मविद अपवाद हो सकते हैं, जो वास्तव में समाज सेवा और आत्मकल्याण की बात करते हैं। लेकिन बहुसंख्यक मंचों पर जो चल रहा है, वह एक भविष्य बेचने का उद्योग है-जिसमें भविष्य के नाम पर वर्तमान की चेतना को शिथिल किया जा रहा है।

परमाणु हथियार नियंत्रण के लिए युद्ध

इजरायल और ईरान के बीच युद्ध आरंभ हो गया है। इजरायल ने ईरान के विरुद्ध बड़ा सैन्य अभियान चलाया है। इसे ह्यऑपरेशन राइजिंग लॉयनह्व नाम दिया गया है। यानी इजरायल एक ऐसा युद्ध करता हुआ देश है, जो ईरान की ओर शेर की मस्तानी चाल से बढ़ रहा है। नेताजी सुभाशचंद्र बोस ने जब आजाद हिंद फौज की कमान संभाली थी, तब उन्होंने अपने झंडे पर छलांग लगाते शेर को प्रतीक बनाया था। बेंजामिन नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इस आक्रमण की पुष्टि करते हुए कहा है, जब तक इजरायल के अस्तित्व पर खतरे बने रहेंगे, ईरान पर हमले जारी रहेंगे। साथ ही यह कोई सीमित कार्यवाही नहीं है, बल्कि एक व्यापक और लंबा चलने वाला रणनीतिक अभियान है। इजरायल ने 13 जून, 2025 को 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के लगभग 100 ठिकानों को निशाना बनाया। ये हमले 20 प्रमुख सैन्य अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों के घरों पर भी किए गए। ईरान की राजधानी तेहरान में 78 लोग मारे गए। सामरिक ठिकानों पर ये हमले संभावित खतरों को टालने के नजरिए से किए गए। इजरायल की सर्तकता यह रही कि उसने अपने खुफिया संगठन ह्यमोसादह्व के जरिए ईरान के गुप्त ठिकानों पर पहुंचकर कम ऊंचाई वाले ड्रोन छोड़े और ईरान की सुरक्षा प्रणाली एवं मिसाइल प्रक्षेपण प्रणाली को ध्वस्त कर दिया। इसके बाद इजरायली विमानों को ईरान का खुला आसमान मिल गया। ईरान ने 100 ड्रोन से जवाबी हमला किया भी लेकिन ये सभी ड्रोन इजरायली डिफेंस सिस्टम ने इजरायल की सीमा लांघने से पहले ही नेस्तनाबूद कर दिए। इधर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप की जो कूटनीतिक प्रतिक्रिया आई है, उससे साफ है कि वे दोहरी नीति अपना रहे हैं। ट्रंप ने कहा है कि ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए 60 दिन का समय दिया था, आज 61वां दिन था। फलतः इजरायल ने ईरान पर हमला बोल दिया। अब ईरान को समझौता करने के लिए दूसरा मौका दे रहा हूं, वह इस अवसर का लाभ उठाए। क्योंकि इजरायल का दूसरा हमला कहीं ज्यादा आक्रामक और भयावह होगा। साफ है ट्रंप की सहमति के बाद ही ईरान ने यह हमला किया है। दरअसल ईरान को परमाणु बम बनाने से रोकने के लिए ये हमला किया गया। इसीलिए इस हमले को नेतन्याहू ने न्यायसंगत ठहराते हुए कहा है कि ईरान उसके अस्तित्व के लिए संकट बन रहा है। क्योंकि यह एक हकीकत है कि ईरान ने बड़े पैमाने पर यूरेनियम संवर्धन प्रक्रिया शुरू कर दी है। यह ऐसी प्रक्रिया है, जो परमाणु हथियार बनाने की प्रक्रिया को बेहतर बनाती है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत यूरेनियम 235 के निर्माण की प्रक्रिया को बढ़ावा दिया जाता है। अतएव इजरायल के लिए ईरान का परमाणु हथियार संपन्न देश हो जाना चिंता की स्थिति उत्पन्न करने वाली बात है। दरअसल, परमाणु हथियार संपन्न देश होना एक ऐसी सैन्य रणनीति हैं, जिसके चलते दूसरे देश परमाणु संपन्न देश पर हमला करने से बचते हैं। इसका बुनियादी कारण है कि यदि कोई देश शत्रु देश पर परमाणु हमला करता है तो जवाबी कार्यवाही में उसे भी परमाणु हमले का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा होता है तो देनों देशों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ सकता है। रूस ने यूक्रेन पर आसानी से इसलिए हमला बोल दिया था, क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार नहीं है। रूस और अमरीका के बहकावे में आकर उसने अपने परमाणु हथियार, परमाणु निरस्त्रीकरण संधि पर हस्ताक्षर करने के बाद समुद्र में नष्ट कर दिए थे। इसका खामियाजा उसे आज उठाना पड़ रहा है। ईरान परमाणु संपन्न देश न बन जाए, इसलिए उस पर अमरीका ने लंबे समय से परमाणु संबंधी प्रतिबंध लगाए हुए थे। परंतु बराक ओबामा के कार्यकाल में अमरीका और ईरान के बीच एक परमाणु समझौता हुआ और ईरान से परमाणु प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए थे। तब भी इजरायल ने इस समझौते का खुला विरोध किया था। नेतन्याहू ने यहां तक कहा था कि यह संधि एक ऐतिहासिक भूल है। किंतु उस समय इस संधि को ओबामा की बड़ी उपलब्धि बताया गया था। ईरान और इजरायल के बीच तनाव लंबे समय से चला आ रहा है। लेकिन इन देशों ने लंबे समय तक छद्म युद्ध लड़ा है। परंतु जब एक अप्रैल 2024 को इजरायल ने सीरिया पर हमला किया था तब ईरान ने इजरायल पर सीधा हमला बोला था। क्योंकि इस लड़ाई में ईरान समर्थित इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड के ब्रिग्रेडियर जर्नल मोहम्मद रजा जाहेदी समेत 8 अधिकारी मारे गए थे। ईरान ने इस हमले के जवाब में अप्रत्याशित रुख अपनाते हुए लगभग 320 द्रोण और क्रूज मिसाइलों से हमला किया था। । ईरान इजरायल से करीब 1800 किमी. की दूरी पर स्थित होने के बावजूद हमला करने में सफल रहा। ईरान ने 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इजरायल से लंबी दुश्मनी के चलते पहली बार यह सैन्य हमला इसलिए किया था। इस लड़ाई में इजरायल को अमरीका ने खुली सामरिक मदद की थी। उस संदर्भ में ईरान ने अमरीका को चेतावनी देते हुए कहा था कि उसने यदि अब इजरायल की मदद की तो नतीजा भुगतने को तैयार रहे। ईरान ने यह पलटवार इसलिए भी किया था, जिससे मध्य-पूर्व की राजनीति में उसके वर्चस्व की महिमा को स्वीकार लिया जाए। यदि वह जवाबी हमला नहीं बोलता तो इजरायल और अमरीका के खिलाफ उसकी जो धारणा है, वह ध्वस्त हो जाएगी। दरअसल ईरान इजरायल के अस्तित्व को ही स्वीकार नहीं करता है।

दिल्ली को मिले 33 आरोग्य मंदिर और 17 जन औषधि केंद्र; रेखा गुप्ता बोलीं, झाड़ू से कर रहे पिछली सरकार के भ्रष्टाचार की सफाई

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली को आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की सौगात देने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पूर्व की आम आदमी पार्टी सरकार पर बड़ा हमला बोला। सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकार की झाड़ू जो यहां रह गई है, उसी से हम पिछली सरकार के भ्रष्टाचार की सफाई कर रहे हैं। जहां-जहां भी भ्रष्टाचार के अड्डे बने थे, वहां सभी को साफ करने के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में 33 आरोग्य मंदिरों और 17 जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन यहां की जनता के लिए मील का पत्थर साबित होने वाला है। इन आरोग्य मंदिरों में लैब, सारी दवाइयां और वैक्सीनेशन की पूरी सुविधा है। मेडिकल ऑफिसर, डॉक्टर, नर्स और पैरा मेडिकल स्टाफ की तैनाती की गई है। ये दिल्ली में हेल्थ के मामले में बड़ा बदलाव है। मुख्यमंत्री ने कहा, आयुष्मान जैसी योजनाएं दिल्ली के लिए दी गई थीं, जिसका लाभ लोगों को मिलना चाहिए था। बेहतर हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 5 साल पहले दिल्ली को केंद्र सरकार ने करोड़ों रुपये दिए, लेकिन पिछली सरकार ने लोगों के लिए फ्री दवा, वैक्सीन जैसी व्यवस्थाओं के लिए काम नहीं किया।ह उन्होंने कहा, ह्लकेंद्र सरकार की तरफ से मिले फंड का आखिरी साल चल रहा है, इसलिए हमारी सरकार को आते ही युद्ध स्तर पर काम शुरू करना पड़ा। 100 दिन में हमारी सरकार ने आरोग्य मंदिरों की तैयारी की और मंगलवार को 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन कर दिया गया है। रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली में हर विधानसभा के अंदर कम से कम 15 आरोग्य मंदिर खोलने की योजना बनाई गई है। दिल्ली के सरोजिनी नगर में भी आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन हुआ, जहां मंत्री प्रवेश वर्मा की पत्नी स्वाति वर्मा ने हिस्सा लिया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, इस आरोग्य मंदिर के बाद छोटी बीमारियों के लिए लोगों को अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। छोटी-छोटी बीमारियों का इलाज यहीं पर हो जाएगा और इस वजह से अस्पतालों में भीड़ कम होगी। इसी तरह दिल्ली के शालीमार बाग इलाके में सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में जगह-जगह आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जाएंगे। इन आरोग्य मंदिरों में लोगों को घर के पास ही बेहतर चिकित्सा सुविधा मिलेगी। इसी क्रम में दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने बाबर रोड डिस्पेंसरी में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा, ह्लयह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सोच का परिणाम है। इन केंद्रों में मुफ्त इलाज, दवाएं, फिजियोथेरेपी और वेलनेस सेंटर की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इससे छोटी-मोटी बीमारियों के लिए लोगों को बड़े अस्पतालों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं, बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने यमुना विहार के बी ब्लॉक में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने मोहल्ला क्लीनिक की आलोचना करते हुए कहा कि मोहल्ला क्लीनिक इतने छोटे थे कि लोग प्रवेश करते ही गिर जाते थे। वहां टेस्ट की सुविधा नहीं थी। लेकिन आयुष्मान आरोग्य मंदिर में टेस्ट होंगे और लोग योग भी कर सकेंगे। खजूरी खास में मंत्री कपिल मिश्रा ने भी एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ अधिकारी और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौजूद रही। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत दिल्ली में 2406 करोड़ रुपये की लागत से 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित किए गए हैं। दिल्ली सरकार, नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) की 33 डिस्पेंसरियों को इन केंद्रों के रूप में विकसित किया गया है। इसकी शुरुआत 14 जून को होनी थी, लेकिन अहमदाबाद विमान हादसे के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। आज दिल्ली के सभी कैबिनेट मंत्री अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इन केंद्रों का उद्घाटन करेंगे, जिससे राष्ट्रीय राजधानी में स्वास्थ्य सेवाओं को और सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है।

मारुति सुजुकी की मानेसर फैसिलिटी में भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इन, प्लांट रेलवे साइडिंग का संचालन शुरू

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

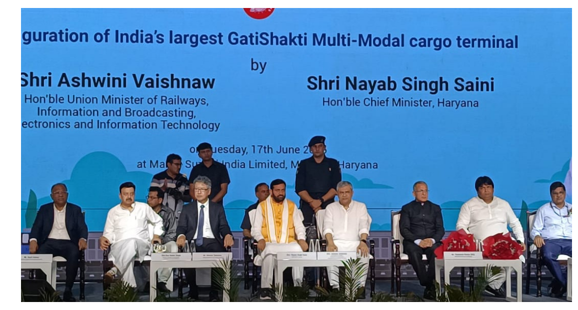

नई दिल्ली : केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने उद्घाटन किया यह गुजरात फैसिलिटी के बाद कंपनी का दूसरा गतिशक्ति इन-प्लांट टर्मिनल है इसका उद्देश्य लॉजिस्टिक्स और सतत विकास में दक्षता लाना है यह भारत की सबसे बड़ी इन-प्लांट रेलवे साइडिंग है, जिसकी कुल डिस्पैच क्षमता सालाना 450,000 वाहन होगी इसके चालू होने से अनुमानित 175,000 टन* उड2 (कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर) उत्सर्जन कम करने में मदद मिलेगी, जिससे पूरी क्षमता के साथ काम करने पर सालाना 60 मिलियन लीटर ईंधन की बचत होगी इसे एक संयुक्त उद्यम कंपनी, हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HORCL) द्वारा क्रियान्वित किया गया है मानेसर/ नई दिल्ली, 17 जून 2025: माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (MSIL) के मानेसर फैसिलिटी में भारत की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल इन-प्लांट रेलवे साइडिंग का उद्घाटन किया। पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत पंजीकृत मानेसर रेलवे साइडिंग को हरियाणा राज्य में सोनीपत से पलवल के बीच 126 किलोमीटर लंबे हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (HORC) के हिस्से के रूप में तैयार किया गया है। इस परियोजना को संयुक्त उद्यम कंपनी हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (HORCL) द्वारा क्रियान्वित किया गया है। संयुक्त उद्यम के तहत, टरक्ष्ह ने ल्हड्फल के विकास में 3,250 मिलियन (325 करोड़) रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा, टरक्ष्ह ने भीतरी यार्ड के विकास के लिए लगभग 1,270 मिलियन (127 करोड़) रुपये का निवेश भी किया है। कुल मिलाकर, इस परियोजना में MSIL का कुल निवेश लगभग 4,520 मिलियन (452 करोड़) रुपये है।

संक्षिप्त खबरें

योग बंधन में किया योगाचार्यों ने योग

नई दिल्ली, । राष्ट्रीय राजधानी के मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी के मद्देनजर मंगलवार को योगाभ्यास का आयोजन किया जिसमें दुनिया भर से योग संस्थाओं के प्रमुखों ने हिस्सा लिया। संस्थान के प्रांगण में आयोजित योग सत्र में योग ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष जोश प्रायर, ऑस्ट्रिया में योग इन डेली लाइफ के वरिष्ठ प्रतिनिधि ग्रेगर कोस, ब्राजील में साओ पाउलो विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डेनिलो फोर्घिएरी सांताएला, चीन में योगी योग की संस्थापक यिन यान, डेनमार्क के योग विशेषज्ञ मेजर इंगेमैन-मोल्डेन, इंडोनेशिया के इंडोनेशियाई राष्ट्रीय योग चिकित्सक संघ के अध्यक्ष स्लामत रियान्टो, कजाकिस्तान में शक्ति योग स्टूडियो की निदेशक विद्या वोल्कोवा, मलेशिया के मलेशिया योग सोसायटी और मलेशिया योग प्रशिक्षक संघ के संस्थापक मणिसेकरन और मलेशिया में अक्सिनोम योग की सह संस्थापक सिंथामनी अरुणासलम शामिल हुए। इनके अलावा रूस में योग चिकित्सक इरीना फुरसोवा, योग चिकित्सक, सिंगापुर में प्रज्ञा योग और वेलनेस की निदेशक डॉ. सुजाता काउलगी, दक्षिण कोरिया में प्रतिष्ठित इंडोलॉजिस्ट पुरस्कार 2019 के प्राप्तकर्ता प्रो. जियो-लियोंग ली, दक्षिण अफ्रीका में योग शिक्षक कुगन नायडू , दक्षिण अफ्रीका में योग विशेषज्ञ सिवलुचिम नायडू, स्पेन में प्रसिद्ध योग चिकित्सक जोस मारिया मार्केज जुराडो (गोपाला), श्रीलंका के फिल्म निमार्ता विमुक्ति जयसुंदरा और अर्जेंटीना में सांता फे प्रांत के प्रतिनिधि रोसियो बेलेन बोनाची ने भी योगाभ्यास किया।

दाखिला की दौड़ः डीयू स्नातक दाखिला के लिए यह जानकारी है महत्वपूर्ण

नई दिल्ली, । दिल्ली विश्वविद्यालय ने स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए कॉमन सीट एलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस) 2025-26 के पहले चरण की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी जारी कर दी है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस बार भी प्रवेश प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रहेगी और छात्रों को सीयूईटी (यूजी) 2025 के आवेदन संख्या के आधार पर ही सीएसएएस पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। सीएसएएस फेस 1 में छात्रों को करने होंगे महत्वपूर्ण ये छह काम- छात्रों को ६६६.ँ२२ङ्मल्ल.४ङ्मी.ल्ल पर जाकर व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक विवरण, अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधि व खेल अनुभाग,दस्तावेज अपलोड, फॉर्म की समीक्षा और निर्धारित शुल्क का भुगतान करना होगा। डीयू ने कहा कि सीयूईटी 2025 के दौरान छात्रों द्वारा दी गई नाम, फोटो और हस्ताक्षर की जानकारी स्वचालित रूप से सीएसएएस पोर्टल में समाहित हो जाएगी। यानी उनको यह नहीं भरना है यह ऑटो अपडेट हो जाएगा। यह व्यवस्था आवेदन प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाने की दिशा में की गई है। आवेदन शुल्क में नहीं हुआ है बदलाव इस बार भी डीयू ने आवेदन शुल्क में किसी तरह का बदलाव नहीं किया है। सामान्य वर्ग, ओबीसी नॉन क्रीमीलेयर और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 250 रुपए है जबकि एससी, एसटी और पीडब्ल्यूबीडी के लिए 100 रुपए का शुल्क रखा गया है। इसके अतिरिक्त ईसीए या स्पोर्ट्स सुपरन्यूमेरेरी कोटा के लिए आवेदन करने पर 100 रुपए का अतिरिक्त शुल्क देना होगा। प्रदर्शन/प्रायोगिक/ खेल परीक्षण आधारित कार्यक्रमों के लिए आवेदन पर 400 रुपए का अतिरिक्त शुल्क निर्धारित है।

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली में तीन लोगों ने बंदूक दिखा कर एसयूवी लूटी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कुतुब इंस्टीट्यूशनल क्षेत्र के पास तीन बदमाशों ने कथित तौर पर वाहन चालक को बंदूक दिखा कर धमकाया और एसयूवी कार लूट ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रविवार को सुबह करीब पांच बजे शहीद जीत सिंह मार्ग पर कार लूटने के दौरान बदमाशों ने कथित तौर पर वाहन चालक को पीछे की सीट पर बैठा दिया और एक घंटे बाद कार से बाहर निकाल दिया। पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक, पीड़ित चालक सागर अपने मालिक की टाटा हैरियर एसयूवी में एक रेस्तरां के बाहर खड़ा था। उसका मालिक और उनकी पत्नी पार्टी के लिए अंदर गए थे। चालक ने पुलिस को बताया कि जब कार लूटी गई, तब कार खड़ी थी। आरोपियों में से एक के पास पिस्तौल थी। वह कार लूटकर ले गया। अधिकारी ने बताया कि चालक के साथ कथित तौर पर मारपीट की गई और उसे करीब एक घंटे तक चलती कार में रखा गया। बदमाशों ने उसका मोबाइल फोन और नकदी भी लूट ली। अधिकारी ने बताया, बाद में पीड़ित को असोला रोड पर उतार दिया गया और आरोपी वाहन लेकर फरार हो गए। सागर ने पुलिस को घटना की सूचना दी और किशनगढ़ थाने में मामला दर्ज कराया गया। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

मोहल्ला क्लीनिक था भ्रष्टाचार का बड़ा अड्डा : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पिछली सरकार की मोहल्ला क्लिनिक को भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा अड्डा करार देते हुए कहा है कि इलाज के नाम पर जनता को सिर्फ धोखा दिया गया। श्रीमती रेखा गुप्ता ने मंगलवार को तीस हजारी कोर्ट परिसर में आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन करने के बाद कहा कि पिछली सरकार में मोहल्ला क्लीनिक की क्या स्थिति थी यह किसी से छिपी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा, मोहल्ला क्लीनिक पूरी तरह से घोटाला था। इसमें न देखभाल थी, न दवाएं। इसका एकमात्र उद्देश्य पैसा कमाना था। मोहल्ला क्लीनिक के नाम पर नालों और गंदी जगहों पर पोटा केबिन में इसे खोला गया जहाँ प्रति मरीज 40 रुपये के हिसाब से डॉक्टर को भुगतान किया जाता था। ऐसी स्थिति में इलाज की गुणवत्ता की कल्पना की जा सकती है।ह्व उन्होंने कहा कि इसके साथ ही मोहल्ला क्लीनिक बनाने के नाम पर जो किराए पर जगह ली गई उसमें भी कई गुना अधिक भुगतान किया गया। मोहल्ला क्लीनिक पिछली सरकार के भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा अड्डा था। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में आज एक साथ 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और 17 जन औषधि केंद्रों का उद्घाटन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से पाँच साल पहले 2400 करोड़ रुपये धनराशि दिल्ली सरकार को दी गई, लेकिन पिछली सरकार ने अपने अहम के चक्कर में इस धनराशि का इस्तेमाल नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार बनने के बाद उस धनराशि का इस्तेमाल किया जा रहा है और अगले साल मार्च तक 1140 आरोग्य मंदिर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरोग्य मंदिर और मोहल्ला क्लीनिक में जमीन आसमान का फर्क है। उन्होंने कहा कि जहाँ-जहाँ आरोग्य मंदिर खुलते जाएँगे वहाँ पर मोहल्ला क्लीनिक को बंद कर दिया जाएगा। आरोग्य मंदिर में हर प्रकार की जाँच की सुविधा होगी और वहाँ क्वालिफाइड डॉक्टर होंगे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने जनऔषधि केंद्र सिर्फ.इसलिए नहीं खोले क्योंकि उसमें प्रधानमंत्री जुड़ा था, लेकिन हमारी सरकार ने सभी सरकारी अस्पतालों में जनऔषधि केंद्र खोलने का निर्णय लिया है और आज 17 जनऔषधि केंद्र खोले गए हैं। वहीं दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने अपने विधानसभा क्षेत्र के बाबर रोड पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा आज दिल्ली में स्वास्थ्य क्रांति का दिवस है। दिल्ली के लिए 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर और सस्ती दवाओं के लिए 17 नए जनऔषधि केंद्र, सिर्फ 100 दिन में केंद्र सरकार की संकल्पशक्ति और दिल्ली की नई सरकार की कार्यशक्ति का परिणाम है। इसके अलावा दिल्ली के सभी कैबिनेट मंत्री अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में इन केंद्रों का उद्घाटन करेंगे।

शाहदरा जिले में इंद्रदेव ने सुनी पुकार शाम को बरसी राहत की फुहारें

प्रात: किरण .मनोज जैन

शाहदरा जिले में बीते दिनों से सूरज की तपिश ने जनजीवन को बेहाल कर रखा था। तेज धूप, उमस और लू जैसे हालातों में लोग घरों में दुबकने को मजबूर थे। गर्मी का प्रकोप इतना बढ़ चुका था कि कूलर और पंखे भी जवाब देने लगे थे। हर कोई आसमान की ओर देखकर यही उम्मीद कर रहा था कि कब बादल छाएं और राहत की बौछारें बरसें। मंगलवार शाम लगभग 7 बजे जैसे इंद्रदेव की कृपा बरस पड़ी। काले घने बादलों ने आसमान को ढक लिया और देखते ही देखते तेज हवाएं चलने लगीं। शाहदरा, कृष्णा नगर, गांधी नगर, विश्वास नगर, मानसरोवर पार्क, जगतपुरी, विवेक विहार और सीमापुरी जैसे क्षेत्रों में धूलभरी आंधी चली और फिर तेज बारिश शुरू हो गई। गरजते बादलों और बिजली की कड़क के साथ मौसम रोमांचक हो उठा और लोगों ने राहत की सांस ली। बारिश की बूंदों ने जैसे गर्मी को धो डाला। बच्चे गलियों में भीगते दिखे और लोग पार्कों, बालकनियों में मौसम का आनंद लेते नजर आए। मगर दूसरी ओर, मानसरोवर पार्क, बाबरपुर, न्यू सीलमपुर, वेलकम और शाहदरा मेन रोड समेत कई क्षेत्रों में जलभराव और ट्रैफिक जाम की समस्या भी देखी गई। जगह-जगह सड़कों पर पानी जमा हो गया जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। फिर भी लोगों के चेहरों पर खुशी थी, क्योंकि यह बारिश लंबे इंतजार के बाद आई थी। पिछले दो दिनों से लोग बादलों की ओर टकटकी लगाए हुए थे और शाम को वह प्रार्थनाएं रंग लाईं। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक रुक-रुक कर बारिश होती रहेगी, जिससे और राहत मिलने की संभावना है।

आप ने विपक्ष की सकारात्मक भूमिका अदा कर सीएम रेखा गुप्ता और मेयर राजा इकबाल सिंह को नींद से जगाया : अंकुश नारंग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,भाजपा की दिल्ली सरकार से दिल्ली नगर निगम को 820 रुपए दिलाने को लेकर आम आदमी पार्टी का संघर्ष सफल हो गया। आप द्वारा दिल्ली सरकार से फंड न मिलने की वजह से एमसीडी कर्मचारियों को सैलरी नहीं मिलने का मुद्दा जोरशोर से उठाया गया, जिसके बाद सीएम रेखा गुप्ता ने एमसीडी के खाते में 820 करोड़ रुपए भेज दिया है। हालांकि दस दिन पहले भाजपा ने दावा किया था कि उसकी दिल्ली सरकार ने पैसे जारी कर दिए हैं, लेकिन उस पैसे को 3 किलोमीटर की दूरी तय कर सिविक सेंटर तक पहुंचने में 11 दिन लग गए। जिसके बाद कर्मचारियों को उनकी रुकी सैलरी मिलने लगी है। यह जानकारी एमसीडी में आप के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने दी। अंकुश नारंग ने सैलरी मिलने पर एमसीडी कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार को जगाने का काम विपक्ष का होता है और विपक्ष में आम आदमी पार्टी ने एमसीडी में सकारात्मक भूमिका अदा करते हुए सीएम रेखा गुप्ता और मेयर राजा इकबाल सिंह समेत पूरी भाजपा को नींद से जागने का काम किया। दिल्ली सरकार से मिले 820 करोड़ रुपए एमसीडी कर्मचारी के अधिकार के हैं। आम आदमी पार्टी ने कर्मचारियों की रुकी सैलरी को दिलाने का काम किया है। हमारा यह संघर्ष कामयाब हुआ। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी आगे भी एमसीडी कर्मचारी और दिल्ली की जनता के हक की लड़ाई लड़ती रहेगी। अंकुश नारंग ने कहा कि पिछले कई दिनों से एमसीडी कर्मचारियों की सैलरी में देरी के खिलाफ आम आदमी पार्टी लगातार संघर्ष कर रही थी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हर अखबार में यह खबर छपवा दी थी कि उन्होंने 820 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। लेकिन यह राशि दिल्ली सचिवालय से मात्र तीन किलोमीटर दूर सिविक सेंटर तक नहीं पहुंच पा रही थी। इस कारण ग्रुप ए, बी और सी के एमसीडी कर्मचारियों की सैलरी में देरी हो रही थी। आप ने इस मुद्दे पर लगातार संघर्ष किया और प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए जनता को अवगत कराया। अंकुश नारंग ने कहा कि जानकारी के अनुसार, आम आदमी पार्टी के इतने संघर्ष के बाद मंगलवार सुबह दिल्ली सरकार द्वारा भेजे गए 820 करोड़ रुपए एमसीडी के खाते में आ गए हैं। अब ग्रुप ए, बी और सी की सैलरी रिलीज हो जाएगी। सभी एमसीडी कर्मचारियों, विपक्षी नेताओं और साथी पार्षदों को इस जीत के लिए मुबारकबाद है। आम आदमी पार्टी इसी तरह सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रहेगी और सत्ता पक्ष को नींद से जगाने का काम करेगी। विपक्ष की सकारात्मक भूमिका यही होती है कि वह सरकार को जनहित के मुद्दों पर जवाबदेह बनाए। अंकुश नारंग ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में आम आदमी पार्टी, एमसीडी में इसी तरह काम करती रहेगी। आम आदमी पार्टी सत्ता पक्ष की नींद हराम करती रहेगी और जनता के मुद्दों को उठाकर उन्हें नींद से जगाएगी। सूत्रों के अनुसार, 820 करोड़ रुपये की पहली किस्त एमसीडी को मिल गई है और जैसे ही सैलरी रिलीज होगी, कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। अंकुश नारंग ने कहा कि यह जीत सकारात्मक विपक्ष की भूमिका का परिणाम है। आप ने सकारात्मक विपक्ष की भूमिका निभाते हुए इस मुद्दे को उठाया और 820 करोड़ रुपये की पहली किस्त एमसीडी को दिलवाई। सभी कर्मचारियों, जनता और विपक्ष के नेताओं को इस सफलता के लिए बधाई। ह्लआपह्व भविष्य में भी जनहित के लिए संघर्ष करती रहेगी। यह एकजुटता और सकारात्मक विपक्ष की ताकत का परिणाम है।

केंद्र व हरियाणा सरकार विश्वविद्यालय के कुलपति को बर्खास्त नहीं करती है तो आप छात्र संगठन जंतर मंतर पर प्रदर्शन करेगा : एसैप

नई दिल्ली/हिसार,आम आदमी पार्टी के छात्र संगठन एसोसिएशन ऑफ स्टूडेंट्स फॉर अल्टरनेटिव पॉलिटिक्स (एसैप) ने स्कॉलरशिप नीति में बदलाव का विरोध कर रहे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों को अपना समर्थन दिया है। एसैप ने अपनी जायज मांगों पर अड़े इन छात्रों से मिलकर उनकी आवाज को मजबूती से उठाने का आश्वासन दिया। इस दौरान एसैप से जुड़े छात्रों ने विश्वविद्यालय प्रशासन से स्कॉलरशिप नीति में किए गए बदलाव को छात्रों के साथ अन्याय बताया। एसैप ने विश्वविद्यालय प्रशासन से छात्रों की मांगों को पूरा कर स्टाइपेंड की पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की है। साथ ही, एसैप ने केंद्र व हरियाणा सरकार को चेतावनी दी है कि अगर कुलपति को बर्खास्त नहीं किया जाता है तो ह्लआपह्व छात्र संगठन जंतर मंतर पर प्रदर्शन करेगा। आप छात्र संगठन एसैप का कहना है कि स्कॉलरशिप नीति में बदलाव छात्रों के साथ अन्याय है। पहले स्टाइपेंड पाने के लिए छात्रों को 70 फीसद अंक लाना अनिवार्य था। यह व्यवस्था काफी अच्छी थी और इससे काफी छात्रों को लाभ मिल रहा था, लेकिन हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने अब इसमें बदलाव कर दिया है। नीति में नए बदलाव के बाद अब 75 फीसद अंक पाने वाले छात्रों को ही यह स्टाइपेंड मिल सकेगा। इसे लागू होने से अधिकतर छात्र लाभ से वंचित हो जाएंगे। एसैप ने अपनी जायज मांगों को लेकर धरने पर बैठे छात्रों पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज करने की कड़ी निंदा की है। एसैप का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन की इस बर्बर कार्रवाई का हम विरोध करते हैं। विश्वविद्याल छात्रों की आवाज दबाने के लिए उन पर लाठीचार्ज कराया और धमकाया जा रहा है, लेकिन छात्रों की आवाज दबेगी नहीं। एसैप इन छात्रों के साथ मजबूती के साथ खड़ा है और जब तक इनकी मांगे पूरी नहीं हो जाती, तब तक हम इनके संघर्ष में साथ खड़े हैं। एसैप ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से स्कॉलरशिप की पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की, ताकि अधिक से अधिक छात्रों को लाभ मिल सके। एसैप का कहना है कि यह छात्र कोई नई मांग नहीं कर रहे हैं। वे बस वही न्याय और वही पुरानी व्यवस्था वापस चाहते हैं जो पहले थी। लेकिन बदले में छात्रों को लाठियां मिल रही है। विश्वविद्यालय छात्रों को सुरक्षा देने बजाय उनका दमन करने पर उतारू है। अपने अधिकारों की आवाज उठाने पर उनके साथ अपराधियों जैसा बर्ताव किया गया, जिसकी एसैप कड़ी निंदा करता है। एसैप ने हरियाणा सरकार और केंद्र सरकार से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीआर कंबूज को बर्खास्त करने की भी मांग की है। एसैप का कहना है कि कुलपति को उनके दायित्व से बर्खास्त करना चाहिए। अगर सरकार बर्खास्त नहीं करती तो एसैप जंतर मंतर पर सरकार के खिलाफ और चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के विधार्थियो के समर्थन में धरना प्रदर्शन करेगा। इस दौरान आप हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष रणबीर लोहान, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व सचिव दीपक बंसल, ईशना गुप्ता ,धर्मेंद्र रावत (पूर्व स्पोर्ट्स सेक्रेटरी डूसू),विठ्ठल शर्मा ,भारत बराड़ (उपाध्यक्ष ,हरियाणा एसैप),शुभम् राणा सचिव, एसैप हरियाणा), मनदीप सिंह सह-सचिव (हरियाणा एसैप),अनिकेत सिंह (जिला अध्यक्ष कुरुछेत्र हरियाणा एसैप), कुलदीप बिधुड़ी, ओम सिंह , अयान राय,युवराज तावर,कमल तिवारी, गौरव यादव , निखिल , अभिषेक बेनीवाल समेत अन्य छात्र मौजूद रहे।

भाजपा नए क्लीनिक नहीं बना सकती तो केजरीवाल सरकार में बने मोहल्ला क्लीनिकों की सुविधाओं में कटौती भी न करे : जरनैल सिंह

नई दिल्ली,अरविंद केजरीवाल की सरकार के कामों पर नए नाम का बोर्ड लगाकर अपनी उपलब्धि गिना रही चार इंजन वाली भाजपा सरकार को आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को एक्पोज कर दिया। तिलक नगर से आप विधायक जरनैल सिंह ने यह खुलासा करते हुए कहा कि मंत्री ने आज जिस आयुष्मान आरोग्य मंदिर की बिल्डिंग का उद्घाटन किया है, वह वास्तव में मोहल्ला क्लीनिक की बिल्डिंग है। अरविंद केजरीवाल की सरकार के दौरान से यहां मोहल्ला क्लीनिक व पॉलीक्लिनिक चल रहा था। गूगल लोकेशन में भी यही नाम आ रहा है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के कामों पर बोर्ड लगाकर अपनी उपलब्धि बताने से दिल्लीवाले भाजपा से खुश नहीं होंगे, बल्कि भाजपा को काम करके दिखाना पड़ेगा। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता व विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रियों को यह समझना होगा कि मोहल्ला क्लीनिक केवल नाम के लिए नहीं हैं। भाजपा की फर्जी वादों वाली सरकार की हकीकत को वह आज सामने लाने जा रहे हैं। जिन मोहल्ला क्लीनिक्स को भाजपा केवल नाम का बता रही है, उनकी असलियत यह है कि अब भाजपा उन्हीं मोहल्ला क्लिनिकों के नाम बदल कर आयुष्मान आरोग्य मंदिर कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के मंत्री आज जिस बिल्डिंग का उद्घाटन यह कहकर किया है कि यह आयुष्मान आरोग्य मंदिर है, वह लंबे समय से आप की सरकार के दौरान से मोहल्ला क्लीनिक के रूप में काम कर रही है। विधायक जरनैल सिंह ने कहा कि यह मोहल्ला क्लीनिक और पॉलीक्लिनिक लंबे समय से चल रहा है, जब से आप की सरकार दिल्ली में बनी है। गूगल की लोकेशन पर भी यह स्थान आम आदमी पॉलीक्लिनिक, तिलक विहार के नाम से दर्ज है। उन्होंने कहा कि केवल लीपापोती से काम नहीं चलेगा, बल्कि असल में काम करना होगा। आप की उपलब्धियों पर भाजपा द्वारा अपने बैनर और बोर्ड लगा देने से कुछ नहीं होगा। दिल्ली के लोग और तिलक विहार के निवासी असलियत जानते हैं। जरनैल सिंह ने कहा कि भाजपा ने अपने 100 दिन के रिपोर्ट कार्ड में आरोग्य मंदिर को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि बताया, जबकि यह केवल मोहल्ला क्लीनिक का बोर्ड बदलकर किया गया है। बिल्डिंग वही है, दवाइयां वही हैं, डॉक्टर वही हैं, और टेस्ट भी वही हो रहे हैं। हालांकि, कुछ सुविधाओं में कमी जरूर आई है, जिसका जिक्र स्थानीय लोग कर रहे हैं। आप की सरकार के दौरान कोई समस्या नहीं थी, सभी टेस्ट होते थे, और दवाइयां उपलब्ध थीं। लेकिन अब न तो कोई टेस्ट हो रहा है, न दवाइयां मिल रही हैं, और न ही डॉक्टर नियमित रूप से उपलब्ध रहते हैं। जरनैल सिंह ने कहा कि लोग अपनी पर्चियां लेकर अल्ट्रासाउंड जैसे टेस्ट के लिए भटक रहे हैं, लेकिन कोई टेस्ट नहीं हो रहा और न ही आगे रेफर किया जा रहा है। अगर भाजपा नया क्लीनिक नहीं बना सकती, तो कम से कम ह्लआपह्व की अरविंद केजरीवाल सरकार द्वारा दिल्लीवासियों को दी गई सुविधाओं को खत्म नहीं करना चाहिए। दिल्ली के फरिश्ते जैसी अच्छी स्कीम और अन्य डेवलपमेंट स्कीम्स को भाजपा ने बंद कर दिया, जिससे दिल्ली के लोग परेशान हैं। 1993 से 1998 का दौर, जब भाजपा की सरकार थी, दिल्लीवाले दोबारा देख रहे हैं। उस समय दिल्लीवासियों ने भाजपा को 27 साल के लिए सत्ता से बाहर किया था, और इस बार वह कम से कम 100 साल के लिए बाहर हो सकती है। दिल्लीवाले सच जानते हैं और आप की उपलब्धियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

इलियास अमरोहवी की किताब मैं और मेरी तन्हाई का विमोचन

अमरोहा। अदबी संस्था बज्म-ए-तनवीर के संयोजन में सोमवार रात मोहल्ला सराय कोहना में असलूब हुसैन जैदी के आवास पर जलसे का आयोजन किया गया। वरिष्ठ शायर मंसूर उस्मानी द्वारा इलियास अमरोहवी की गजलों पर आधारित किताब मैं और मेरी तन्हाई का विमोचन किया गया। अतिथियों ने इलियास अमरोहवी की कला की सराहना की। मुख्य अतिथि मंसूर उस्मानी ने कहा कि कथा लेखन आसान लगता है लेकिन वास्तव में यह साहित्य की एक बहुत ही नाजुक और कड़ी विधा है। इलियास अंसारी इसमें पूरी तरह सफल रहे हैं। महबूब हुसैन जैदी ने इलियास अंसारी को मौजूदा दौर का बेहतरीन और सक्रिय कथाकार बताया। डा. मिस्बाह अहमद सिद्दीकी ने कहा कि इलियास अंसारी कथा साहित्य के क्षेत्र में नए लगते हैं, लेकिन उनकी कहानियों और किस्सों को पढ़कर ये अहसास ही नहीं होता कि वह नए लेखक हैं। इस दौरान डा. महताब अमरोहवी ने भी अपने विचार रखे। अध्यक्षता महबूब हुसैन जैदी व संचालन शीबान कादरी ने किया।

मेडिकल हेल्थ ऐजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड-2025 से नवाजे गए वेंकटेश्वरा संस्थापक सुधीर गिरि

अमरोहा/गजरौला। श्री वेंक्टेश्वरा समूह के खाते में एक और शानदार उपलब्धि दर्ज हो गयी। मेडिकल ऐजुकेशन एवं शानदार चिकित्सीय व स्वास्थ्य सेवाओं के लिए वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक अध्यश सुधीर गिरि को ह्यह्यएक्सीलेन्स इन हैल्थ एण्ड मेडिकल सर्विसेजह्यह्य के लिए ह्यह्यमेडिकल हेल्थ ऐजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड-2025ह्यह्य से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें भारत सरकार के केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने प्रदान किया। नई दिल्ली स्थित भारत मण्डपम में आयोजित ह्यह्यमेडिकल हेल्थ ऐजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड-2025ह्यह्य का शुभारम्भ केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार नितिन गडकरी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ह्यह्यगारन्टीह्यह्य के कारण भारतीय टेलेंट अब विदेशों का रूख न करके अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में लगे हैं। मोदी जी के विकसित भारत/2047 अभियान में स्वास्थ्य संस्थानों की भूमिका सर्वोच्य होगी। केन्द्रीय मंत्री ने वेंक्टेश्वरा की प्रशंसा करते हुए कहा कि वेंक्टेश्वरा मेडिकल कॉलेज की तर्ज पर देश के बाकी स्वास्थ्य संस्थानों को भी आगे आकर राष्ट्र विकास में अपना योगदान देना चाहिए।उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के बल पर भारत अगले एक दशक में दुनिया का सिरमौर बनेगा। श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय के प्रतिकुलाधिपति एवं समूह चेयरमैन सुधीर गिरि के आधिकारिक प्रतिनिधि डॉ. राजीव त्यागी एवं कुलपति श्री कृष्णकान्त दवे ने उपस्थित जनसमूह को विश्वविद्यालय एवं मेडिकल कॉलेज द्वारा शिक्षा एवं चिकित्सा क्षेत्र में किये जा रहे शानदार कार्यों की विवरण रिपोर्ट प्रस्तुत की। वेंक्टेश्वरा समूह के चेयरमैन सुधीर गिरि को ह्यह्यमेडिकल हेल्थ ऐजुकेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड-2025ह्यह्य मिलने पर बधाई देने वालों का ताँता लग गया। उनको बधाई देने वालों में प्रधान सलाहकार डॉ. वी.पी.एस. अरोड़ा, समूह सलाहकार आर.एस. शर्मा, कुलपति प्रो0 कृष्णकान्त दवे, कुलसचिव डॉ. पीयूष पाण्डे, डीन अकेडमिक अफेयर्स डॉ. राजेश सिंह, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. अनिल जयसवाल, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. ओम प्रकाश गोसाई, डॉ. अश्विन कुमार सक्सेना, डॉ. राम निवास शर्मा, डॉ. सर्वानन्द साहू, डॉ. दिनेश कुमार गौतम, डॉ. ऐना एरिक ब्राउन, डॉ. एल. एस. रावत, एस. एस. बघेल, अरूण कुमार गोस्वामी, मारूफ चौधरी, अभिषेक जैन, मेरठ परिसर निदेशक डॉ0 प्रताप सिह मीडिया प्रभारी विश्वास राणा, आदि लोग रहे।

भाजपा झूठ बोलने के रोज नए कीर्तिमान बना रही, मोहल्ला क्लीनिकों का नाम बदल कर बता रही 33 नए आयुष्मान आरोग्य मंदिर बना दिए - सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रातः किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी ने केजरीवाल सरकार में बने मोहल्ला क्लीनिकों और डिस्पेंसरीज का नाम बदल कर आयुष्मान आरोग्य मंदिर करके अपनी उपलब्धि बता रही भाजपा सरकार की पोल खोल दी है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने केजरीवाल सरकार के काम की चोरी कर रही भाजपा सरकार को सबूतों के साथ आईना दिखाया है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स पर चिराग दिल्ली स्थित एक वातानुकूलित डिस्पेंसरी की वीडियो साझा कर कहा कि केजरीवाल सरकार में बने मोहल्ला क्लीनिकों और डिस्पेंसरीज की रंगाई पुताई करके भाजपा सरकार दिल्लीवालों को बता रही है कि उसने नया आयुष्मान आरोग्य मंदिर बना दिए। चिराग दिल्ली स्थित डिस्पेंसरी का उद्घाटन तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने किया था और आज भी डिस्पेंसरी पर सत्येंद्र जैन और मेरे नाम का पत्थर लगा हुआ है। इसी तरह बाकी मोहल्ला क्लीनिकों का भी नाम बदल कर आरोग्य मंदिर किया जा रहा है। सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर कहा कि केजरीवाल सरकार द्वारा बनाए गए मोहल्ला क्लिनिक और डिस्पेंसरी पर नया पेंट करके उन्हें नया आयुष्मान आरोग्य मंदिर बताया जा रहा है। कहा जा रहा है भाजपा सरकार ने 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए हैं।भाजपा सरकार रोज नए झूठ बोलने में कीर्तिमान बना रही है। 8 वर्ष पहले केजरीवाल सरकार द्वारा बनाई गई चिराग दिल्ली में स्थित वातानुकूलित डिस्पेंसरी पर आज भी 2017 में हुए उद्घाटन का पत्थर लगा हुआ है। पत्थर पर मेरा और सत्येंद्र जैन का नाम आज भी अंकित है। अब कहा जा रहा है कि भाजपा सरकार ने ये नया आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाया है। सौरभ

भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार ने 100 दिन पूरे होने पर अपनी 20 बड़ी उपलब्धियां गिनाई थी। इसमें भाजपा सरकार अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि आयुष्मान आरोग्य मंदिर को बताया। सरकार का कहना है कि उसने अभी तक दिल्ली में 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर बना दिए हैं, जो कि पूरी तरह झूठ है। क्योंकि चिराग दिल्ली में भाजपा की सरकार आने से पहले वातानुकूलित डिस्पेंसरी बन गई थी। इसे 2017 में केजरीवाल सरकार द्वारा बनवाया गया था। अब भाजपा कह रही है कि उसने यहां नया आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाया। सौरभ भारद्वाज का कहना है कि यह कोई आयुष्मान आरोग्य मंदिर नहीं है, बल्कि यह दिल्ली सरकार की पुरानी डिस्पेंसरी है, जिसका उद्घाटन 3 दिसंबर 2017 को तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और मैने किया था। आज भी डिस्पेंसरी पर दिल्ली सरकार, आप की सरकार लिखा हुआ है। साथ ही, डिस्पेंसरी पर उद्घाटन करने वाले स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन और विधायक सौरभ भारद्वाज का नाम भी लिखा हुआ है। यह भाजपा की सच्चाई है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि यह वही आयुष्मान आरोग्य मंदिर है, जिसके बारे में भाजपा और एलजी बार-बार कहते थे कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर केंद्र सरकार की बहुत बड़ी स्कीम है। जिसे आम आदमी पार्टी नहीं बनने दे रही है। भाजपा अगर सरकार में आ जाएगी तो केंद्र सरकार बहुत पैसा दे देगा। इसलिए दिल्ली की जनता को सच्चाई जाननी जरूरी है। लोग सोचते होंगे कि 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खुल गए हैं और उसमें कुछ अलग सुविधाएं होंगी। लेकिन सच ये है कि यह आरोग्य मंदिर नहीं है, बल्कि दिल्ली सरकार की पुरानी डिस्पेंसरी है। इस डिस्पेंसरी को आरोग्य मंदिर बनाने के लिए दीवारों पर पीले रंग का पेंट किया गया है और कुछ चित्र बनाए गए हैं। अगर दिल्ली के लोग इसमें अंदर घुस कर देखेंगे तो पाएंगे कि आज भी वहीं डॉक्टर, फार्मासिस्ट और सुविधाएं हैं। एसी भी आम आदमी पार्टी की सरकार ने ही लगवा रखा है। यह चिराग दिल्ली की पहली डिस्पेंसरी थी, जिसमें आप सरकार द्वारा एसी लगवाई गई थी। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा दिल्ली की जनता को बेवकूफ बनाने का काम किया जा रहा है। पिछले पांच साल से भाजपा सिर्फ बड़ी-बड़ी बातें कह रही थी कि वह सरकार में आएगी तो केंद्र सरकार से भारी भरकम फंड आएगा। चिराग दिल्ली की डिस्पेंसरी की तरह ही पुराने मोहल्ला क्लीनिकों को पेंट कर बाकी के अन्य आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए गए हैं। मोहल्ला क्लीनिक का नाम आयुष्मान आरोग्य मंदिर रखकर भाजपा अपनी उपलब्धि बता रही है। दिल्ली की जनता जान चुकी है

डीएम निधि गुप्ता ने किया गौ आश्रय स्थल अलीपुर खादर का निरिक्षण

अमरोहा। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने आज अस्थायी गौ आश्रय स्थल अलीपुर खादर, हसनपुर का निरीक्षण किया गया। गौ आश्रय स्थल में 78 गौवंश जिनमें 30 नर व शेष मादा संरक्षित पाये गये। सफाई व्यवस्था संतोषजनक न पाये जाने पर जिलाधिकारी महोदया द्वारा रोष प्रकट करते हुए जल निकासी की व्यवस्था तत्काल ठीक कराने व ड्यूम पाइप लगाने का निर्देश ग्राम पंचायत सचिव श्री खुर्शीद को दिया गया। सहभागिता योजनांतर्गत गौवंश गौवंश सुपुर्दगी में न दिये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए उप मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया गया कि उपयुक्त गायों में कृत्रिम गर्भाधान कर गर्भित कराया जाये तथा गर्भित गायों की विशेष देख-रेख की जाये जिससे वे स्वस्थ रह कर संतति उत्पन्न करें तथा ऐसी गायों को, इच्छुक व्यक्तियों को सहभागिता योजना में सुपुर्द किया जाये पीछे की ओर बने शेड के असुरक्षित व खुले होने पर असंतोष व्यक्त करते हुए तत्काल एक शेड बनवाने, रिक्त पड़ी भूमि पर दो बड़े शेड बनवाने व चाहरदीवारी बनवाने हेतु खंड विकास अधिकारी, हसनपुर को निर्देश दिया गया। परिसर में बनी अनुपयोगी पानी की हौद के उपर शेड लगाकर उसे वर्मीकॉम्पोस्ट पिट के रूप में प्रयोग करने का निर्देश दिया गया। समस्त अभिलेखो यथा चिकित्सा पंजिका, एनिमल लॉग बुक, चारा- भूसा की लॉग बुक का अवलोकन दिया तथा रिकाड्र्स को अपडेट रखने का तथा खंड विकास अधिकारी को नियमित रूप से भूसा चारा आदि के अभिलेखों का अवलोकन करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देश दिए कि गोवंश को समय पर पानी चारा आदि दिया जाए।

राजा-महाराजाओं की मुद्राएँ सुनाएँगी इतिहास की कहानी

मेरठ में 20 से 22 जून तक लगेगा मुद्रा महोत्सव

प्रात: किरण . मनोज जैन

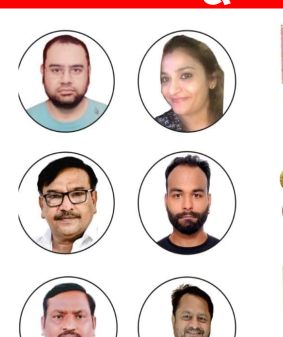

उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक जनपद मेरठ में आगामी 20 जून से 22 जून 2025 तक आयोजित होने जा रहा है मुद्रा महोत्सव, जो इतिहास प्रेमियों, विद्यार्थियों और संस्कृति से जुड़ाव रखने वाले आमजन के लिए एक अविस्मरणीय अवसर लेकर आ रहा है। इस आयोजन में भारत के विभिन्न ऐतिहासिक कालखंडों – मौर्य, गुप्त, मुगल, मराठा, ब्रिटिश युग – की प्राचीन मुद्राओं, दुर्लभ सिक्कों और पुराने नोटों को प्रदर्शित किया जाएगा। यह आयोजन न केवल संग्रह की दृष्टि से अनमोल है, बल्कि एक ऐसा जीवंत संग्रहालय भी सिद्ध होगा, जहाँ अतीत की धड़कनों को स्पर्श किया जा सकेगा। यह जानकारी संग्रहकर्ता मनोज जैन, शांति मोहल्ला, दिल्ली निवासी द्वारा दी गई, जो स्वयं भी इस आयोजन में अपने ऐतिहासिक संग्रह के साथ उपस्थित रहेंगे। इस मुद्रा महोत्सव में दिल्ली से भानु भसीन और श्रीमती दीपेन्दर भसीन, जबलपुर से मनीष जैन, मेरठ से तुषार गर्ग और संजीव जैन, तथा स्वयं मनोज जैन अपने-अपने संग्रह की दुर्लभतम वस्तुएँ प्रदर्शित करेंगे। मनीष जैन स्वतंत्रता से पूर्व के ऐसे कागजी नोटों को लेकर आ रहे हैं जो भारत के आर्थिक इतिहास की विलुप्त धरोहर हैं। संजीव जैन मुगलकालीन शुद्ध चाँदी और तांबे के सिक्के लेकर पहुँचेंगे, जबकि तुषार गर्ग अपने संग्रह में भारत की रियासतों द्वारा चलाए गए सीमित चलन के सिक्के लेकर आएंगे। भानु भसीन द्वारा प्रदर्शित किए जाने वाले हस्तनिर्मित नोट और सीमित आवृत्ति की धातु मुद्राएँ पहली बार मेरठ में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित होंगी। मनोज जैन ने बताया कि अक्सर लोग पुराने सिक्कों या नोटों को व्यर्थ समझकर संभालते नहीं, जबकि उनकी सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और संग्रहणीय कीमत कई बार लाखों में आँकी जाती है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव न केवल दर्शकों को प्राचीन मुद्रा देखने का अवसर देगा, बल्कि उनके भीतर छिपी पहचान और मूल्य को भी समझाएगा। कई बार घरों की पुरानी संदूकों में पड़े सिक्के भी इतिहास के गवाह होते हैं – पर हमें उनका मूल्य पता ही नहीं होता। यह आयोजन इसी सोच को जगाने का प्रयास है कि आपके पास जो पैसा है, उसकी असली कीमत शायद आपको भी नहीं मालूम। इस मुद्रा महोत्सव के माध्यम से आयोजकगण यह संदेश देना चाहते हैं कि पैसा केवल खर्च करने की वस्तु नहीं, वह अतीत की आवाज भी हो सकता है। प्रत्येक सिक्का एक कालखंड, एक संस्कृति और एक व्यवस्था की कहानी कहता है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से न केवल संग्रहकताओं को अपनी धरोहर साझा करने का अवसर मिलता है, बल्कि आम नागरिक भी अपने भीतर के इतिहासबोध को जागृत कर सकते हैं। यह महोत्सव उन सभी के लिए खुला निमंत्रण है जो मानते हैं कि जो इतिहास को सहेजता है, वही भविष्य की नींव रखता है।

पर्यावरणीय चेतना को नीति-निर्माण का आधार बना रही मोदी सरकार : हर्ष मल्होत्रा

शाहदरा में वृक्षारोपण, वय वंदना स्वास्थ्य योजना पंजीकरण और जनकल्याण योजनाओं का संदेश

प्रात: किरण . मनोज जैन

शाहदरा विधानसभा क्षेत्र के भोलानाथ नगर स्थित लव कुश उद्यान में केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्षों की उपलब्धियों के अवसर पर वृक्षारोपण और प्रधानमंत्री आयुष्मान वय वंदना योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मौके पर ही 34 बुजुर्गों का पंजीकरण किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री और पूर्वी दिल्ली से सांसद हर्ष मल्होत्रा ने मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने ह्लप्रकृति रक्षति रक्षितःह्व जैसे वैदिक सिद्धांत को नीतियों के केंद्र में रखा है। आज पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जनआंदोलन बन चुका है – जैसे जीवनशैली में पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व का मिशन, प्लास्टिक मुक्त भारत, मां के नाम एक वृक्ष, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, और नवीन व वैकल्पिक ऊर्जा अभियान। हर्ष मल्होत्रा ने बताया कि भारत में आज प्रति व्यक्ति केवल 0.5 टन कार्बन उत्सर्जन होता है, जो वैश्विक औसत 4 टन से कहीं कम है। भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट (पाँच सौ अरब वाट) अक्षय ऊर्जा उत्पादन का है और उस समय तक कुल ऊर्जा खपत का 50 प्रतिशत भाग हरित स्रोतों से प्राप्त करने का संकल्प है। मार्च 2022 से देश की 13 प्रमुख नदियों के संरक्षण हेतु उनके तटों पर वृक्षारोपण का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जिससे 7,400 वर्ग किलोमीटर में वनों का विस्तार होगा। प्रकाश उत्सर्जक यंत्र (एलईडी बल्ब) के उपयोग से प्रतिवर्ष लगभग 4 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन की कमी हो रही है। केंद्र सरकार के ऊर्जा अनुसंधान केंद्र से जुड़े विशेषज्ञ सुधीर कुमार दास के अनुसार यदि भारत इसी दिशा में आगे बढ़ता रहा, तो वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य पूर्णतः संभव है। शाहदरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय गोयल ने जानकारी दी कि वर्ष 2014 में आरंभ किए गए नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत 40,481 करोड़ रुपये की लागत से 494 परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई, जिनमें से 315 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक है, और प्रधानमंत्री मोदी ने इसे फिर से निर्मल और अविरल बनाने के लिए समर्पणपूर्वक कार्य किया है। भारतीय जनता पार्टी शाहदरा ज़िला अध्यक्ष दीपक मदनलाल गाबा ने प्रधानमंत्री श्री मोदी का आभार प्रकट करते हुए बताया कि विद्युत चालित बस सेवा योजना के अंतर्गत देश के 14 राज्यों और 4 केंद्रशासित प्रदेशों को कुल 7,293 विद्युत चालित (इलेक्ट्रिक) बसें मंजूर की गई हैं, जो पर्यावरण संरक्षण और नागरिक सुविधा दोनों के दृष्टिकोण से ऐतिहासिक कदम है। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, विधायक संजय गोयल, ज़िला अध्यक्ष दीपक मदनलाल गाबा, पार्षद भरत गौतम, मंडल अध्यक्ष संजीव मदान सहित सभी पदाधिकारियों ने ह्लएक वृक्ष मां के नामह्व अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया। कार्यक्रम में भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष विजय शर्मा, भूषण ठाकर, प्रवक्ता अधिवक्ता भारत गौड़, ज़िला मंत्री डिंपल खन्ना, सुंदर चौधरी, पूनम अरोड़ा, अशोक आहूजा, विशाल भारद्वाज सहित सैकड़ों स्थानीय नागरिकों की भागीदारी रही।

21 वर्षों का अनुभव, अभिषेक शर्मा की सख्ती से कांपे बकायेदार और बिजली चोर

प्रात: किरण .मनोज जैन

दिल्ली के शाहदरा जिले के अन्तर्गत आने वाले कृष्णा नगर और गांधी नगर विधानसभा क्षेत्रों को कवर करने वाले कृष्णा नगर बिजली डिवीजन को हाल ही में एक ऐसा अधिकारी मिला है जो अपने अनुभव, निष्ठा और सख्ती के लिए जाने जाते हैं – अभिषेक शर्मा, जिन्होंने लगभग 21 वर्षों से बिजली विभाग में कार्य करते हुए हर ज़िम्मेदारी को बेहतरीन ढंग से निभाया है। हाल ही में उन्होंने इस डिवीजन का कार्यभार संभाला और पदभार ग्रहण करते ही सबसे पहले क्षेत्र में फैले 20 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया बिलों को लेकर कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने जनता से अपील की है कि वे समय रहते बकाया बिल चुका दें, अन्यथा बिजली कटने की कार्रवाई तय है। अभिषेक शर्मा ने साफ कहा है कि अब बिजली चोरी या मीटर से छेड़छाड़ किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं होगी। विभाग को कई स्थानों पर ऐसे उदाहरण मिले हैं जहाँ लोग खंभों से अवैध कनेक्शन लेकर बिजली का दुरुपयोग कर रहे हैं। वाई-फाई कंपनियों या सीसीटीवी लगाने वाले जिन लोगों ने बिजली खंभों पर कब्जा कर रखा है, उनके विरुद्ध भी अभियान शुरू हो गया है। क्षेत्र में फैले अवैध तारों के जाल को पूरी तरह खत्म किया जाएगा। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की है और कहा है कि यदि किसी को बिजली विभाग से जुड़ी कोई समस्या है तो वे सीधे उनसे मिल सकते हैं। अभिषेक शर्मा की कार्यशैली उन्हें विशिष्ट बनाती है। जहां अधिकतर कर्मचारी शाम 5:30 बजे के बाद कार्यालय छोड़ देते हैं, वहीं वे स्वयं 6 से 7 बजे तक भी जनता से मिलते रहते हैं। इससे पहले वे मयूर विहार, करावल नगर, नंद नगरी, शंकर रोड और यमुना विहार जैसे क्षेत्रों में कार्य कर चुके हैं, जहां उनकी कार्यशैली से न केवल आम जनता संतुष्ट रही बल्कि विभाग को भी करोड़ों की वसूली में सफलता मिली।

पटाखा फैक्ट्री विस्फोट: झुलसने वाली महिलाओं में दो की हालत नाजुक

प्रात: किरण संवाददाता

रजबपुर। क्षेत्र के गांव अतरासी कलां स्थित पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाके में झुलसी दो अन्य महिलाओं की हालत भी फिलहाल नाजुक बनी है। दिल्ली के सफदरगंज स्थित बर्न सेंटर में उपचार के बीच दोनों की जिंदगी अभी खतरे में मानी जा रही है। वहीं, जिला अस्पताल में भर्ती युवक समेत घायल छह महिलाओं का हालत में थोड़ा बहुत सुधार हुआ है। डीएम निधि गुप्ता के निर्देश पर चिकित्सकों की टीम घायलों के उपचार में जुटी है। जानकारी के मुताबिक गांव अतरासी कलां में सोमवार दोपहर पटाखा फैक्ट्री में जबरदस्त विस्फोट हुआ था। इस भयावह हादसे में क्षेत्र के गांव पप्सरा निवासी रूमा और सर्वेश के अलावा रजबपुर की रहने वाली शहनाज और रुखसाना की दर्दनाक मौत हुई थी जबकि युवक समेत फैक्ट्री में मौजूद आठ अन्य महिलाएं बारूद की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गई थीं। धमाका इतना तेज था कि चारों महिलाओं के शवों के चीथड़े उड़ गए थे। धमाके से मचे हड़कंप के बीच शवों को पोस्टमार्टम को भेजते हुए झुलसी महिलाओं को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। चिकित्सकों ने नाजमीन और सोनिया की हालत चिंताजनक देखते हुए दोनों को दिल्ली के सफदरगंज स्थित बर्न सेंटर रेफर कर दिया। उपचार के बीच दोनों की हालत अभी गंभीर बनी है। चिकित्सकों ने अगले 72 घंटे अहम बताए हैं। वहीं, डीएम स्तर से गठित चार सदस्यीय कमेटी ने धमाके की जांच शुरू कर दी है। पहली कड़ी में पटाखा फैक्टी के लाइसेंस से जुड़ी फाइल तलब की गई है। ये देखा जा रहा है कि लाइसेंस हासिल करने के लिए हापुड़ के पटाखा कारोबारी सैफुर्रहमान ने जरूरी दस्तावेज और एनओसी हासिल की थी या नहीं, इसके अलावा मामले में मृतक महिलाओं के परिजनों की ओर से इस मामले में अभी कोई तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस ने कारोबारी के बेटे को हिरासत में लेकर फिलहाल थाने में बैठा रखा है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि मामले में गहनता के साथ जांच की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

गांधी नगर की गलियों में फैले अंधेरे पर लगी रोक

विधायक अर्विंदर सिंह लवली की पहल से शुरू हुआ एलईडी लाइट लगाने का कार्य

प्रात: किरण . मनोज जैन

शाहदरा जिले के गांधी नगर विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से कई गलियों और बाजारों में फैले अंधेरे से स्थानीय निवासी परेशान थे। चोरी, छेड़छाड़ और असुरक्षा जैसी घटनाओं में इजाफा देखा जा रहा था। क्षेत्रीय विधायक अर्विंदर सिंह लवली ने इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता दी और गलियों में एलईडी लाइट लगवाने का कार्य शुरू करवा दिया है। जनता में इस फैसले को लेकर उत्साह है और इसे एक साहसिक एवं जमीनी निर्णय माना जा रहा है। भारतीय चेतना मंच के महामंत्री सत्यवीर शर्मा ने बताया कि उन्होंने स्वयं विधायक से आग्रह किया था कि शांति मोहल्ला, गांधी नगर मार्केट जैसी व्यस्त और अंधेरे में डूबी जगहों पर रोशनी की व्यवस्था की जाए। विधायक जी ने इस मांग को स्वीकार करते हुए कार्यवाही प्रारंभ कर दी। इसी क्रम में रघुवर पूरा नंबर-2 की गली नंबर-1 में एलईडी लाइटें लगाई गईं और अन्य स्थानों पर भी कार्य प्रगति पर है। इससे क्षेत्र में रोशनी के साथ-साथ सुरक्षा का भी वातावरण सुदृढ़ होगा। इस कार्य की शुरूआत होते ही क्षेत्रीय नागरिकों झ सत्यवीर शर्मा, आदित्य मिश्रा, विवेक गुप्ता, परमिंदर बंसल, अमर झा, रणबीर सहित बड़ी संख्या में लोगों ने विधायक अर्विंदर सिंह लवली का धन्यवाद व्यक्त किया। जनता का कहना है कि लवली जी की कार्यशैली सिर्फ भाषण तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हर गली-मोहल्ले की समस्या को अपनी जिम्मेदारी समझते हैं और उसी गंभीरता से समाधान भी करते हैं। रोशनी की यह पहल अब गांधी नगर की पहचान बन रही है।

रक्षा मंत्री से देहात क्षेत्र में सैनिक स्कूल खोलने का किया अनुरोध

नई दिल्ली, । राजधानी के 360 गांवों के खाप नेता सुरेंद्र सोलंकी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर ग्रामीण क्षेत्र में एक सैनिक स्कूल स्थापित करने का अनुरोध किया है। साथ ही उन्होंने मंत्री को मास्टर प्लान 2041 को लागू करने की आवश्यकता से भी अवगत कराया। सोलंकी ने बताया कि उन्होंने मंत्री से विभिन्न योजनाओं के तहत आवंटित भूमि और भूखंडों के लिए स्वामित्व अधिकार प्रदान करने व लंबित आवंटन प्रक्रिया को तेज करने का अनुरोध किया। सशस्त्र बलों में भर्ती को फिर से खोलने का आग्रह किया।

साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों को स्मार्ट सिटी की तर्ज पर विकसित करने की भी बात की। सोलंकी ने मंत्री को बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लंबित कार्य और विकास की कमी के कारण यहां के निवासी इन क्षेत्रों में बड़ी मुश्किल से रहने को मजबूर हैं। दिल्ली में भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार है। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए मंत्री से मांग की।

जमीनी विवाद के चलते जमकर हुई मारपीट, वीडियो वायरल

प्रात: किरण संवाददाता

बछरायूं। थाना क्षेत्र के गांव भगवानपुर भूड में जमीनी विवाद के चलते दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। बताते चले कि थाना क्षेत्र के गांव भगवानपुर भूड में शमा परवीन का परिवार रहता है शमा परवीन ने बताया कि बीती 15 जून को गांव के दबंग लोगों ने उस पर व उसके परिवार पर जानलेवा हमला कर दिया आरोप है कि मामले में पुलिस ने भी कोई कार्यवाही नहीं की मंगलवार को पीड़िता ने घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

पारिवारिक कलह में युवक ने कीटनाशक खाकर जान दी

प्रात: किरण संवाददाता

हसनपुर। थाना सैदनगली क्षेत्र के गांव बेगपुर मुंडा निवासी 33 वर्षीय नेपाल पुत्र मान सिंह ने सोमवार को कीटनाशक खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे नगर के निजी चिकित्सक के यहां लेकर आए, जहां से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मुरादाबाद ले जाते समय शाम के वक्त नेपाल की मौत हो गई। परिवार में कोहराम मच गया। मामले की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। पुलिस के मुताबिक पारिवारिक कलह के चलते नेपाल ने कीटनाशक खाकर सुसाइड किया है। थाना अध्यक्ष दिनेश कुमार शर्मा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम को भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने का इंतजार किया जा रहा है। नेपाल के परिवार में पत्नी व एक बेटा है। नेपाल खेती किसानी कर परिवार की गुजर बसर कर रहा था।

एक साल की दीक्षि को रक्तदान कर साहिल ने पेश की मिसाल

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा।शहर निवासी एक साल की मासूम दीक्षि चौहान को जरूरत पड़ने पर रक्तदान कर परवाज फाउंडेशन के सचिव साहिल अशरफी ने सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल पेश की। शहर के जोया रोड पर एक निजी अस्पताल पहुंचकर फाउंडेशन के युवा पदाधिकारी ने जीवन में आठवीं बार रक्तदान किया। रक्तदान कर उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करना सभी का फर्ज है। फाउंडेशन के अध्यक्ष शाहरुख खान एडवोकेट ने कहा कि फाउंडेशन जरूरतमंदों के लिए ब्लड मुहैया कराने को हर समय तैयार है, ताकि लोगों की जान बचाई जा सके।

निरंकारी कॉलोनी में ग्रीष्मकालीन शिविर का हुआ भव्य समापन

शिविर समापन में विधायक राजकुमार भाटिया और निगम पार्षद नेहा अग्रवाल सहित कई क्षेत्रीय दिग्गज रहे मौजूद

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली: दिल्ली के निरंकारी कॉलोनी के गली नम्बर-3 के पार्क में समर्पण सेवा ट्रस्ट द्वारा एक माह तक चले ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार भाटिया, वार्ड नंबर-14 धीरपुर वार्ड की निगम पार्षद नेहा अग्रवाल एवं विशिष्ट अतिथि डॉक्टर प्रदीप अग्रवाल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता फाउंडर ट्रस्टी कुलभूषण शर्मा ने की। इस समापन समारोह का पूरा वित्तीय सहयोग ट्रस्टी सीमा शर्मा द्वारा वहन किया गया। एचकेएल स्पोर्ट्स फाउंडेशन के चेयरमैन देवांग शर्मा ने बच्चों को उपहार स्वरूप खेल की वस्तुएं भेंट की। शिविर में गंतव्य संस्थान के अध्यक्ष डॉक्टर अरविंद त्यागी का भरपूर मार्गदर्शन मिला। समर्पण सेवा ट्रस्ट के संरक्षक आचार्य चंद्र वल्लभ बुढ़ाकोटि ने समारोह का समापन किया। कार्यक्रम में फाउंडर ट्रस्टी कुलभूषण शर्मा, घनश्याम शर्मा, उमेश कुमार, यशोदा वरदान, आलोक दुबे, धर्मेंद्र अत्री, प्रवीण अरोड़ा भी मौजूद रहे। इस दौरान बच्चों ने रंगारंग कार्यक्रम, डांस, गीत और नाट्य प्रस्तुत किया। फाउंडर ट्रस्टी कुलभूषण शर्मा ने अपने भाषण में वालंटियर्स निहारिका, एडवोकेट स्वाति गोहित, मनीष, महिपाल, शारदा शर्मा, लावण्या, मानवी त्यागी, ज्योति, इंदु सैनी एवं दिनेश त्यागी का विशेष धन्यवाद किया। इस मौके पर विधायक राजकुमार भाटिया ने कहा कि सशक्त समाज की बच्चे नींव है।इसलिए इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित होते रहने चाहिए। उन्होंने वालंटियर्स को प्रशस्ति पत्र देकर उनका मनोबल भी बढ़ाया। इस दौरान पार्षद नेहा अग्रवाल ने अपने स्नेह के साथ बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। पार्षद नेहा अग्रवाल ने वालंटियर्स और बच्चों को अपनी तरफ से उनका मनोबल ऊंचा करने के लिए पुरस्कार भी दिए। पैरामेडिकल बोर्ड के चेयरमैन डॉक्टर प्रदीप अग्रवाल ने बच्चों को उज्जवल भविष्य की कामना की और स्नेहिल आशीर्वाद दिया। इस मौके पर कई गणमान्य लोगों ने भी विचार रखें।

वासीपुर में हुआ आजाद समाज पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन

धनौरा/कुआँ खेड़ा। धनौरा विधान सभा क्षेत्र के गांव बासीपुर में आजाद समाज पार्टी का कार्यकर्ता सम्मेलन हुआ जिसमें क्षेत्र के दर्जनों लोगों ने आजाद समाज पार्टी की सदस्यता ली। मुख्य अतिथि आजाद समाज पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री एवं मुख्य मंडल प्रभारी पुष्पेंद्र राणा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जिस मिशन को हमारे महापुरुषों ने आगे बढ़ाया बाबा साहब डा० भीमराव अंबेडकर जी ने आगे बढ़ाया मान्यवर काशीराम जी ने आगे बढ़ाया आज उसी मूमेंट को आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष भाई चंद्रशेखर आजाद जी आगे बढ़ा रहे है हम सबको संगठित होकर इस मिशन को आगे बढ़ाते हुए भाई चंद्रशेखर आजाद जी का साथ देना है तथा 2027 के चुनाव में भारी संख्या में अपने प्रत्याशी जिताने है। आज भाई चंद्रशेखर जी गरीबों दलितों मजलूमों सताए गए पीड़ित लोगों के लिए संघर्ष कर रहे है। हम सबको उनका मजबूती से साथ देना है।भाई को कितनी ही यातनाएं दी गई लेकिन उन्होंने उनकी परवाह नहीं की वे लगातार देश एवं प्रदेश के लोगों के लिए संघर्ष करते रहे । हम सबको मजबूती के साथ चंद्रशेखर आजाद जी के साथ जुड़कर आजाद समाज पार्टी को मजबूत बनाना है। ताकि 2027 के चुनाव में प्रदेश में आजाद समाज पार्टी की सरकार बने। कार्यक्रम में गदूपाल के प्रधान चौधरी कमल सिंह ने अपने दर्जनों साथियों के साथ आजाद समाज पार्टी की सदस्यता ली अंबेडकर युवक संघ बासीपुर ने अतिथियों का नीली पगड़ी पहनाकर सम्मान किया इस अवसर पर मुख्य मंडल प्रभारी पुष्पेंद्र राणा, जिलाध्यक्ष मनोज कुमार, शेर सिंह बौद्ध, चौधरी महेंद्र सिंह, डा० अशफाक हुसैन सैफी, विकेश कुमार, प्रशांत फोदापुरिया, सुनील कुमार, डॉ० आई खान, माशूक अली, चौधरी कमल सिंह, चौधरी यशवीर सिंह, समरपाल सिंह, अमर सिंह, समरपाल सिंह, कृपाल सिंह, डा० ब्रम्हानंद सागर, सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, बुधवार, 18 जून, 2025

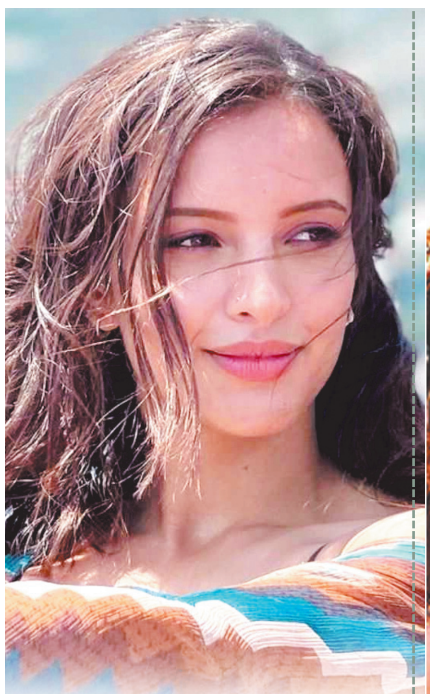

ठंडे बस्ते में गई तृप्ति डिमरी की फिल्म

हीरोइन नंबर वन बनने को बेकरार अभिनेत्री तृप्ति डिमरी की मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार फहाद फासिल के साथ प्रस्तावित निर्देशक इम्तियाज अली की फिल्म अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गई है। ये फिल्म रिलायंस एंटरटेनमेंट के साथ बनी इम्तियाज की साझा कंपनी विंडो सीट फिल्म्स के बैनर तले बननी है, लेकिन रिलायंस के सूत्र बताते हैं कि इस फिल्म के लिए अभी तक बजट मंजूर नहीं हुआ है। जानकारी के मुताबिक फहाद फासिल ने भी फिल्म के लिए आवंटित तारीखें अब दूसरी फिल्मों को दे दी हैं।

फिल्म 'एनिमल' में दिए दृश्यों और फिल्म में मिले उपनाम भाभी 2 को लेकर सोशल मीडिया पर खूब ट्रेंडिंग रहीं अभिनेत्री तृप्ति डिमरी का करियर इन दिनों नई उड़ान पर है। हालांकि, इस फिल्म के बाद आई उनकी दो फिल्में 'बैड न्यूज' और 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' फ्लॉप रहीं, लेकिन फिल्म 'भूल भुलैया 3' ने उनकी पोजीशन फिर संभाल ली है। इस फिल्म के बाद से ही तृप्ति की मांग काफी बढ़ चुकी है। इस साल की उनकी पहली फिल्म 'धड़क 2' अब जल्द रिलीज होने वाली है।

तृप्ति डिमरी की इस साल की पहली फिल्म की रिलीज जैसे जैसे करीब आती जा रही है, उनको अपनी फिल्मों में लेने वाले निर्माता-निर्देशकों की सांसें तेज होती जा रही है। 1 अगस्त को रिलीज होने जा रही तृप्ति की फिल्म 'धड़क 2' में उनके हीरो सिद्धांत चतुर्वेदी की सिनेमाघरों में सोलो लीड वाली ये दूसरी फिल्म होगी। सिद्धांत का जैसा हाल बॉक्स ऑफिस पर रहा है, उससे खुद तृप्ति की भी रातों की नींद उड़ी हुई है। सिद्धांत की पिछली फिल्म 'युधरा' रिलीज के पहले दिन ही फ्लॉप घोषित हो गई थी।

तृप्ति डिमरी हाल ही में दीपिका पादुकोण द्वारा छोड़ी गई फिल्म 'स्पिरिट' के लिए अभिनेता प्रभास के साथ साइन होने के बाद से सुर्खियों में हैं। दीपिका ने ये फिल्म काम के घंटे तय न होने के चलते छोड़ी है। तृप्ति के पास 'स्पिरिट' के ही निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'एनिमल पार्क' भी है, जिसमें वह फिल्म 'एनिमल' का अपना किरदार आगे बढ़ाती नजर आएंगी। इतनी उथल पुथल के बीच हालांकि इम्तियाज अली वाली फिल्म की शूटिंग शुरू न हो पाने का सीधा असर तृप्ति की दूसरी फिल्मों पर भी जरूर पड़ेगा। इस बारे में संपर्क किए जाने पर विंडो सीट फिल्म्स से अब तक किसी तरह का अपडेट हासिल नहीं हुआ है।

सबसे मुश्किल लेकिन खास रहा एक दीवाने की दीवानियत की शूटिंग का अनुभव

एक्ट्रेस सोनम बाजवा ने फिल्म एक दीवाने की दीवानियत की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने कहा है कि यह फिल्म उनके लिए अब तक की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक रही है। सोनम ने फोटो शेयरिंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों में वह अपने को-स्टार हर्षवर्धन राणे के साथ सेट पर नजर आ रही हैं और कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। इसके अलावा, उन्होंने डायरेक्टर मिलाप जावेरी के साथ कुछ बीटीएस पलों को भी शेयर किया।

उन्होंने लिखा, यकीन नहीं हो रहा कि मैं यह लिख रही हूं कि एक दीवाने की दीवानियत की शूटिंग पूरी हो गई है। यह मेरी अब तक की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक रही, लेकिन इसका अनुभव बहुत ही खास रहा। अपने पोस्ट में सोनम ने आगे कहा, मैं उन सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहती हूं जो इस सफर का हिस्सा रहे। आप सभी के बिना यह मुमकिन नहीं था। बता दें कि सोनम से पहले हर्षवर्धन राणे ने चंडीगढ़ में फिल्म की शूटिंग पूरी करने का जश्न मनाया था। उन्होंने टीम के साथ मिलकर जमकर आतिशबाजी की थी। हर्षवर्धन ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में खास पल की झलक दिखाते हुए एक वीडियो पोस्ट की थी, जिसमें वह अपनी टीम के साथ नजर आए। वीडियो में आतिशबाजी, हार्ट शेप गुब्बारे और गोल्डन कलर का बोर्ड दिखाई दिया, जिस पर लिखा था- एक दीवाने की दीवानियत की शूटिंग पूरी हुई। इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा, रैपअप एक दीवाने की दीवानियत... इस फिल्म पर काम करने वाले सभी दीवानों और दीवानियों का धन्यवाद। यह सब आपके बिना संभव नहीं था। यकीन नहीं हो रहा। बता दें कि पहले फिल्म का नाम सिर्फ दीवानियत था, बाद में इसका नाम बदलकर एक दीवाने की दीवानियत रख दिया गया है। इसके पीछे मेकर्स ने कारण बताया कि पुराना टाइटल फिल्म की कहानी और उसके नए अंदाज से मेल नहीं खा रहा था, इसलिए फिल्म का नाम बदला गया। फिल्म के निर्माण की जिम्मेदारी पहले वाली कंपनी विकिर फिल्म्स से हटकर एक नई कंपनी प्ले डीएमएफ के हाथों में आई, जिसकी अगुवाई अंशुल गर्ग ने की। यह फिल्म मिलाप जावेरी ने डायरेक्ट की है और राघव शर्मा इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कृतिका कामरा को अनुषा की फिल्म में काम करना क्यों लगा खास?

मशहूर एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने दिल्ली में अनुषा रिजवी की आने वाली फिल्म की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म में जूही बब्बर, श्रेया धनवंतरी और कई अनुभवी महिला कलाकार शामिल हैं। इसको लेकर एक्ट्रेस ने कहा कि ऐसा सेट उनके लिए बेहद खास होता है, जहां सिर्फ महिलाएं कैमरे के सामने ही नहीं, बल्कि पीछे भी काम कर रही होती हैं।

कृतिका ने कहा, यह बहुत खास बात है जब आप ऐसे सेट पर होते हैं, जहां महिलाएं सिर्फ कैमरे के सामने ही नहीं होतीं, बल्कि हर जगह, जैसे निर्देशन, प्रोडक्शन, कॉस्ट्यूम डिजाइन में भी शामिल होती हैं। अनुषा रिजवी के साथ काम करना वाकई एक उपहार जैसा था। एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने पिछले कुछ सालों में कैमरे के सामने और पीछे कई अद्भुत महिला कलाकारों के साथ काम किया है।

उन्होंने आगे कहा, इस फिल्म के साथ, अनुषा एक बहुत ही मजबूत सोच लेकर आई हैं और एक ऐसा माहौल बनाया है, जहां सब मिलकर काम कर सकते हैं। जब इतनी ताकतवर महिलाएं एक साथ आती हैं, तो एक खास ऊर्जा पैदा होने लगती है जो सभी को प्रेरित करती है, संभालती है और बहुत कुछ सिखाती है। हम सिर्फ कहानी नहीं बता रहे, बल्कि अपनी असली जिंदगी के अनुभव भी एक-दूसरे के साथ बांट रहे हैं, एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं और एक-दूसरे को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा, यह कुछ ऐसा है जो मैंने हमेशा महिलाओं के साथ काम करते हुए महसूस किया है। मुझे बहुत खुशी होती है कि मैं ऐसे खास काम का हिस्सा बन पाई हूं।

बता दें कि अनुषा रिजवी की फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं किया गया है। इसकी शूटिंग दिल्ली के कई खास जगहों पर की गई है और अब यह फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन में है। कृतिका के पास एक और प्रोजेक्ट है, जिसका नाम है मटका किंग, इसमें उनके साथ विजय वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। वेब सीरीज मटका किंग को नागराज मंजुले ने निर्देशित किया है, जिन्होंने सैराट और फ्रैंड्री जैसी फिल्में बनाई हैं।

मां के सहारे नहीं, बल्कि खुद के बल पर पहचान बनाना चाहता हूं

वेटरन एक्ट्रेस रति अग्निहोत्री के बेटे तनुज विरवानी वेब सीरीज की दुनिया में खास जगह बना चुके हैं। जल्द ही वे राणा नायडू 2 में दिखेंगे। उनसे हुई खास बातचीत...

2 राणा नायडू के दूसरे सीजन से जुड़ने की वजह क्या रही?

मैं इस शो से इसलिए जुड़ा क्योंकि शो रनर करण अंशुमन के साथ मेरी अच्छी ट्यूनिंग है। हमने इनसाइड एज के तीन सीजन साथ किए हैं। जब उन्होंने इस शो के सीजन 2 पर काम शुरू किया, तो मुझसे एक खास रोल के लिए बात की। पहला सीजन पसंद था, इसलिए तुरंत हां कह दिया।

पिछले काम से कुछ अलग करने के लिए क्या नया किया?

इसमें मैं सपोर्टिंग किरदार में हूं। यहां राणा और वेंकटेश सर दोनों हैं, तो मुझे एक्सपेरिमेंट करने का बड़ा मौका मिला। मैंने कोशिश की है कि मेरे डायलॉग्स का अंदाज थोड़ा अलग हो। मैंने डायरेक्टर्स के साथ डिस्कस किया कि मुझे यह किरदार कैसा लगता है। फिर मैंने इसमें साउथ बॉम्बे वाला लहजा शामिल करके इस किरदार को प्रेजेंट किया है।

आपका एफर्ट क्या रहता है लीडिंग रोल्स को चुनने का?

शुरुआत में लगा था हीरो ही बनना है, लेकिन अब समझ आया कि अच्छा रोल कहीं भी हो, मायने रखता है। फिल्में नहीं चलीं तो नजरिया बदला। अब प्रोजेक्ट देखकर काम करता हूं। चाहे फिल्म हो या सीरीज। जैसे आगे जॉनी जम्पर और वेब सीरीज में भी लीड रोल में हूं। तो मैं अभी प्रोजेक्ट के हिसाब से देखता हूं कि को-स्टार्स और मेरा रोल कैसा है।

स्टार किड टैग आपके मामले में स्ट्रॉन्गली क्यों नहीं दिखता?

मैं खुश हूं कि लोग मुझे स्टार किड टैग से नहीं पहचानते। इंडस्ट्री में टिकने के लिए काम जरूरी है। चाहे छोटा हो या बड़ा। रणबीर-रणवीर जैसे रोल न मिलें तो भी रुकना नहीं चाहिए। मेरी मां (रति अग्निहोत्री) का दौर अलग था। मैंने पहले से ही फैसला कर लिया था कि उनके सहारे नहीं बल्कि खुद की एक पहचान बनाऊंगा।

इम्तियाज अली की एक और फिल्म में दिलजीत दोसांझ की एंट्री

अभिनेता दिलजीत दोसांझ बीते वर्ष फिल्म अमर सिंह चमकीला मे नजर आए। फिल्म का निर्देशन इम्तियाज अली ने किया। इस फिल्म को खूब लोकप्रियता मिली। अब इम्तियाज की अगली फिल्म में भी दिलजीत की एंट्री हो गई है। चमकीला जहां ओटीटी पर रिलीज हुई थी, वहीं इस बार फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

अगले साल सिनेमाघरों में होगी रिलीज

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक इम्तियाज अली की अगली फिल्म की शूटिंग अगस्त 2025 में शुरू होगी। यह फिल्म अगले साल यानी 2026 में बैसाखी के अवसर पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिलजीत के अलावा इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, वेदांग रैना और शरवरी जैसे सितारे नजर आएंगे। फिल्म के संगीत को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी ए.आर. रहमान और इरशाद कामिल पर है। फिल्म का टाइटल अभी तय नहीं हुआ है। फिल्म पर उत्साह जताते हुए इम्तियाज अली ने कवि मोमिन खां मोमिन की इन पक्तियों का जिक्र किया, तुम मेरे पास होते हो गोया, जब कोई दूसरा नहीं होता।

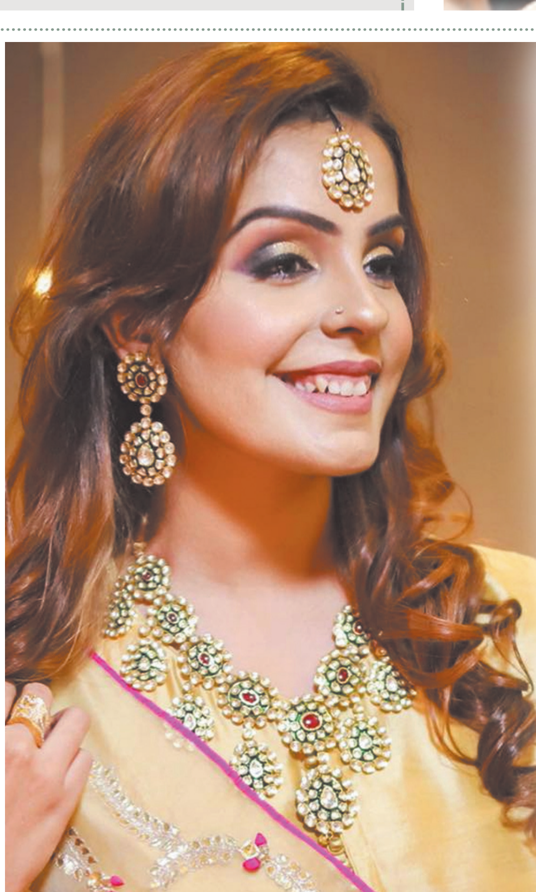

पंजाबी गाने अब पूरी दुनिया में ट्रेंड करते हैं

सिंगर सिमर कौर हाउसफुल 5 को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने फिल्म का गाना लाल परी गाया है। ये गाना सोशल मीडिया पर काफी ट्रेंड कर रहा है।

यह गाना बना कैसे?

जब हम लोग यह गाना बना रहे थे तब किसी भी और गाने की तरह हमने इसे लिखना शुरू किया। इस गाने को बनाते वक्त हमें एक बार में ही पता चल गया था कि यह पब्लिक को अच्छा लगेगा। क्योंकि इसकी वाइब्स बहुत पॉजिटिव हैं।

आपको यो यो हनी सिंह के साथ कोलैब करके कैसा लगा?

हनी सिंह के साथ काम करने का अनुभव काफी मजेदार रहा। वे उन चुनिंदा कंपोजर्स में से एक हैं, जो अपने सिंगर पर किसी तरह का कोई दबाव नहीं बनाते। उन्होंने हमेशा जैसे हम चाहते हैं वैसे गाने की छूट दी है। कभी-कभी वो सिंगर को सहज महसूस कराने के लिए खुद स्टूडियो से बाहर चले जाते हैं। उनकी एक खास बात ये भी है कि उन्हें हमेशा पता होता है कि उन्हें क्या चाहिए। जो वो हमें पहले से ही समझा देते हैं, जिसकी वजह से हमारे लिए उनके साथ काम करना और भी आसान हो जाता है।

लाल परी की सफलता के बाद कैसा महसूस हुआ?

इस गाने की सफलता से मैं बहुत खुश हूं और ज्यादा से ज्यादा काम करने के लिए प्रेरित भी हूं। चाहती हूं कि मैं आगे चलकर इस तरह के और गाने गा सकूं। लोगों को यह गाना काफी पसंद आया है। इसके अलावा मुझे फैंस के और मेरे करीबी लोगों के भी काफी कॉल व मैसेज आए।

आपके हिसाब से पंजाबी गाने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में क्या अहमियत रखते हैं?

मेरे हिसाब से पंजाबी गाने पहले केवल एक स्टेट या चुनिंदा ऑडियंस तक सीमित थे, लेकिन आज के समय में यह एक नया ट्रेंड सेट करते जा रहे हैं। दिलजीत दोसांझ, हनी सिंह और करण आहूजा जैसे कई पंजाबी सिंगर्स को इसका श्रेय दिया जा सकता है।

डॉन 3 से बाहर हुई कियारा आडवाणी

रणवीर सिंह की फिल्म डॉन 3 में कियारा आडवाणी के बाहर होने के बाद अब कृति सेनन के शामिल होने की चर्चा जोरों पर है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्हें लेडी डॉन कहकर बुलाया जा रहा है। एक खबर के मुताबिक, कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंसी की वजह से फिल्म डॉन 3 छोड़ दी है।

अब सोशल मीडिया पर कृति सेनन को लेडी डॉन कहे जाने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें पैपराजी कृति की तस्वीरें लेते हुए उन्हें लेडी डॉन कहकर बुलाते हैं, जिस पर कृति मुस्कुरा देती हैं। इस रिएक्शन ने फैंस को यकीन दिलाया कि कृति फिल्म में हो सकती हैं। इस साल मई में कृति को फरहान अख्तर के मुंबई ऑफिस के बाहर देखा गया था, जिससे अफवाहों को और हवा मिली। हालांकि, अभी तक फिल्ममेकर्स की तरफ से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि क्या कृति वाकई डॉन 3 में लेडी डॉन का किरदार निभाएंगी।

मोबाइल के कारोबार में उतरेगा अमेरिकी राष्ट्रपति का परिवार

- **ट्रंप ब्रांड को भुनाने की एक और कोशिश**

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का परिवार अब मोबाइल फोन निर्माण के नए कारोबार में उतरेगा। इसका नाम ट्रंप मोबाइल होगा। यह कदम तब उठाया गया है जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के राष्ट्रपति जैसे सर्वोच्च सांविधानिक पद पर हैं। उनकी इस बात को लेकर आलोचना हो रही है कि वे अपनी निजी व्यावसायिक हितों के लिए सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित कर सकते हैं। इसे ट्रंप ब्रांड की लोकप्रियता को भुनाने की एक और कोशिश करार दिया जा रहा है। ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के कार्यकारी उपाध्यक्ष और डोनाल्ड ट्रंप के बेटे एरिक ट्रंप ने कहा कि ट्रंप मोबाइल अमेरिका में

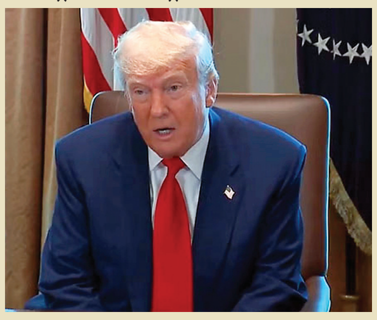

निर्मित फोन बेचेगा और देश में ही एक कॉल सेंटर संचालित करेगा।

इस नई मोबाइल फोन और सेवा को टी1 मोबाइल नाम दिया गया है। इसकी घोषणा मध्य पूर्व में कई रियल एस्टेट सौदों के बाद हुई है, जिसमें कतर में एक गोल्फ परियोजना भी शामिल है। पिछले महीने उनके परिवार ने वियतनाम में गोल्फ कोर्स, होटल और रियल एस्टेट परियोजनाओं के लिए 1.5 बिलियन डॉलर का साझेदारी समझौते को मंजूरी दी थी। हालांकि, इन सौदों की शुरुआत ट्रंप के निर्वाचन से पहले हो गई थी। व्यवसायों में ट्रंप के नाम से जुड़ाव पर अमेरिका के व्यापारिक और राजनीतिक हलकों में विवादों का नया दौर शुरू हो गया है। गौरतलब है कि मोबाइल फोन कंपनियों की नियामक संस्था फेडरल कम्युनिकेशंस कमीशन ने उन मीडिया संस्थानों की जांच शुरू की है, जिन्हें ट्रंप नापसंद करते हैं।

अन्न भंडारण में 20 लाख टन की अतिरिक्त क्षमता हासिल

- **तीन साल तक के लिए किया जा सकता है भंडार**

नई दिल्ली, एजेंसी। अन्न भंडारण सुविधाओं को आधुनिक बनाने के लिए केंद्र सरकार ने पिछले 11 वर्षों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत देशभर में कुल 19.5 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो यानी भंडारगृह बनाए हैं। इन आधुनिक भंडारगृह की मदद से भंडारण तीन साल तक के लिए किया जा सकता है। पूरी तरह से स्वचालित और आधुनिक सुविधाओं से लैस भंडारगृहों ने अन्नों की बर्बादी को भी कम किया है।

केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, 40 लाख टन क्षमता वाले स्टील साइलो का निर्माण कार्य चल रहा है, जबकि 25 लाख टन क्षमता के लिए निविदा की प्रक्रिया जारी है। इस पीपीपी मॉडल के तहत लीप एग्री लॉजिस्टिक्स (बड़ौदा) प्राइवेट लि. ने भी केंद्र सरकार की ओर से 50,000 टन गेहूं के भंडारण के लिए स्टील साइलो परियोजना स्थापित की है। केंद्र सरकार के प्रयासों के तहत भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) पीपीपी मॉडल में स्टील साइलो का निर्माण कर रहा है, ताकि खाद्यान्न को लंबे समय तक सुरक्षित रखा

चीन-अमेरिका की लड़ाई में भारत की लगी लॉटरी!

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और चीन के बीच में चल रहा ट्रेड वॉर भारत के लिए अच्छी खबर लेकर आया है। भारत के व्यापार में मई 2025 में कुछ अच्छे बदलाव देखने को मिले हैं। कॉमर्स मिनिस्ट्री के अनुसार, मई में भारत का कुल निर्यात 71.12 अरब डॉलर रहा। यह पिछले साल के मुकाबले 2.77 फीसदी ज्यादा है। पिछले साल मई में यह आंकड़ा 69.20 अरब डॉलर था। इससे व्यापार घाटा भी कम हुआ। मई में व्यापार घाटा कम होकर 6.62 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल यह 9.35 अरब डॉलर था। वहीं बात अगर अमेरिका के साथ निर्यात की करें तो यहां भारत ने चीन को पीछे छोड़ दिया है। चीन से अमेरिका को होने वाला निर्यात मई 2025 में 34.5 प्रतिशत गिर गया। वहीं अमेरिका को भारत का निर्यात

17.3 प्रतिशत बढ़ गया है। हालांकि पूरी दुनिया के मामले में चीन के एक्सपोर्ट में कुछ तेजी आई है। चीन का कुल एक्सपोर्ट थोड़ा सा बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गया और यह 316.2 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया।

स्वामीनॉमिक्स = अमेरिका के साथ चीन की तरह सख्ती दिखाए भारत, ट्रेड डील में ट्रंप पर ऐसे दबाव बनाकर करे सौदेबाजी

भारत समेत दूसरे देशों से बढ़ाया निर्यात

अमेरिका के साथ निर्यात में आई गिरावट की कमी को पूरा करने के लिए चीन ने दूसरे देशों के साथ नजदीकी बढ़ानी शुरू कर दी है। चीन ने यूरोपियन यूनियन, आसियान और भारत को निर्यात बढ़ा दिया है। अकेले भारत को होने वाला निर्यात 12.4 प्रतिशत बढ़कर 11.13 अरब डॉलर हो गया है। इससे डंपिंग का खतरा बढ़ गया है। डंपिंग का मतलब है कि कोई देश अपने सामान को दूसरे देश में सस्ते दामों पर बेचता है।

ट्रेड वॉर का मिला फायदा- अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ रहा है। टैरिफ को लेकर बातचीत ट्रेड वॉर का एक अहम मुद्दा है।

आयात में आई कमी

अब बात अगर आयात की करें तो यह थोड़ा सा घटकर 60.6 अरब डॉलर हो गया है। लेकिन, बिना तेल और बिना सोने का आयात 12 प्रतिशत बढ़कर 41.2 अरब डॉलर हो गया है। जीएसटी डेटा से भी यह पता चलता है। आयात पर ढ्ढत्रस्ञ्ज कलेक्शन 72.9 प्रतिशत बढ़ गया है। यह मई 2024 में 24,510 करोड़ रुपये था, जो इस साल बढ़कर 42,370 करोड़ रुपये हो गया है। दो सेक्टर में सबसे ज्यादा बदलाव दिखा। इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात 27.5 प्रतिशत बढ़कर 9.1 अरब डॉलर हो गया। मशीनरी और कंप्यूटर का आयात 22 प्रतिशत बढ़कर 5 अरब डॉलर हो गया। भारत का चीन और हांगकांग से होने वाला आयात 22.4 प्रतिशत बढ़कर 12 अरब डॉलर हो गया।

गिरावट के बावजूद यात्री वाहनों की दूसरी बार रिकॉर्ड बिक्री

मई में सभी श्रेणी के कुल 2012969 वाहन बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू बाजार में यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री मई, 2025 में सालाना आधार पर 0.8 फीसदी घटकर 3,44,656 इकाई रह गई।इस गिरावट के बावजूद यात्री वाहनों की बिक्री मई में अब तक दूसरी बार सबसे ज्यादा रही।एक साल पहले की समान अवधि में 3,47,492 पीवी बिके थे। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने सभी श्रेणी के कुल 20,12,969 वाहन बिके।यह मई, 2024 में बिके

19,76,674 वाहनों से 1.8 फीसदी अधिक है। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा, रेपो दर में फरवरी से अब तक एक फीसदी की कटौती और सामान्य से अधिक मानसून से वाहन क्षेत्र पर सकारात्मक असर पड़ेगा।

पीवी की घरेलू बिक्री में मारुति शीर्ष पर- यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री में मारुति सुजुकी इंडिया सबसे आगे रही।कंपनी ने मई में कुल 1,35,962 यात्री वाहन बेचे।महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एक साल पहले के 43,218 की तुलना में 52,431 यात्री वाहन बेचे।

अब घटकर 10 प्रतिशत हो जाएगा टैरिफ, टाटा के शेयर को बेचने की होड़

मुंबई। टाटा समूह की कंपनी टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयर आज मंगलवार, 17 जून को एक बार चर्चा में हैं। दरअसल, ब्रिटेन और अमेरिका ने कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान एक ट्रेड डील पर हस्ताक्षर किए। डील की रूपरेखा के अनुसार, इस महीने के अंत से यूके ऑटो निर्यात में 1,00,000 वाहनों के सालाना कोटे पर यूएस टैरिफ 27.5 प्रतिशत से घटकर 10 प्रतिशत हो जाएगा। कंपनी के शेयर आज शुरुआती कारोबार में 2 प्रतिशत तक टूटकर 677 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे।

क्या है डिटेल- बता दें कि 25 प्रतिशत टैरिफ के बिना यूके से यूएस में प्रवेश करने वाले अन्य प्रोडक्ट्स की सूची बाद में तय की जाएगी। ऑटो टैरिफ लगाए जाने से पहले, यात्री वाहनों पर मानक यूएस आयात शुल्क 2.5 प्रतिशत था। इसका मतलब

है कि नई टैरिफ दर पारस्परिक टैरिफ से कम होगी, लेकिन वे पहले की मानक दर से अधिक होगी। मंगलवार को निफ्टी 50 इंडेक्स पर यह शेयर सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में से एक था, क्योंकि इसकी यूके इकाई जगुआर लैंड रोवर ने चालू वित्त वर्ष के लिए कम मार्गदर्शन जारी किया था।

अंडमान में हो सकता है 2 लाख करोड़ लीटर कच्चे तेल का भंडार

5 गुना बढ़ जाएगी भारत की जीडीपी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने सोमवार को कहा कि अंडमान सागर में कच्चे तेल और गैस का यह बड़ा भंडार दिखा है। यहां खनन से अच्छे संकेत मिल रहे हैं और भारत को अंडमान सागर में करीब दो लाख करोड़ लीटर कच्चे तेल का भंडार मिल सकता है।

भारत की जीडीपी करीब पांच गुना तक बढ़ेगी- उन्होंने कहा कि अगर यह अनुमान सही निकला तो इससे भारत की जीडीपी करीब पांच गुना तक बढ़ सकती है। यह पेट्रोलियम भंडार हाल ही में गुयाना में मिले (11.6 अरब बैरल) कच्चे तेल के रिजर्व जितना हो सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। अंडमान में तेल की खोज इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अगर यह प्रयास सफल होता है, तो भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में एक नई पहचान मिलेगी।

हमारी एनर्जी की जरूरतें एक झटके में होंगी पूरी- माना जा रहा है कि इसके मिलने के बाद हमारी एनर्जी की जरूरतें एक झटके में पूरी हो जाएंगी। अगर अंडमान में खोज सफल होती है, तो भारत ऑयल इंपोर्ट्स को काफी हद तक कम कर सकता है और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकता है।

होर्मुज का रास्ता बंद होने से महंगे पड़ेंगे तेल व गैस- ईरान और इजरायल के बीच युद्ध भारत के लिए भी नुकसानदायक है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि युद्ध के कारण, भारत पर आर्थिक संकट का खतरा बढ़ रहा है। खासकर होर्मुज जलडमरुमध्य को लेकर चिंताएं हैं।

दोनों देशों से व्यापारिक रिश्ते

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का माल निर्यात किया और 44.19 करोड़ डॉलर का आयात किया। वहीं, इजरायल के साथ 2.15 अरब डॉलर का निर्यात और 1.61 अरब डॉलर का आयात किया है।

होर्मुज जलडमरूमध्य

होर्मुज जलडमरूमध्य ओमान और ईरान के बीच स्थित है, जो खाड़ी के देशों (इराक, कुवैत, सऊदी अरब, बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात) से समुद्री मार्ग को अरब सागर और उससे आगे तक जोड़ता है। यह जलडमरूमध्य अपने सबसे संकरे बिंदु पर केवल 33 किमी चौड़ा है। यहां प्रतिदिन लगभग दो करोड़ बैरल तेल और तेल उत्पाद जहाजों पर लादे जाते हैं।

नीट में मोशन के स्टूडेंट्स को मिली शानदार सफलता 7 विद्यार्थियों ने बनाई टॉप 100 में जगह

कोटा, एजेंसी। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से देशभर के मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए होने वाली नेशनल एलिजिबिलिटी कम इंट्रेस टेस्ट (नीट-यूजी)-2025 के नतीजों में मोशन एजुकेशन के स्टूडेंट्स ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए कामयाबी का परचम लहराया है।

मोशन के सात स्टूडेंट्स ने टॉप 100 केटेगिरी रैंक में जगह बनाई है।

मोशन एजुकेशन के फाउंडर और सीईओ नितिन विजय ने बताया कि एनटीए का सर्वर डाउन चलने के कारण रिजल्ट कम्पाइल करने में देरी हो रही है। शनिवार शाम तक मिले परिणाम के मुताबिक इस बार नीट एग्जाम में मोशन के स्टूडेंट केशव मित्तल ने ऑल इंडिया रैंक (एआईआर) 7 हासिल की है।

बस 15 लाख की थी जरूरत...

लोन लेकर दो भाइयों ने इस पैसे से बना दिया 300 करोड़ का ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। रजत जैन और मोहित जैन ने अपनी मेहनत और लगन से जबरदस्त कामयाबी हासिल की है। वे किमीरिका वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक हैं। साल 2012 में दोनों भाइयों ने 15 लाख रुपये के लोन से इस कॉस्मेटिक ब्रांड को शुरू किया था। महज 10 साल बाद ही यह ब्रांड 100 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक पहुंच गया। अब इसका टर्नओवर करीब 300 करोड़ रुपये है। रजत जैन और मोहित जैन इंदौर के रहने वाले हैं। 2022 में उन्होंने पता नाम से एक ऐप भी बनाया। यह ऐप लंबे और कठिन एड्रेस को छोटे और आसान कोड में बदल देता है। कम जानकारी होने के बावजूद दोनों भाइयों ने कॉस्मेटिक और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में अपनी अलग जगह बनाई है। आइए, यहां रजत जैन और मोहित जैन की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। रजत जैन और मोहित जैन दो भाई हैं। वे मध्यमवर्गीय परिवार से आते हैं।

आयात घटने से व्यापार घाटा कम होकर 21.88 अरब डॉलर

इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान-इस्राइल तनाव, अन्य वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के कारण भारत से निर्यात में लगातार दो महीने तक बढ़ोतरी के बाद फिर गिरावट आई है। देश से वस्तुओं का निर्यात मई, 2025 में सालाना आधार पर 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 39.59 अरब डॉलर था। आयात घटने से व्यापार घाटा मई, 2024 के 22.51 अरब डॉलर से कम होकर 21.88 अरब डॉलर रह गया।

उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया। यह आंकड़ा मई, 2024 के 61.68 अरब डॉलर की तुलना में 1.7 फीसदी कम है। कच्चे तेल और सोने का आयात घटने से यह गिरावट आई है। इस दौरान देश से 32.39 अरब

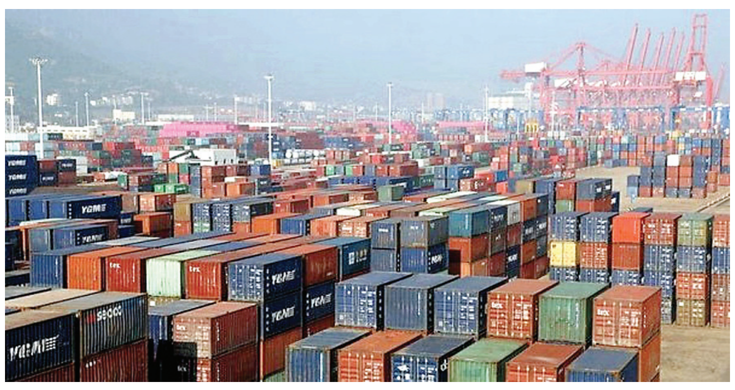

डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया गया, जबकि आयात 17.14 अरब डॉलर रहा।वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर कुल निर्यात 71.12 अरब डॉलर पहुंच गया।

इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात 54 फीसदी बढ़ा- इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात मई में 54.1 फीसदी बढ़कर 45.7 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 30.32 फीसदी घटकर 5.6 अरब डॉलर रहा। चावल, लौह अयस्क, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और कपड़ों की कुछ श्रेणियों के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई। चाय, कॉफी, मसाले, सभी प्रकार के वस्त्र, रसायन, समुद्री उत्पाद और फार्मा के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली।

क्रूड-सोने का आयात 26.14 फीसदी तक घटा

मई में कच्चे तेल का आयात 26.14 फीसदी घटकर 14.75 अरब डॉलर रह गया। इस दौरान 2.5 अरब डॉलर का सोना आयात किया गया, जो सालाना आधार पर 12.6 फीसदी की कमी दर्शाता है।

अमेरिका और चीन को 25 प्रतिशत तक बढ़ा निर्यात

भारत से मई में जिन देशों को निर्यात बढ़ा, उनमें अमेरिका, चीन, सिंगापुर, बेल्जियम, रूस और जर्मनी शामिल हैं।ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया और मॉरीशस जैसे देशों को निर्यात में भी प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, भारत से अमेरिका को निर्यात मई में 16.93 फीसदी बढ़कर 8.83 अरब डॉलर पहुंच गया।

ईरान अब नहीं रहा दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाला देश, इजरायल में इससे 75 गुना महंगा तेल

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान अब दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल बेचने वाला देश नहीं रहा। इसकी जगह लीबिया ने ले ली है। ग्लोबलपेट्रोलप्राइसेज डॉट कॉम के मुताबिक दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल

लीबिया में 2.35 रुपये लीटर है। जबकि, ईरान में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 2.44 रुपये है। इसके बाद नंबर वेनेजुएला का है, जहां पेट्रोल की कीमत 2.99 रुपये लीटर है। चौथे नंबर पर अंगोला है। अंगोला में पेट्रोल 27.98 रुपये लीटर बिक रहा है। आंकड़े 9 जून को अपडेट किए गए थे। बता दें इजरायल में एक लीटर पेट्रोल की कीमत भारतीय करेंसी में 181.06 रुपये लीटर है।

कच्चे तेल की कीमतों में आग

ईरान-इजरायल युद्ध के चलते कच्चे तेल की कीमतों में आग लगी है। आज तेजी के बावजूद कच्चा तेल 75 डॉलर प्रति बैरल के नीचे है। ब्लूमबर्ग के मुताबिक ब्रेंट क्रूड के अगस्त वायदा में 0.30 पर्सेंट की बढ़ोतरी है और यह 73.45 डॉलर प्रति बैरल पर है। डब्ल्यूटीआई का जुलाई वायदा भी 0.42 पर्सेंट चढ़कर 72.07 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

पेट्रोल-डीजल के नए रेट अपडेट

इस बीच भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने भी पेट्रोल-डीजल के नए रेट अपडेट कर दी हैं। आज भी यहां पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बढ़ोतरी या कमी नहीं की गई है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है।

खत्म हो गया टी20 से बाबर आजम का करियर...

पाकिस्तान में जमकर बवाल, पीसीबी को कूदना पड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम के टी20आई टीम में भविष्य को लेकर सवाल उठ रहे हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के नेशनल हाई-परफॉर्मेंस सेंटर के डायरेक्टर आक़िब जावेद ने इस बारे में अपनी राय दी है। बाबर को बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20आई सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। पिछले साल दिसंबर से उन्होंने कोई टी20आई मैच नहीं खेला है।

बाबर आजम को बाहर करने पर बहस – पीसीबी युवा खिलाड़ियों को मौका देना चाहता है, क्योंकि बाबर आजम के स्ट्राइक रेट और टीम पर इसके असर को लेकर बहस चल रही है। 2024 टी20 वर्ल्ड कप में बाबर ने पाकिस्तान टीम का नेतृत्व किया था, जहां टीम अमेरिका और भारत से हारकर ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गई थी। आकिब जावेद का कहना है कि अगर बाबर अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो वे टीम में वापसी कर सकते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को यह भी याद दिलाया कि उन्हें पता है कि कौन सा फॉर्मेट उनके लिए सबसे अच्छा है और वापसी करना आसान नहीं होगा। बाबर आजम अब बिग बैश लीग में सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलते हुए दिखाई देंगे।

अच्छा प्रदर्शन करने पर वापसी होगी – आकिब जावेद ने कहा है कि बाबर आजम और दूसरे सीनियर खिलाड़ी जिन्हें बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20आई सीरीज के लिए टीम में नहीं चुना गया है, उनका टीम में स्वागत है। उन्होंने पाकिस्तानी मीडिया से बात करते हुए कहा, चाहे बाबर हो या कोई और खिलाड़ी, खेल सबके लिए खुला है। अगर बाबर या कोई और अच्छा प्रदर्शन करता है, तो वे अपनी जगह बना लेंगे - प्रदर्शन के दम पर कोई भी आगे बढ़ सकता है। आकिब ने खिलाड़ियों को साफ संदेश दिया है कि उन्हें पता है कि कौन सा फॉर्मेट उनके लिए सबसे अच्छा है। उन्होंने यह भी कहा कि आगे कई चुनौतियां हैं और उन्हें उनका सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

कई खिलाड़ियों को किया बाहर – बाबर के अलावा, मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी को भी आगामी टी20आई सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। सेलेक्टर्स और हेड कोच माइक हेसन ने बाबर, रिजवान और शाहीन को बता दिया है कि उन्हें आगामी टी20आई सीरीज के लिए टीम में शामिल नहीं किया जाएगा। उन्हें आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे पर ध्यान देने के लिए कहा गया है।

बुमराह सटीक गेंदबाजी करने के मामले में इस दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई के समान : स्टुअर्ट ब्रॉड

मुंबई, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड का मानना है कि भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की बल्लेबाजों को चकमा देने की क्षमता और गेंदबाजी में उनका बेहतरीन संतुलन उन्हें ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ग्लेन मैकग्रा के समक्ष खड़ा करती है तथा इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें टिकी रहेगी। ब्रॉड ने विश्व क्रिकेट में सबसे संतुलित गेंदबाजी रन अप के मामले में बुमराह की तुलना ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज मैकग्रा से की। ब्रॉड ने पॉडकास्ट में कहा, 'वह (बुमराह) जब गेंद करने के लिए दौड़ते हैं तो आप सोचते हैं कि यह 70 मील प्रति घंटे की रफ्तार होगी लेकिन वह आपको 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद करते हैं जिससे आप सही अनुमान नहीं लगा पाते हैं। उन्होंने जोस बटलर के साथ इस पॉडकास्ट में कहा, 'जब मैंने शोएब अख्तर का सामना किया, तो वह सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ते थे और सौ मील प्रति घंटे की रफ्तार से ही गेंदबाजी करते थे।

अवैध सट्टेबाजी ऐप्स को प्रोमोट करने में फंसे युवराज सिंह, हरभजन सिंह...

ईडी ने शुरू की जांच

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय ने अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स की जांच तेज कर दी है। इस जांच में कई बड़े नाम सामने आए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, क्रिकेटर हरभजन सिंह, सुरेश रैना और युवराज सिंह के साथ-साथ अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और सोनू सूद से भी पूछताछ की जा रही है। यह जांच जैसे प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म के प्रचार से जुड़ी है। ईडी का मानना है कि ये प्लेटफॉर्म भ्रामक विज्ञापन और गलत तरीकों से लोगों को फंसा रहे हैं।

ईडी कर रही है जांच – ईडी की जांच में पता चला है कि ये प्लेटफॉर्म जैसे नामों का इस्तेमाल कर विज्ञापन करते हैं। ये वेब लिंक और त्त्क्र कोड के जरिए यूजर्स को असली अवैध सट्टेबाजी साइटों पर भेजते हैं। श्वष्ठ के अनुसार, यह भारतीय कानूनों का सीधा उल्लंघन है। श्वष्ठ का कहना है कि ये ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म खुद को स्किल-आधारित गेम बताते हैं। लेकिन, एजेंसी का मानना है कि ये रिग्ड एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए, ये जुआ के दायरे में आते हैं।

कई क्रिकेटर्स के नाम भी शामिल – ईडी की शुरुआती जांच में कई कानूनों के उल्लंघन की बात सामने आई है। इनमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम और धन शोधन निवारण अधिनियम शामिल हैं। साथ ही, कई सरकारी नियमों का भी उल्लंघन हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, हरभजन सिंह और सुरेश रैना के प्रतिनिधियों ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। उर्वशी रौतेला और सोनू सूद के प्रतिनिधियों ने भी कोई जवाब नहीं दिया है। जांच में यह भी पता चला है कि इन विज्ञापन अभियानों को चलाने के लिए विभिन्न कंपनियों को 50 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवैध सट्टेबाजी ऐप का कारोबार 100 अरब डॉलर से अधिक का है। अधिकारियों द्वारा कार्रवाई के बावजूद, यह कारोबार फलफूल रहा है। इन वेबसाइटों पर लगभग 11 करोड़ भारतीय आते हैं, जिनमें स्कूली छात्र भी शामिल हैं। जांच अभी जारी है और श्वष्ठ इस मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है। यह देखना होगा कि इस जांच में और क्या खुलासे होते हैं और किन-किन लोगों पर कार्रवाई होती है। सरकार इन अवैध सट्टेबाजी ऐप्स पर लगाम लगाने के लिए सख्त कदम उठा रही है। लेकिन, यह कारोबार अभी भी तेजी से बढ़ रहा है।

स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंची

दुबई, एजेंसी। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने ताजा अपडेट में 19 रेटिंग अंक गंवाए जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज को मिला। मंधाना के कुल 727 रेटिंग अंक हैं। उनके बाद इंग्लैंड की कप्तान नताली साइवर-ब्रंट 719 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वोलवार्ट अब 719 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के बाद इस सूची में अगली दो भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने के आखिर में पांच टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। मंधाना हाल के दिनों में वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल रही हैं, लेकिन बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2019 की शुरुआत से शीर्ष स्थान पर नहीं पहुंच पाई थी। भारतीय सलामी बल्लेबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में शतक बनाया था। इससे उन्हें अपनी रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भी चौथे स्थान पर हैं।

आईसीसी ट्रॉफी जीती, कप्तानी में अजेय, फिर भी टेम्बा बावुमा को घर में नहीं मिलेगा दिग्गजों वाला सम्मान!

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका ने चोकर्स के टैग धो दिया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया जैसी धाकड़ टीम को हराया। लॉर्ड्स के मैदान पर चौथी पारी में साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 282 रनों का लक्ष्य मिला था। टीम ने बिना किसी परेशानी के इसे हासिल कर लिया। टीम की कप्तानी टेम्बा बावुमा के हाथों में थी। डीन एल्गर के संन्यास के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी मिली थी। उनकी कप्तानी में 10 टेस्ट के बाद भी साउथ अफ्रीका को एक भी हार नहीं मिली है। हालांकि इसके बाद भी टेम्बा बावुमा को साउथ अफ्रीका में वो शायद सम्मान नहीं मिले, जो ग्रीम स्मिथ या एबी डिविलिर्स जैसे दिग्गज खिलाड़ियों को मिलती है। इन दोनों के पास ही आईसीसी ट्रॉफी नहीं है।

बल्ले से खास नहीं टेम्बा का रिकॉर्ड –झ टेम्बा बावुमा का बल्ले से इंटरनेशनल क्रिकेट में कोई खास रिकॉर्ड नहीं है। अभी तक उन्होंने 64 टेस्ट खेले हैं। इसकी 110 पारियों में सिर्फ 38 की औसत से रन बना पाए हैं। उनके नाम 3708 रन दर्ज हैं। इस दौरान उन्होंने सिर्फ 4 शतक लगाए हैं। साउथ अफ्रीका के लिए 100 या उससे ज्यादा टेस्ट पारियां खेलने वाले प्रमुख बल्लेबाजों में टेम्बा के नाम सबसे कम शतक हैं। 118 पारियों में फाफ डु प्लेसिस के 10 तो 104 पारियों में एश्वेल प्रिंस को 11 शतक हैं। डेरिल कुल्लिनन के नाम तो 115 पारी में 14 शतक हैं।

वनडे की कप्तानी में भी खास रिकॉर्ड नहीं – टेस्ट में जरूर टेम्बा बावुमा की कप्तानी में साउथ अफ्रीका ने टेस्ट चैंपियनशिप जीत ली है लेकिन वनडे में उनका कप्तानी रिकॉर्ड खास नहीं है। अपने करियर में अभी तक उन्होंने सिर्फ 48 वनडे खेले हैं। इसमें से 42 में तो कप्तानी ही की है। साउथ अफ्रीका को उसमें 22 जीत और 19 हार मिली। उनका विनिंग प्रतिशत 52.38 है। उनके पहले फाफ डु प्लेसिस नियमित कप्तान थे। उनकी कप्तानी में टीम ने लगभग 72 प्रतिशत मैच जीते। शॉन पोलक ने 92 और ग्रीम स्मिथ ने 149 मैचों में कप्तानी की और टीम ने 60 प्रतिशत से ज्यादा जीत हासिल की। हेनसी क्रोनिए की कप्तानी में 138 में से 99 वनडे साउथ अफ्रीका ने जीते।

अंतिम दौर में क्रिकेटिंग करियर – टेम्बा बावुमा 35 साल से ज्यादा के हो चुके हैं। उनका करियर अंतिम दौर में हैं। यह जीत भले ही खास है लेकिन उनका पर्सनल रिकॉर्ड ऐसा नहीं है, जो दिग्गजों की श्रेणी में जगह दिला दी। टेम्बा अश्वेत क्रिकेटर हैं। साउथ अफ्रीकी टीम में अश्वेत क्रिकेटर्स के लिए कोटा है। कई बार यह कहा जा चुका है कि कोटा सिस्टम की वजह से ही टेम्बा को टीम में जगह मिल पाई। ट्रॉफी जीतकर उन्होंने आलोचकों को चुप तो करवा दिया है लेकिन एक खराब प्रदर्शन के बाद फिर से सवाल उठने लगेंगे।

2023-25 साइकल में हल्की टीमें भी मिलीं

साउथ अफ्रीका ने भले ही टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीता है लेकिन एक सच्चाई ये भी है कि टीम को पिछले साइकल में बड़ी चुनौती नहीं मिल पाई। अपने घर में उसका मुकाबला तीन एशियाई टीम भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका से हुआ। ये पारंपरिक तौर पर पेस के खिलाफ स्ट्रगल करती हैं। घर के बाहर साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड, बांग्लादेश और वेस्टइंडीज से खेला। ये चुनौतियां मुश्किल नहीं थीं। अगले साइकल में टीम को अपने घर में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से खेलना है। वहीं भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका का दौरा करना है, जहां की पिच और परिस्थिति साउथ अफ्रीका के क्रिकेट को फिट नहीं बैठती।

कप्तान के रूप में रोहित शर्मा और विराट कोहली का मिश्रण हैं शुभमन गिल : जोस बटलर

मुंबई, एजेंसी। जोस बटलर का मानना है कि भारत के नये टेस्ट कप्तान शुभमन गिल कप्तान के रूप में रोहित शर्मा और विराट कोहली का मिश्रण हैं लेकिन जब वह शुक्रवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रही पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला में राष्ट्रीय टीम की अगुआई करेंगे तो मैदान पर वह पूरी स्वच्छंद होकर टीम का नेतृत्व करेंगे। इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के पूर्व कप्तान बटलर इस वर्ष इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गिल की कप्तानी में खेले थे। उन्होंने कहा कि इस 25 वर्षीय खिलाड़ी को कप्तानी की भूमिका और अपनी बल्लेबाजी के बीच संतुलन बनाना होगा। बटलर ने इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ अपने पॉडकास्ट पर कहा, 'वह वास्तव में प्रभावशाली खिलाड़ी है। जब वह बोलते हैं तो काफी शांत और संतुलित रहते हैं। मुझे लगता है कि मैदान पर खुद के लिए चुनौती पेश करते हैं। उनमें काफी जुनून होता है। मुझे लगता है कि कप्तान के रूप में वह कोहली और रोहित का मिश्रण होंगे। उन्होंने कहा, 'कोहली वास्तव में बहुत आक्रामक थे। उन्होंने भारतीय टीम को पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने उसे मुकाबले के लिए तैयार किया। रोहित थोड़े अलग थे। थोड़े शांत और संयमित, लेकिन उनमें गजब का जुझारूपन था।

बटलर ने कहा, 'गिल ने इन दोनों से काफी कुछ सीखा है लेकिन वह मैदान पर पूरी तरह से अलग नजर आएंगे। बटलर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में भारत की कप्तानी करना देश में 'तीसरे या चौथे सबसे प्रभावशाली व्यक्ति होने जैसा है। उन्होंने कहा, 'गिल ने बल्लेबाजी और कप्तानी को अलग-अलग करने की बात की। इसलिए जब वह बल्लेबाजी करते हैं तो वह सिर्फ बल्लेबाज बने रहना चाहते हैं। इसके बाद वह अपने कप्तानी कौशल पर काम करेंगे और दोनों भूमिकाओं को अलग-अलग तरह से निभाने का प्रयास करेंगे। बटलर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम इन लोगों के स्टारडम के स्तर को समझ सकते हैं। आप इसे आईपीएल में देखते हैं। वे इस स्टारडम में जीते हैं।

अश्विन और उनकी टीम को बड़ी राहत, TNPL में गेंद से छेड़छाड़ के आरोपों से हुए मुक्त

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु प्रीमियर लीग ने पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन को गेंद से छेड़छाड़ के आरोपों से मुक्त कर दिया है। यह आरोप सीकेम मदुरै पैंथर्स ने उन पर और उनकी टीम डिंडीगुल ड्रैगन्स पर लगाए थे। डिंडीगुल ड्रैगन्स की टीम ने अश्विन के खिलाफ आरोप लगाए थे। मदुरै फ्रेंचाइजी ने डिंडीगुल पर 14 जून को सलेम में खेले गए मैच के दौरान रसायन वाले तौलिए का इस्तेमाल करके गेंद से छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। मदुरै के कोच शिजित चंद्रन ने फ्रेंचाइजी की सीईओ पूजा दामोदरन को संबोधित शिकायत में कहा, हमारी पारी के दौरान गेंद की स्थिति तेजी से खराब हुई जिससे हमारे बल्लेबाजों का प्रदर्शन प्रभावित हुआ। आप पावरप्ले के बाद हमारे बल्लेबाजों द्वारा खेले गए हर शॉट की आवाज सुन सकते हैं, जो ऐसा था जैसे वे क्रिकेट की गेंद के बजाय किसी कठोर पत्थर पर मार रहे हों। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि डिंडीगुल ड्रैगन्स की टीम ने गेंद की स्थिति बदलने के लिए विदेशी पदार्थों का इस्तेमाल किया जिसमें पहले से लगाए गए खुरदरे एजेंट वाले विशेष तौलिये का इस्तेमाल करना शामिल है, जो अस्वीकार्य है और खेल की भावना और धोखाधड़ी के बराबर है।

मामले की जांच के बाद टीएनपीएल के सीईओ प्रसन्ना कन्नन ने कहा कि गेंद से छेड़छाड़ का कोई सबूत नहीं मिला है। कन्नन ने एक बयान में कहा, संदर्भित तौलिए टीएनपीएल द्वारा जारी किए गए थे और दोनों टीमों के लिए समान रूप से उपलब्ध थे। प्लेइंग कंट्रोल टीम जिसमें अंपायर और मैच रेफरी शामिल थे ने पूरे मैच के दौरान गेंद पर पूरी निगरानी रखी। खेल के दौरान कोई चिंता नहीं जताई और कोई ऐसा सबूत नहीं दिया जिससे लगे कि गेंद से छेड़छाड़ हुई। उन्होंने कहा, यदि फ्रैंचाइजी के पास विश्वसनीय और सत्यापन योग्य सबूत हैं, तो वे 17 जून को दोपहर 3 बजे तक स्वतंत्र जांच आयोग के लिए औपचारिक अनुरोध प्रस्तुत कर सकते हैं, साथ ही सहायक सामग्री (वीडियो, फोटोग्राफिक या साक्ष्य) भी प्रस्तुत कर सकते हैं। यदि मदुरै अपने आरोपों के लिए सबूत देने में विफल रहता है, तो उसे टीएनपीएल आचार संहिता और परिचालन नियमों के तहत प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है। ड्रैगन्स ने शनिवार को सलेम में मदुरै को आसानी से हराया था, जिसमें सलामी बल्लेबाज अश्विन और शिवम सिंह ने उन्हें टीएनपीएल 2025 में अपनी दूसरी जीत के लिए 13 ओवर से कम समय में 151 रनों का पीछा करने में मदद की थी। अश्विन की डिंडीगुल गत चैंपियन है, जिसने पिछले सीजन में अपना पहला खिताब जीता था।

अब 5 नहीं 4 दिन का होगा टेस्ट मैच

ICC ने कर ली पूरी तैयारी... जानिए भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड की टीमें क्या करेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद एक बड़े बदलाव की ओर बढ़ रही है. एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि आईसीसी 2027-29 के वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों को मंजूरी देने के लिए तैयार है. दूसरी तरफ भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड तब भी परंपरागत रूप से चले आ रहे 5 दिवसीय मैच खेल सकते हैं. मैचों की संख्या एक दिन कम करने का कदम एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा और इससे छोटे देशों को अधिक टेस्ट और लंबी अवधि की सीरीज खेलने में मदद मिलेगी. 2025-27 की विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 5 दिवसीय मैचों के मौजूदा प्रारूप के तहत ही खेली जाएगी.

एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'पिछले हफ्ते लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान चर्चा में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027-29 के डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए 4 दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया था.' इसमें कहा गया है, 'इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत को तब भी एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए 5 दिवसीय मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने की अनुमति होगी.' आईसीसी ने पहली बार 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए 4 दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी. इंग्लैंड ने 2019 और 2023 में आयरलैंड के खिलाफ 4 दिवसीय टेस्ट के बाद पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ भी 4 दिवसीय टेस्ट मैच खेला था. रिपोर्ट के अनुसार, 'कई छोटे देश समय और लागत के कारण टेस्ट मैचों की मेजबानी करने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं, लेकिन 4 दिवसीय टेस्ट मैच शुरू होने से 3 टेस्ट मैचों की पूरी सीरीज 3 हफ्ते से भी कम समय में खेली जा सकेगी.' इसमें कहा गया है, 'समय को बर्बाद करने से बचने के लिए 4 दिवसीय टेस्ट मैचों में खेल के समय को 90 ओवर प्रतिदिन से बढ़ाकर न्यूनतम 98 ओवर कर दिया गया है.'

रिपोर्ट में कहा गया है, ''पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोमांचक फाइनल में विश्व चैम्पियन बनने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के नीरस कार्यक्रम ने इस मुद्दे को और उजागर किया और इसके बाद बदलाव की जरूरत महसूस की गई.'

पेरिस ओलंपिक में पदक से चूकने वाले भारतीय का अब यह है अगला लक्ष्य

यूटीटी में मिली लय को बरकरार रखना चाहते हैं हरमीत देसाई

नई दिल्ली, एजेंसी। आईटीटीएफ टेबल टेनिस विश्व रैंकिंग में मैं अभी 73वें पायदान पर हूं। सबसे पहले मैं अपनी रैंकिंग सुधारने पर काम करूंगा। इसके लिए मुझे अधिक से अधिक विश्व टेबल टेनिस टूर्नामेंट में हिस्सा लेना होगा। पेरिस ओलंपिक में मैं पदक जीतने से जरूर चूक गया, लेकिन अल्टीमेट टेबल टेनिस के इस सीजन में मेरा शानदार प्रदर्शन रहा। इस लय को मैं आगे विश्व टूर्नामेंट में भी बरकरार रखना चाहूंगा। ये बातें टेबल टेनिस के धुरंधर खिलाड़ी हरमीत देसाई ने 'जनसत्ता' से एक विशेष बातचीत में कहीं।

पेरिस ओलंपिक में अपने अनुभव को साझा करते हुए हरमीत देसाई ने बताया कि पेरिस ओलंपिक मेरे लिए एक बड़ा मंच था। मेरा 2024 में पहला ओलंपिक था और इसमें मैंने बहुत कुछ सीखा। पुरुष और महिला दोनों टीमों ने क्वालिफाई किया, जो गर्व की बात है। मैंने एकल और पुरुष टीम स्पर्धा में हिस्सा लिया। एकल में पहला चरण जीता, लेकिन दूसरे में हार मिली। टीम मुकाबले में हम प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। सफर शानदार रहा, लेकिन पदक न जीत पाने का दुख अब भी है। फिर भी, यह अनुभव मुझे अगले ओलंपिक के लिए और मजबूत बनाएगा।

संक्षिप्त समाचार

लाहौल-स्पीति में सड़क से नीचे गिरा टेम्पो ट्रेवलर, हरियाणा के दो पर्यटकों की मौत

लाहौल-स्पीति , एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति में सोमवार शाम हरियाणा के सोनीपत नंबर का एक टेम्पो ट्रेवलर सड़क से नीचे गिर गया। इस हादसे में हरियाणा के रहने वाले दो पर्यटकों की मौत हो गई और एक की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों में एक महिला और एक पुरुष शामिल हैं। घायलों को उपचार के लिए मनाली अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। गाड़ी का नंबर हरियाणा के सोनीपत का है। जानकारी के अनुसार टेम्पो ट्रेवलर में 21 लोग सवार थे। कोकसर-रोहतांग रोड पर ग्राम्फू के पास टेम्पो ट्रेवलर सड़क से करीब 150 फीट नीचे गिर गया। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने सभी को गाड़ी से निकाला। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। लाहौल-स्पीति की एसपी इल्मा अफरोज ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए मनाली अस्पताल शिफ्ट किया है। इनमें से 6 घायलों को मनाली के मिशन अस्पताल और कुल्लू रेफर किया जा चुका है। अभी मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में 13 जून को हरियाणा के टूरिस्ट की गाड़ी 60 फीट खाई में गिर गई थी। इस हादसे में 3 लोग घायल हुए थे। यह हादसा लाहौल स्पीति के गोंदला में हुआ था। ?हरियाणा नंबर की गाड़ी में 3 लोग सवार थे, जिनमें एक महिला भी शामिल थी, केलांग की तरफ जा रहे थे। ओवरस्पीड की वजह से ड्राइवर स्टेयरिंग पर नियंत्रण नहीं रख सका और गाड़ी सड़क से 60 फीट गहराई में जा गिरी थी।

कांग्रेस ने हमेशा ओबीसी को धोखा दिया: भूपेंद्र यादव

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र द्वारा सोमवार को 2027 में जाति गणना के साथ भारत की 16वीं जनगणना आयोजित करने की अधिसूचना जारी करने के बाद, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को धोखा दिया है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस के मन में कभी सच्चाई रही होती, तो काका कालेलकर कमीशन की रिपोर्ट आने के बाद कांग्रेस ने कोई दूसरा कमीशन ही नहीं बनाया। देश से जब कांग्रेस की सत्ता गई तब मंडल कमीशन को बनाया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जनता पार्टी के जाने के बाद भी मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू नहीं हुई। जब देश से दोबारा कांग्रेस की सत्ता गई, तब मंडल कमीशन लागू हुआ। मंडल आयोग वैधानिकता को सर्वोच्च न्यायालय ने जब स्वीकार किया, तो ओबीसी कमीशन को दंतविहीन बनाने का काम कांग्रेस ने किया। 2014 में जब देश से कांग्रेस की सत्ता गई और श्री नरेन्द्र मोदी जी देश के प्रधानमंत्री बने तब ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा मिला। भाजपा नेता ने कहा कि कर्नाटक में एक बार फिर कांग्रेस के धोखे का उदाहरण देखने को मिला। वो दिखाता है कि कांग्रेस के लिए सोशल जस्टिस दिखावा है, प्रतिबद्धता नहीं है। ओबीसी समाज को झांसे में लाना कांग्रेस की नीति है, न्याय देना उनका काम नहीं है। 2014 में भारत का नाजुक अर्थव्यवस्था बनने का सबसे बड़ा कारण था कि टैक्सपेयर के पैसों के साथ कांग्रेस ने भ्रष्टाचार और उनके विश्वास को खोया। उन्होंने दावा किया कि कर्नाटक में कांग्रेस का रिसर्वे... एक पॉलिटिकल कवर है। जो कांग्रेस, समाज के कुछ लोगों को भरमाने के लिए और कुछ को तुष्टिकरण की राजनीति में लाने के लिए कर रही है। जितनी आबादी-उतना हक, राहुल गांधी का ये झूठा नारा है। हक तो सिर्फ एक परिवार का है।

दिल्ली सरकार ने नौकरशाही में किया बड़ा फेरबदल, 23 आईएएस अधिकारी इधर से उधर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी में नौकरशाही में बड़ा फेरबदल किया है। दिल्ली सरकार ने 23 आईएएस अधिकारियों को स्थानांतरित या नया प्रभार सौंपा है। दिल्ली सरकार द्वारा 2000 बैच की अधिकारी दिलराज कौर को सामान्य प्रशासन विभाग का प्रधान सचिव नियुक्त किया गया है। उन्हें समाज कल्याण और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। वहीं वर्तमान में उच्च शिक्षा विभाग में सचिव 2003 बैच की अधिकारी नंदिनी पालीवाल अब आयुक्त (व्यापार एवं कर) होंगी। शिक्षा विभाग में पांडुरंग के. पोल उनकी जगह लेंगे। नीरज सेमवाल, जो वर्तमान में संभागीय आयुक्त हैं, भूमि एवं भवन के सचिव का अतिरिक्त कार्यभार भी संभालेंगे। परिवहन आयुक्त निहारिका राय को दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

पाकिस्तान नहीं जाएंगे सिख श्रृद्धालु, भारत-पाक तनाव को देखते हुए एसजीपीसी का फैसला

जालंधर, एजेंसी।
पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत के पाकिस्तान पर ऑपरेशन सिंदूर चलाने से दोनों देशों के बीच सैन्य संघर्ष चला था। सीजफायर होने के बाद दोनों देशों में अब भी तनाव है। इसी को देखते हुए ??शिरोम?णि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने बड़ा फैसला लिया है। इस बार एसजीपीसी 29 जून को मनाई जा रही शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर पाकिस्तान में होने वाले कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए सिख श्रद्धालुओं का जत्था नहीं भेजेगी। एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर पाकिस्तान जाने के लिए सिख श्रद्धालुओं ने अपने पासपोर्ट एसजीपीसी कार्यालय के यात्रा विभाग में जमा करवा दिए हैं। एसजीपीसी हर साल महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि मनाने के लिए सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान भेजती थी लेकिन दोनों देशों में तनावपूर्ण माहौल और भारत सरकार द्वारा यात्रा पर लगाई गई पाबंदियों को देखते हुए इस बार जत्था नहीं भेजने का फैसला किया है।

हालांकि हाल ही में 2 जून को पाकिस्तान ने लाहौर में गुरु अर्जन देव और महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि 16 और 29 जून को लाहौर में मनाने के संबंध में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के लिए भारत समेत दुनिया भर से सिख तीर्थयात्रियों को आमंत्रित किया था। लेकिन , तनावपूर्ण राजनयिक संबंधों के कारण भारत द्वारा भारतीय तीर्थयात्रियों को पाकिस्तान की यात्रा करने के लिए एनओसी जारी करने की संभावना नजर नहीं आ रही थी। बीते वर्ष पाकिस्तान ने महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर

आयोजित समारोह में भाग लेने के लिए भारत से 509 सिख श्रद्धालुओं को वीजा जारी किए गए थे। पाकिस्तान सरकार ने बैसाखी त्योहार के लिए भारतीय सिख तीर्थयात्रियों को 6,700 से अधिक वीजा जारी किए थे। यह 50 वर्षों में पहली बार हुआ, जब दोनों देशों के बीच तय संख्या से अधिक वीजा जारी किए गए। पाकिस्तान में बैसाखी पर्व मनाने के लिए एसजीपीसी ने इसी साल 10 अप्रैल को श्रद्धालुओं का जत्था अटारी-वाघा सरहद के रास्ते रवाना किया था। अटारी सीमा से कुल 6600 सदस्य पाकिस्तान रवाना हुए थे। यह जत्था पाकिस्तान के विभिन्न गुरुद्वारा साहब के दर्शन करने के बाद 19 अप्रैल को भारत लौटा था। लेकिन यह सब पहलगाम आतंकी हमले से पहले हुआ था। इस हमले के बाद दोनों देशों में तनाव चरम पर पहुंच गया है।

द्वारका एक्सप्रेसवे की तरह गुरुग्राम में एसपीआर पर बनेगा एलिवेटेड रोड, डिजाइन फाइनल

गुरुग्राम, एजेंसी।
गुरुग्राम में सदर्न पेरिफेरल रोड (एसपीआर) को द्वारका एक्सप्रेसवे की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। द्वारका एक्सप्रेसवे से लेकर वाटिका चौक तक तीन-तीन लेन का एलिवेटिड रोड तैयार किया जाएगा। एसपीआर पर जहां-जहां चौराहे या तिराहे हैं, वहां पर प्रवेश और निकास की व्यवस्था की जाएगी। इसके डिजाइन को मंजूरी दे दी गई है।

एसपीआर की लंबाई करीब 5.3 किलोमीटर है। ये द्वारका एक्सप्रेसवे और गुरुग्राम-सोहना हाईवे (एनएच-248) को आपस में जोड़ता है। द्वारका एक्सप्रेसवे से यदि किसी वाहन चालक को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे या सोहना की तरफ जाना होता है तो उसे वाटिका चौक से सर्विस रोड होते हुए भोंडसी तक जाना पड़ता है। वहां से गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर चढ़ना पड़ता है। एसपीआर पर ट्रैफिक दबाव अधिक होने के चलते सुबह और शाम के समय जाम की स्थिति बन जाती है।

इस समस्या के समाधान के लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने द्वारका एक्सप्रेसवे से गुरुग्राम-सोहना हाईवे को एलिवेटिड रोड से जोड़ने की योजना बनाई थी। पिछले साल मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। इसके बाद जीएमडीए ने एक सलाहकार कंपनी को डीपीआर तैयार करने के लिए जिम्मेदारी सौंपी थी। इस सलाहकार कंपनी ने तीन डिजाइन तैयार किए हैं। इनमें से फिलहाल एक डिजाइन को जीएमडीए अधिकारी ने मंजूरी दे दी है।

इंटरचेंज का निर्माण होगा – इस डिजाइन के तहत वाटिका चौक पर इंटरचेंज का निर्माण होगा। अगर कोई वाहन दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे या सोहना-गुरुग्राम हाईवे की तरफ से आ रहा है तो वह आसानी से द्वारका एक्सप्रेसवे की तरफ एलिवेटिड रोड होते हुए मुड़ जाएगा। यदि किसी को गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड की तरफ जाना है तो वह इंटरचेंज से नीचे उतरकर चला जाएगा। इस तरह यदि कोई वाहन गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड से आ रहा है तो वह इस इंटरचेंज के माध्यम से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, गुरुग्राम-सोहना हाईवे या द्वारका एक्सप्रेस वे की तरफ आसानी से जा सकेगा।

सर्विस रोड पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा: एलिवेटिड रोड और इंटरचेंज के बनने के बाद गुरुग्राम-सोहना रोड की सर्विस रोड पर ट्रैफिक का दबाव कम हो जाएगा। मौजूदा समय में सर्विस रोड पर रोजाना करीब 50 हजार वाहन निकलते हैं। सुबह-शाम के समय सर्विस रोड पर ट्रैफिक जाम लग जाता है। इस जाम का एक कारण सर्विस रोड पर भारी अतिक्रमण होना भी है।

इंटरचेंज के लिए जमीन का अधिग्रहण होगा: सदर्न पेरिफेरल रोड को लेकर करीब 150 मीटर चौड़ी जमीन का अधिग्रहण किया हुआ है। वाटिका चौक पर इंटरचेंज तैयार करने के लिए आसपास लगते क्षेत्रों की जमीन की जरूरत पड़ेगी। निर्माण के रास्ते में बादशाहपुर क्षेत्र के कुछ मकान और दुकान आ रहे हैं। इनका अधिग्रहण या खरीद-फरोख्त करना होगा।

एलिवेटेड रोड बनने से समय की बचत होगी: मौजूदा समय में सुबह और शाम के समय एसपीआर को पार करने में 25 से 30 मिनट का समय लग जाता है। वाहन चालक को हर चौराहे पर लगी ट्रैफिक बत्ती से होकर निकलना पड़ता है। एलिवेटिड रोड बनने के बाद समय काफी कम लगेगा।

सऊदी अरब से राजस्थान लौटा हज यात्रियों का जत्था, 164 हाजियों से भरी फ्लाइट आई

जयपुर, एजेंसी।
राजस्थान में हज 2025 यात्रा से तीर्थयात्रियों की वापसी शुरू हो गई है। मंगलवार को 81 महिलाओं और 83 पुरुषों सहित 164 तीर्थयात्रियों को लेकर एक फ्लाइट जयपुर के सांगानेर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल 1 पर उतरी। हज यात्रा पूरी करने वाले तीर्थयात्रियों का अधिकारियों, राजस्थान राज्य हज समिति के सदस्यों और परिवार के सदस्यों द्वारा स्वागत किया गया।

यह पहली उड़ान सऊदी अरब के जेद्दा से आई है, और यह 29 जून तक तीर्थयात्रियों को वापस लाने के लिए निर्धारित 17 उड़ानों का हिस्सा है। प्रत्येक उड़ान की क्षमता 165 यात्रियों की है। एएनआई से बात करते हुए अलवर के तीर्थयात्री फत्तू खान ने संतोष व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत अच्छा था, यह उत्कृष्ट था। लोग कह रहे हैं कि पहली बार व्यवस्था इतनी अच्छी थी, और पूरी यात्रा के दौरान एयर कंडीशनिंग ने अच्छा काम किया। हमने सुना था कि यह बहुत गर्म है, लेकिन हमें इसका बिल्कुल भी एहसास नहीं हुआ।

अलवर से आए एक अन्य तीर्थयात्री ने कहा, यह बहुत अच्छी यात्रा थी। वहां सभी को अच्छी सुविधाएं मिलीं और यात्रा भी अच्छी रही। यह बहुत खुशी की बात है। कुछ तीर्थयात्रियों ने कहा कि उन्होंने ईरान और इजरायल के बीच चल रहे संघर्ष

के कारण दुनिया में शांति के लिए प्रार्थना की। हज यात्री अब्दुल गफूर ने कहा, हमने शांति के लिए प्रार्थना की। खास तौर पर हमारे देश के लिए। हमारे देश और बाकी दुनिया में शांति बनी रहे।

इससे पहले, लखनऊ हवाई अड्डे पर उतरे सऊदी एयरलाइंस के एक विमान से धुआं निकलने का पता चलने के बाद, विमान बचाव और अग्निशमन (एआरएफएफ) मौके पर पहुंचे और यह सुनिश्चित किया कि धुएं पर काबू पा लिया जाए और विमान को कोई नुकसान होने से बचाया जाए, लखनऊ हवाई अड्डे के अधिकारियों ने सोमवार को कहा। अधिकारियों के अनुसार, 15 जून की सुबह हुई इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यात्रियों को सुरक्षित उतार लिया गया। हवाईअड्डे के परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। विमान जेद्दा से लौट रहा था।

सऊदी अरब में हज यात्रियों को लेकर जा रहा विमान। विमान के उतरने के कुछ समय बाद और टैक्सीवे पर खड़े होने के दौरान विमान के पहियों पर धुआँ और चिंगारी देखी गई। इस्लाम में हर व्यक्ति के लिए पाँच कर्तव्य (स्तंभ) निभाना अनिवार्य है, जिनमें से हज एक है। इस साल हज 4 जून से 9 जून के बीच सऊदी अरब में किया गया। भारत से सालाना हज यात्रियों का पहला जत्था मई की शुरुआत में ही शुरू हो गया था। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के अनुसार, कुल 1,22,518 हज यात्रियों ने पवित्र यात्रा की, जिसमें पहली उड़ानें लखनऊ और हैदराबाद से ही रवाना हुईं।

ट्रंप को एनएएसीपी सम्मेलन में नहीं बुलाया गया, 116 वर्षों में पहले ऐसे राष्ट्रपति

वाशिंगटन , एजेंसी।
नेशनल एसोसिएशन फॉर द एडवांसमेंट ऑफ कलर्ड पीपल (एनएएसीपी) ने सोमवार को कहा कि वे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने अगले महीने होने वाले सम्मेलन में नहीं बुलाएंगे। यह सम्मेलन उत्तरी कैरोलिना के शार्लोट शहर में होगा। ऐसा पहली बार हुआ है कि 116 साल पुराने नागरिक अधिकार संगठन ने किसी वर्तमान राष्ट्रपति को अपने कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया है।

एनएएसीपी के अध्यक्ष डेरिक जॉनसन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने इस कदम की घोषणा की। उन्होंने ट्रंप पर अपने मिशन के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। जॉनसन ने एक बयान में कहा कि इसका राजनीतिक पार्टी से कोई लेना-देना नहीं है। हमारा मिशन नागरिक अधिकारों को आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि वर्तमान

राष्ट्रपति ने स्पष्ट कर दिया है कि उनका मिशन नागरिक अधिकारों को खत्म करना है। व्हाइट हाउस से इस पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

हाल के महीनों में एनएएसीपी ने ट्रंप के खिलाफ कई मुकदमे दायर किए हैं। उदाहरण के लिए, अप्रैल में समूह ने एक मुकदमा दायर किया ताकि शिक्षा विभाग स्कूलों को मिलने वाली फंडिंग न रोके, सिर्फ इसलिए कि उन्होंने विविधता और समानता से जुड़े कार्यक्रम बंद नहीं किए। संगठन का कहना है कि यह अश्वेत छात्रों के लिए बराबरी के अवसर खत्म करने जैसा है।

एनएएसीपी ने एक बयान में कहा, हमारे सम्मेलन में पहले भी रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों पार्टियों के नेता शामिल होते रहे हैं। डेमोक्रेट राष्ट्रपति हैरी ट्रूमैन 1947 में एनएएसीपी सम्मेलन में शामिल होने वाले पहले राष्ट्रपति थे। एनएएसीपी अधिकारियों ने कहा कि यह निर्णय महत्वपूर्ण था क्योंकि संगठन ने लंबे समय से ऐसे राष्ट्रपतियों को आमंत्रित किया था, जिनके साथ उसके नीतिगत मतभेद थे।

उल्लेखनीय रूप से, रिपब्लिकन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू. बुश 2006 में सम्मेलन में शामिल हुए, हालांकि उनके प्रशासन की 2005 में आए तूफान कैटरीना से निपटने के तरीके की आलोचना हुई थी, जिसने अश्वेत लोगों को खासा नुकसान पहुंचाया था। रिपब्लिकन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने भी 1981 में सम्मेलन में हिस्सा लिया था, जबकि उन पर वेलफेयर क्वीन जैसे शब्द इस्तेमाल करने के कारण नस्लीय टिप्पणी करने के आरोप लगे थे।

गाजा में भोजन वितरण केंद्र के पास गोलीबारी, 37 फलस्तीनियों की मौत

गाजा , एजेंसी। गाजा में अमेरिका समर्थित भोजन वितरण केंद्र के पास इस्राइल ने सोमवार को फिर गोलीबारी की। इसमें कम से कम 37 फलस्तीनियों की मौत हो गई। इस्राइली सैन्य नियंत्रित क्षेत्र से गुजरने के दौरान फलस्तीनियों पर की गई यह हालिया दौर की सबसे भीषण गोलीबारी है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सैनिकों ने भीड़ को नियंत्रित करने के प्रयास में गोलीबारी की। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि भोजन केंद्र तक पहुंचने की कोशिश में 33 फलस्तीनी मारे गए। चार अन्य जगह मारे गए। इससे पहले, 11 जून को भी कुछ ऐसा ही हुआ था। तब गाजा में राहत सामग्री और खाना पाने की कोशिश कर रहे फलस्तीनियों पर इस्राइली सेना ने गोलीबारी की थी। इसमें 36 लोग मारे गए और 207 घायल हो गए थे। इजरायली और अमेरिकी समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन द्वारा संचालित सहायता स्थलों के पास हुई गोलीबारी में अब तक कम से कम 200 से अधिक लोग मारे गए और 1600 से अधिक घायल हो गए। इस्राइल की नाकाबंदी और सैन्य कार्रवाई ने गाजा को अकाल के कगार पर पहुंचा दिया है। गाजा में इस समय मानवीय संकट चरम पर है। महीनों से जारी इजरायल-हमास युद्ध के चलते इलाके में खाद्य सामग्री, दवाओं और बिजली की भारी किल्लत है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने पहले ही चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही राहत नहीं पहुंची, तो गाजा में भुखमरी और बीमारी से बड़े पैमाने पर मौतें हो सकती हैं। वहीं, इस्राइल और अमेरिका का कहना है कि उन्होंने नई खाद्य वितरण प्रणाली की शुरुआत हमास को मानवीय सहायता चुराने और उसका उपयोग आतंकवादी गतिविधियों के वित्तपोषण में करने से रोकने के लिए की है।

ब्रिटेन की उपप्रधानमंत्री ने कहा- अहमदाबाद एअर इंडिया हादसे पर गहरा दुख, कठिन समय में यूके-भारत एकजुट

लंदन, एजेंसी।
अहमदाबाद एअर इंडिया हादसे पर ब्रिटेन की उपप्रधानमंत्री एंजेला रायनर ने गहरा दुख प्रकट किया है। रायनर ने कहा कि इस कठिन समय में यूके और भारत एकजुट हैं। दुख की इस घड़ी में ब्रिटेन सभी पीड़ित परिवारों का दुख साझा करता है। रायनर ने लंदन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा, विमान दुर्घटना से प्रभावित सभी लोग कठिन समय का सामना कर रहे हैं। लंदन स्थित इंडिया हाउस द्वारा आयोजित सर्व-धर्म प्रार्थना के दौरान रायनर, उनके साथी सांसदों, विदेश मंत्रालय के अधिकारियों और भारतीय समुदाय के सदस्यों ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। हादसे में मारे गए लोगों और रेस्क्यू ऑपरेशन में शामिल लोगों के प्रयासों की सराहना भी की गई। इस कार्यक्रम में सभी प्रमुख धर्मों के आध्यात्मिक लोग मौजूद रहे। हताहतों को पुष्पांजलि भी अर्पित की गई। रायनर ने भारतीय उच्चायोग में अपने संबोधन में कहा, पिछले कुछ दिनों में मुझे एक बात सबसे अधिक प्रभावित कर रही है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन और भारत भले ही दो ऐसे देश हैं जिनके बीच भौगोलिक रूप से बहुत दूरी है, लेकिन वास्तव में हम बहुत करीब हैं। आज हम साथ मिलकर शोक मना रहे हैं। रायनर ने कहा, मैं आज यहां मौजूद सभी लोगों और उच्चायोग से परे सभी लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहती हूं। ब्रिटेन आपके साथ है और आपका समर्थन करना जारी रखेगा।

ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अहमदाबाद विमान हादसे पर दुख होने के साथ-साथ गंभीर सदमे की बात कही। उन्होंने कठिन समय में समर्थन के लिए ब्रिटेन का आभार भी प्रकट किया।

दोराईस्वामी ने कहा, इस त्रासदी से हम सभी को एहसास हुआ कि जीवन अचानक समाप्त हो सकता है। उन्होंने कहा, हम 271 लोगों की मौत के बाद उनके पीछे छूटे कई परिवारों और दोस्तों के लिए शोक मना रहे हैं। इतने सारे लोगों की जिंदगी पर गहरा असर पड़ा है। पीड़ित परिवार जैसे हालात से जूझ रहे हैं, ऐसे में यह कल्पना करना मुश्किल है कि हम कुछ भी कहें या करें, पीड़ितों को सांत्वना नहीं मिल सकती। इन एवरलास्टिंग मेमोरी नाम से आयोजित कार्यक्रम के तहत ब्रिटिश संसद के निचले सदन- हाउस ऑफ कॉमन्स में भी चर्चा हुई। इसमें विदेश कार्यालय मंत्री हैमिश फाल्कनर ने संसद को बताया कि त्रासदी से प्रभावित ब्रिटिश नागरिकों की सहायता के लिए सरकार क्या प्रयास कर रही है।

फाल्कनर ने कहा, ब्रिटेन में लगभग 2 मिलियन भारतीय प्रवासी रहते हैं। गुजराती समुदाय के भी लोग बड़ी संख्या में रहते हैं। हम इस त्रासदी का दर्द एक साथ महसूस करते हैं। हमारे बीच गहरे व्यक्तिगत संबंध हैं। ये भारत के साथ हमारी साझेदारी की ताकत की भी याद दिलाता है। दोनों देशों की साझेदारी संकट के समय विश्वास, साझा मूल्यों और आपसी समर्थन पर आधारित है। उन्होंने परिवारों की पीड़ा और हताशा को भी रेखांकित किया, जो शवों की पहचान और पार्थिव शरीर मिलने के इंतजार अभी तक अपने प्रियजनों को अंतिम विदाई नहीं दे पाए हैं।

बता दें कि एअर इंडिया का अत्याधुनिक विमान- बोइंग ड्रीमलाइनर 787-8 बीते 12 जून को अहमदाबाद के मेघाणीनगर में उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड्स बाद क्रैश हो गया। विमान में सवार 242 लोगों में 12 क्रू के सदस्य थे। यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश नागरिक, एक कनाडाई नागरिक और 7 पुर्तगाली नागरिक शामिल थे। हादसे के समय मेघाणीनगर में मौजूद कई लोग हताहत हुए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एअर इंडिया ने एक करोड़ 25 लाख रुपये मुआवजा देने का एलान किया है। एअर इंडिया विमान संख्या-एआई171 अहमदाबाद से लंदन गैटविक जा रहा था। बोइंग 787-8 एयरक्राफ्ट वीटी-एएनबी श्रेणी का था। इस हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का भी निधन हो गया। फ्लाइट क्यों क्रैश हुई इसका पता लगाने के लिए जांच जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129